सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh

RNI No :- DELHIN/2023/86499
DCP Licensing Number :
F.2 (P-2) Press/2023

www.newsparivahan.com

परिवहन विशेष

वर्ष 02, अंक 287, नई दिल्ली । गुरुवार, 26 दिसम्बर 2024, मूल्य ₹ 5, पेज 8

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

आज का सुविचार

अगर भाग्य पर भरोसा है तो जो तकदीर में लिखा है वही पाओगे, और अगर खुद पर भरोसा है तो जो चाहोगे वही पाओगे।

03 कैलाश गहलोत की बदली जा सकती है सीट, BJP खेमे में घमासान

06 डिजिटल प्रदूषण की आहट !

08 हैदराबाद में राजस्थान से सांसद राहुल कस्वां सम्मान किया

तेज रफ्तार से गाड़ी चलाई तो खैर नहीं

लेजर स्पीड गन से होगी निगरानी; जानिए दिल्ली पुलिस का खास प्लान

संजय बाटला

राजधानी दिल्ली में अब तेज रफ्तार से वाहन चलाना महंगा पड़ सकता है। पुलिस के अनुसार अब दिल्ली में तेज रफ्तार वाहनों पर लेजर स्पीड गन से नजर रखी जाएगी। पुलिस का कहना है कि सर्दी में कोहरे के चलते सड़कों पर हादसे बढ़ जाते हैं। तेज रफ्तार से गाड़ी चलाने की वजह से भी ज्यादा हादसे होते हैं इसीलिए यह प्लान तैयार किया गया है।

नई दिल्ली। ठंड के मौसम में घने कोहरे के बीच गाड़ी चलाना एक बड़ी चुनौती होती है, उसमें भी सुबह या रात के समय गाड़ी चलानी हो तो मुसीबत और भी बढ़ जाती है। दिसंबर व जनवरी के महीने में सड़कों पर खासतौर पर रिंग रोड पर कुछ मीटर दूरी तक भी नहीं दिखाई देती है। इसमें भी वाहन चालक तेज गति से गाड़ी चलाते हैं, जिससे आए दिन हादसे की खबरें सामने आती हैं।

पुलिस ने जारी कर दिया सर्कुलर

वहीं, इसको ध्यान में रखते हुए यातायात पुलिस ने रफ्तार के चालकों पर हाई लेवल की नजर रखने के लिए लेजर स्पीड गन से लगाने की तैयारी कर ली है। लेजर स्पीड गन तेज स्पीड की रडार को कैच करने में सक्षम होती है। जिसको लेकर एक सर्कुलर भी जारी कर दिया गया है।

ट्रैफिक उपायुक्त, टीआई को दिए गए निर्देश

सर्कुलर में सभी ट्रैफिक उपायुक्त, टीआई को निर्देश दिए गए हैं कि वे अपने तौर पर उन स्पॉट की जानकारी लें, जहां पर रोड हादसे और वाहनों की रफ्तार काफी ज्यादा होती है। इसके अलावा सड़क हादसों पर अंकुश लगाने के लिए दिल्ली में अब वाहनों की रफ्तार 50 करने पर भी विचार किया जा रहा है।

तीन दर्जन से ज्यादा ऐसे स्पॉट

यातायात पुलिस अधिकारी के मुताबिक, दिल्ली में तीन दर्जन से ज्यादा ऐसे स्पॉट हैं, जहां पर बेलगाम वाहन चलते हैं। इसी वजह से वहां पर सड़क हादसे होते हैं और लोगों की जानें तक चली जाती हैं। इसमें उत्तरी जिले के रिंग रोड, आउटर रिंग रोड और नरेला, अलीपुर जैसे दिल्ली की बाहरी बेल्ट के भी इलाके हैं।

वहीं, इनको देखते हुए दिल्ली पुलिस एक सर्कुलर जारी कर रही है, जिसमें दिल्ली में अब वाहनों की रफ्तार 50 किया जा सकता है। इस पर ट्रैफिक पुलिस अधिकारियों का कहना है कि 50 की रफ्तार ऐसी होती है, जिसको अगर आगे कोई हादसा होने वाली चीज हो तो चालक खुद काबू कर सकता है।

उधर, दूसरी तरफ कुछ लोगों का कहना है कि 50 की रफ्तार से रिंग रोड पर रफ्तार का कहर तो कम होगा, लेकिन वर्किंग डे में बाहरी फ्लाईओवर पर स्लो स्पीड से दिक्कतें भी आ सकती हैं।

लेजर स्पीड गन के इस्तेमाल से रफ्तार पर लगेगी लगाम

लेजर स्पीड गन का इस्तेमाल होने से सड़क हादसों और तेज रफ्तार के कहर को कम करने में कामयाबी मिलेगी। इसको लेकर यातायात पुलिस ने अपने तौर पर पहल शुरू भी कर दी है, जबकि ट्रांसपोर्ट विभाग को सर्कुलर जल्द ही भेजा जाएगा।

ऐसे काम करती है लेजर स्पीड गन

अत्याधुनिक लेजर स्पीड गन तय सीमा से अधिक वाहनों की गति को दिन हो या रात में एक किलोमीटर दूर से ही पकड़ लेती है। इस गन में यह सुबूत भी होगा कि वह मानक से कितना अधिक तेज गाड़ी चला रहे थे। लेजर का उपयोग टेलगेटिंग प्रवर्तन, फोटो और वीडियो आधारित गति प्रवर्तन, विचलित ड्राइविंग, दुर्घटना स्थल मानचित्रण, सांख्यिकीय डेटा संग्रह और आपदाओं के लिए सामान्य माप के लिए किया जाता है। यह गन किसी भी मौसम में पूरी तरह से अपने टारगेट को चिन्हित कर लेती है।

हमारी कोशिश रहती है कि किसी तरह से वाहनों से होने वाले हादसे कम से कम हों। इसको लेकर समय-समय पर योजनाओं को पुख्ता किया जाता है। ठंड के मौसम में कोहरे के चलते हादसों को खतरा बढ़ जाता है, इसलिए लेजर स्पीड गन से तेज गति से वाहन चलाने वालों पर कड़ी नजर रखी जाएगी। -

अजय चौधरी, स्पेशल सीपी, यातायात पुलिस

टेंपल्स ऑफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर एलाइड ट्रस्ट (पंजीकृत)

TOLWA

website : www.tolwa.in
Email : tolwadelhi@gmail.com
bathlasanjaybathla@gmail.com

रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन 60 विद रजिस्ट्रेशन नंबर (152/02-03-2020), एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर उद्यम -डीएल -0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन नंबर वीओ/एनजीओ/0303274/25-01-2022 दर्पण

रजिस्टर्ड कार्यालय :- 3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए -4 पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली 110063
कॉरपोरेट कार्यालय :- 529, समयपुर, मैन बवाना रोड, नियर बैंक ऑफ़ बड़ौदा दिल्ली 110042

परिवहन के भ्रष्ट अधिकारियों पर सरकार करें कड़ी कार्रवाई: स0 तजिंदर सिंह

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश में आरटीओ के अधिकारियों के घर में छापामारी से भ्रष्टाचार का एक बहुत बड़ा खुलासा हुआ है आरटीओ और सरकारी विभाग के अधिकारी ट्रांसपोर्टरों एवं ड्राइवरों से बुरी तरह से लूट खसोट का धंधा चला रहे हैं जिससे ट्रांस्पोर्टरों को अपना रोजगार चलाने में कई परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है वहीं ड्राइवर समाज के साथ भी इन अधिकारियों द्वारा के साथ बहुत बुरा व्यवहार भी किया जाता है यह सारा पैसा जो भी इन भ्रष्ट अधिकारियों से वसूल किया गया है वह जनता का पैसा है और इसे सरकारी खजाने में जमा करके उससे परिवहन समाज के कल्याण के कार्य किये जाने चाहिए साथ ही साथ सड़कों पर चलने के दौरान मालवाहक गाड़ियों और उनके ड्राइवरों को परिवहन विभाग के अधिकारी द्वारा नाजायज परेशान किया जाता है और उनसे अवैध वसूली की जाती है इस प्रकार के सभी भ्रष्ट कारोबार पर सरकार द्वारा कड़ाई करते हुए इन अधिकारियों पर उचित कार्रवाई की जानी चाहिए कारोबार पर लगा लगाई जानी चाहिए। जनसेवा ड्राइवर पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सरदार तजिंदर सिंह जी ने कहा कि भारतीय सड़कों पर चलने वाले सर्व समाज के अधिकारों एवं सम्मान के लिए हमेशा प्रयासरत रहेंगे ताकि सड़क से जुड़े सर्व समाज को इंसाफ मिले और आने वाले समय में उन सभी की समस्याएं कम हो पाए।

दिल्लीवाले हो जाएं सावधान! धड़ाधड़ चालान काट रही पुलिस...

परिवहन विशेष न्यूज

दिल्लीवाले हो जाएं सावधान! धड़ाधड़ चालान काट रही पुलिस, 20 हजार से ज्यादा चालकों पर हुई कार्रवाई दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने शराब पीकर गाड़ी चलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की है। इस साल अब तक 20 हजार से ज्यादा चालान किए जा चुके हैं जबकि पिछले साल यह संख्या 13552 थी। सबसे ज्यादा चालान दक्षिण पूर्वी जिले में 2402 काटे गए हैं। ट्रैफिक पुलिस का कहना है कि शराब पीकर गाड़ी चलाने से न केवल चालक बल्कि यात्रियों पैदल यात्रियों को भी गंभीर खतरा होता है।

नईदिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली की सड़कों पर जाम छलकाकर गाड़ियों पर फर्राटा भरते लोग दिखना आम बात है। यह लोग नियमों की धज्जियां उड़ाते हुए नशे में तेल गति से गाड़ी चलाते हैं और हादसे का शिकार हो कर अपने साथ दूसरों की भी जान जोखिम में डालते हैं। दिल्ली पुलिस ने भी शराब के नशे में गाड़ी चलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है।

नशे वाहन चलाने वाले हो जाएं सावधान

यही वजह है कि इस साल पुलिस ने नशे में वाहन चलाने वालों के 20 हजार से अधिक चालान किए हैं, जबकि पिछले साल 13,552 चालान किए गए थे। सबसे अधिक चालान दक्षिण पूर्वी जिले में 2,402 काटे गए हैं। ट्रैफिक पुलिस की तरफ से जारी आंकड़ों के अनुसार, पिछले साल 13,552 चालान काटे गए थे, जबकि इस साल 14 दिसंबर तक करीब 20,759 से अधिक चालान काटे गए हैं।

साउथ ईस्ट जिले में हुए इतने चालान

इसमें सबसे अधिक साउथ ईस्ट जिले में 2,402 चालान काटे गए हैं। वहीं दूसरे नंबर पर वेस्ट जिला है जहां यह संख्या 2,254 रही। तीसरे नंबर पर मध्य जिला है, जहां ड्रंकन ड्राइव के 1,752 चालान काटे गए हैं। आंकड़े दर्शाते हैं कि राजधानी में गाड़ी चालक सेफ ड्राइविंग के नियमों की धज्जियां उड़ा रहे हैं। ये ना सिर्फ लापरवाह रवैये की ओर इशारा करता है, बल्कि जान के प्रति असंवेदनशीलता को भी दर्शाता है।

घटने की बजाय बढ़ रही नशे में गाड़ी चलाने वालों की संख्या

इससे साफ और स्पष्ट अंदाजा लगाया जा सकता है कि दिल्ली की सड़कों पर नशे में गाड़ी चलाने वालों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। सड़क सुरक्षा नियमों के पालन को जागरूक करती है पुलिस हैरान करने वाली बात यह है कि दिल्ली पुलिस लगातार नशे में गाड़ी चलाने वालों पर नकेल कसने की कार्रवाई कर रही है।

बावजूद इसके लोग अपनी आदत को सुधारने की जहमत नहीं उठा रहे हैं। इस तरह की दिल्ली यातायात पुलिस की कार्रवाई सड़क हादसों को न्योता देने वालों के खिलाफ जीरो टालरेंस की पालिसी को भी दर्शाती है।

दूसरी तरफ यातायात पुलिस लोगों को ज्यादा से ज्यादा सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करने के लिए भी लगातार जागरूक करती रहती है। ट्रैफिक पुलिस ने आंकड़े जारी करते हुए कहा है कि शराब के नशे में गाड़ी चलाने से न केवल चालक बल्कि यात्रियों, पैदल यात्रियों और अन्य मोटर चालकों को भी गंभीर खतरा होता है।

कहां कितने किए गए चालान

पश्चिमी जिला - 2,254
दक्षिण पूर्वी जिला - 2,402
मध्य जिला- 1,752
दक्षिणी जिला - 1,733
उत्तरी जिला - 1,731
पूर्वी जिला- 1,382
बाहरी उत्तरी जिला- 1,384
रोहिणी जिला- 2,018
उत्तर पश्चिमी जिला - 1,018
दक्षिण पश्चिमी जिला - 1,437
बाहरी जिला - 790
उत्तर पूर्वी जिला - 857
नई दिल्ली डिस्ट्रिक्ट- 702
द्वारका जिला- 759
शाहदरा जिला- 540

इस संबंध में स्पेशल सीपी ट्रैफिक अजय चौधरी ने कहा कि नव वर्ष व बढ़ते कोहरे को देखते हुए सभी यातायात उपायुक्त और टीआइ को निर्देश दिए गए हैं कि ड्रंकन ड्राइव को पहले से तेज किया जाएगा। ताकि लोग शराब पीकर गाड़ी न चलाएं। क्योंकि शराब पीकर गाड़ी चलाने से अक्सर सड़क हादसे होते हैं। ऐसे में यातायात पुलिस द्वारा दुर्घटनाओं को रोकने के लिए सख्त एक्शन लिया जाएगा।

ट्रैफिक जाम से मिलेगा छुटकारा, CM आतिशी ने किया फ्लाईओवर का उद्घाटन; 257 करोड़ की आई लागत

दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने आज यानी बुधवार को अप्सरा बॉर्डर से आनंद विहार आरओबी तक नवनिर्मित फ्लाईओवर का उद्घाटन किया। इससे लोगों को जाम से राहत मिलेगी। बताया गया कि 1.44 किमी लंबे फ्लाईओवर को बनाने में 257 करोड़ रुपये की लागत आई है। आगे विस्तार से पढ़िए आखिर इस फ्लाईओवर के चालू होने से किन-किन लोगों को ज्यादा फायदा होगा।

पूर्वी दिल्ली। मुख्यमंत्री आतिशी ने फीता काटकर अप्सरा बॉर्डर से आनंद विहार आरओबी तक नवनिर्मित फ्लाईओवर का उद्घाटन किया। यह 2.2 किलोमीटर है। इसके बनने से फ्लाईओवर के नीचे सड़क सिग्नल फ्री हो गई है।

बता दें कि पहले वेवक विहार, श्रेष्ठ विहार और रामप्रस्थ लालबत्ती के कारण जाम लगता था। इसे बनाने में 257 करोड़ रुपये की लागत आई है।

1.44 किमी लंबे फ्लाईओवर को बनाने में आई 257 करोड़ लागत

अप्सरा बॉर्डर से आनंद विहार रेलवे ओवर ब्रिज (आरओबी) तक पर नवनिर्मित छह लेन के फ्लाईओवर बुधवार आज से औपचारिक तौर पर लोगों के लिए खुल गया है। मुख्यमंत्री आतिशी ने इसका उद्घाटन किया।

सिंगल पिलर पर किया गया फ्लाईओवर का निर्माण

बताया गया कि 1.44 किलोमीटर लंबे इस फ्लाईओवर का निर्माण सिंगल पिलर पर किया गया है। इसे बनाने में 257 करोड़ रुपये लागत आई है। इसके बनने से आनंद विहार बस अड्डा और रेलवे स्टेशन से लोगों को अप्सरा बॉर्डर तक पहुंचने में पांच मिनट लगेंगे, पहले जाम की वजह से लोगों को आधा घंट लग जाता था।

पीडब्ल्यूडी ने शुरू किया था इसका निर्माण

10 अक्टूबर 2022 को पीडब्ल्यूडी ने इसका निर्माण शुरू किया था। तत्कालीन मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शिलान्यास किया था। उस वक्त 15 माह में निर्माण पूरा करने का लक्ष्य रखा गया था, लेकिन पेड़ काटने की अनुमति समेत कई समस्याओं की वजह से इसमें देरी हुई।

यह फ्लाईओवर पूरी तरह तैयार होने के बावजूद इससे दो पेड़ नहीं हटाए जा सके हैं। सुरक्षा उपाय अपनाते हुए इन पेड़ों के रहते इसका लोकार्पण किया जा रहा है। फ्लाईओवर के नीचे रोड पर भी श्रेष्ठ विहार, रामप्रस्थ और विवेक विहार लालबत्ती का अवरोध भी नहीं रह गया है।

दो साल में वसूल हो जाएगी लागत

पीडब्ल्यूडी ने निर्माण शुरू करते वक्त दावा है किया था कि इसकी लागत दो साल में वसूल हो जाएगी। पीडब्ल्यूडी ने आंकलन किया था कि जाम की वजह से इस राह से जाने में वाहन चालकों के औसत 11.07 मिनट खराब होते थे। फ्लाईओवर बनने पर इससे प्रतिदिन करीब 1.48 लाख वाहन गुजरेंगे।

144.78 करोड़ रुपये की होगी बचत

सालाना 16.57 लाख लीटर ईंधन की खपत कम होने से 144.78 करोड़ रुपये की बचत होगी।

पंजाबी वेडिंग के लिए चाहिए पटोला लुक तो कैरी करें ऑक्सीडाइज झुमके, यहां देखें कलेक्शन

बात की जाए अगर पंजाबी वेडिंग की, तो आपको पटोला लुक पाने के लिए अट्रैक्टिटव चीजें वियर करनी पड़ती हैं। ऐसे में आज हम इस आर्टिकल के जरिए आपको ऑक्सीडाइज झुमकों का कलेक्शन दिखाने जा रहे हैं।

महिलाएं अपने आउटफिट के साथ-साथ मेकअप, हेयरस्टाइल और ज्वेलरी का भी खास ख्याल रखती हैं। तब कहीं जाकर उनका लुक कंप्लीट होता है। कई बार आउटफिट बहुत अच्छा होता है, लेकिन सिंपल एक्सेसरीज के साथ लुक में मजा नहीं आता है। ऐसे में हमेशा सही चीजों का चयन करना बेहद जरूरी होता है। बात की जाए अगर पंजाबी वेडिंग की, तो आपको पटोला लुक पाने के लिए अट्रैक्टिटव चीजें वियर करनी पड़ती हैं। ऐसे में आज हम इस आर्टिकल के जरिए आपको ऑक्सीडाइज झुमकों का कलेक्शन दिखाने जा रहे हैं। इन ऑक्सीडाइज झुमकों को आप पंजाबी वेडिंग में सलवार सूट संग कैरी कर अपने लुक में चार चांद लगा सकती हैं।

पर्ल बीड्स बिग झुमक

आप वेडिंग सीजन में एक्ट्रेस संजना सांघी के जैसे बिग डबल लेयर पर्ल बीड्स झुमके पहनकर खुद को एलीगेंट लुक दे सकती हैं। यह झुमके पटियाला सूट के साथ खूब अच्छे लगते हैं। यह झुमके आपको एथनिक टच देने के साथ आपका लुक चांद की तरह निखर आएगा।

स्माल सर्कल शेप झुमके

एक्ट्रेस आलिया भट्ट ने स्मॉल सर्कल शेप झुमकी एलिगेंट लुक देती हैं। अगर आप फेस ब्रॉड है, तो एक्ट्रेस की तरह स्मॉल झुमकी को ट्राई कर सकती हैं। इस तरह की झुमकी इयररिंग्स पेंट सूट के साथ स्टाइल कर सकती हैं। आप इसको कैरी करके बेहद खूबसूरत नजर आएंगी। इसके साथ आप मिनिमल मेकअप और हेयर स्टाइल बना सकती हैं।

गजरा बीड्स झुमकी

इसके साथ ही आप ऐसी गजरा बीड्स झुमकी एकदम ट्रेडिशनल टच देने का काम करेंगी। आप पंजाबी वेडिंग के लिए इस तरह के झुमके पहन सकती हैं। लोकल मार्केट और ऑनलाइन में आपको इस तरह की झुमकियां आसानी से मिल जाएंगी। यह आपको कम दाम 100 रुपए से 500 रुपए तक में आसानी से मिल जाएंगे।

चांद बाली झुमके

पंजाबी वेडिंग में सलवार-सूट के संग इस तरह के चांद बाली झुमके आपकी खूबसूरती को बढ़ाने का काम करेंगे। आप भीड़ में एकदम अलग नजर आएंगी। आप चांद बाली झुमके न सिर्फ सूट बल्कि साड़ी पर भी पहन सकती हैं। ऑनलाइन ऐसे झुमके आसानी से मिल जाएंगे। वहीं अगर पैसे की बात की जाए, तो आपको 1000 रुपए के अंदर ऐसे झुमके मिल जाएंगे।

जानिए रामचरितमानस को लाल कपड़े में रखने की परंपरा का क्या है कारण

हिंदू धर्म में लाल रंग को सौभाग्य, साहस, शुभता और उमंग का प्रतीक माना जाता है। ऐसे में आज हम आपको बताने जा रहे हैं कि आखिर रामचरितमानस को लाल कपड़े में लपेटकर क्यों रखा जाता है।

हिंदू धर्म में लाल रंग को सौभाग्य, साहस, शुभता और उमंग का प्रतीक माना जाता है। वहीं आपने देखा होगा कि लाल या पीले रंग के वस्त्र में धार्मिक ग्रंथों को लपेटकर रखने का महत्व है। क्योंकि लाल रंग को बेहद पवित्र माना जाता है और यह रंग समृद्धि का भी कारक है। बता दें कि वैदिक काल में मुख्य रूप से धार्मिक ग्रंथ को लाल रंग के कपड़े में रखा जाता था। जब किसी भी ग्रंथ को लाल कपड़े में लपेटकर रखा जाता है, तो यह उस ग्रंथ की पवित्रता और सुरक्षा का प्रतीक होता है।

हालांकि यह धार्मिक ग्रंथों को संरक्षित करने की एक परंपरा भी है। जिससे कि वह बुरी शक्तियों से बची रहें और उनका आदर बना रहे। ऐसे में आज इस अर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि आखिर रामचरितमानस को लाल कपड़े में लपेटकर क्यों रखा जाता है।

लाल रंग का मंगल ग्रह से है संबंध

बता दें कि धार्मिक ग्रंथों को लाल रंग के कपड़े में लपेटकर रखे जाने का विशेष महत्व होता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, लाल रंग को शुभता और समृद्धि का भी प्रतीक होता है। इसलिए लाल रंग के कपड़े में रामचरितमानस को रखने से उस ग्रंथ की शुभता और संपन्नता बनी रहती है। वहीं लाल रंग का संबंध मंगल ग्रह से है, जो सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक होता है।

अनंत काल का प्रतिनिधित्व करता है लाल रंग

धार्मिक शास्त्रों में इस बात का उल्लेख मिलता है कि पौराणिक काल से ही लाल वस्त्र ने धार्मिक धरोहर को संजोकर रखा है। बताया जाता है कि जब वाल्मिकी जी ने रामायण लिखा था, तो वह इस ग्रंथ को लाल कपड़े में रखते थे। वहीं जब तुलसीदास ने रामचरितमानस लिखी थी, तो वह भी इस ग्रंथ को लाल रंग के कपड़े में रखते थे। ऐसा इसलिए किया जाता है क्योंकि धार्मिक ग्रंथों में जो श्लोक, मंत्र और चौपाई आदि पहले लिखी जाती थीं, उन्हें बड़ी शुद्धता से लिखा जाता था। जिसकी वजह से उन ग्रंथों में दिव्य ऊर्जाओं का वास होता था।

धार्मिक ग्रंथों की दिव्स ऊर्जाओं को ग्रंथों में समाहित रखने के लिए लाल रंग के वस्त्र का इस्तेमाल किया जाता है। वहीं लाल रंग के कपड़ों में इन ग्रंथों की शुद्धता बनी रहती है। ऐसे में जब कोई व्यक्ति रामचरितमानस का पाठ करता है, तो उसके अंदर भी एक दिव्य ऊर्जा समाहित हो जाती है। जो उस व्यक्ति के जीवन को बदल सकती है।

क्या घरेलू उपचार से कैंसर को दी जा सकती है मात, जानिए क्या कहते हैं एक्सपर्ट

नवजोत सिंह सिद्धू ने बताया कि उनकी पत्नी की डाइट में नीम के पत्ते, हल्दी, सेब का सिरका, अनार, नींबू पानी, चुकंदर और आंवला जैसे खाद्य पदार्थ शामिल थे। उन्होंने कैंसर मुक्त होने का क्रेडिट घरेलू नुस्खों को दिया है।

कैंसर एक गंभीर और जानलेवा बीमारी है। कैंसर का नाम सुनते ही लोगों के दिलों में खौफ सताने लगता है। हालांकि अब कैंसर का इलाज मुमकिन है, बशर्ते कैंसर की पकड़ शुरूआती स्टेज में हो। बता दें कि भारतीय पूर्व क्रिकेटर नवजोत सिंह सिद्धू की पत्नी को 4th स्टेज का ब्रेस्ट कैंसर था। लेकिन अब उनकी पत्नी कैंसर को मात दे चुकी हैं। उन्होंने कैंसर मुक्त होने का क्रेडिट घरेलू नुस्खों को दिया है।

नवजोत सिंह सिद्धू ने बताया कि उनकी पत्नी की डाइट में नीम के पत्ते, हल्दी, सेब का सिरका, अनार, नींबू पानी, चुकंदर और आंवला जैसे खाद्य पदार्थ शामिल थे। सिद्धू ने बताया कि उनकी पत्नी को चीनी और कार्बोहाइड्रेट देना बंद कर दिया था। उन्होंने बताया कि वह शाम को 6 बजे खाना खाती थीं और फिर अगले दिन सुबह कुछ खाती थीं। सिद्धू ने बताया कि सख्त डाइट औऱ मेडिकल ट्रीटमेंट ने उनकी पत्नी के ठीक होने में अहम भूमिका निभाई। लेकिन क्या सच में कैंसर को हराने में घरेलू उपचार मददगार हैं।

घरेलू उपायों से कैंसर हराया जा सकता है

हेल्थ एक्सपर्ट के मुताबिक कैंसर के इलाज के लिए सिर्फ डाइट पर निर्भर नहीं रहा जा सकता है। एक्सपर्ट ने भी नीम जैसे खाद्य पदार्थों से कैंसर का इलाज होने का कोई वैज्ञानिक प्रमाण नहीं माना है। एक्सपर्ट का मानना है कि कीमोथेरेपी, सर्जरी और रेडिएशन जैसे तरीकों से कैंसर का इलाज किया जाता है। वहीं सही डाइट लेने से इम्यूनिटी को भी बढ़ावा मिलता है और इलाज के साइड इफेक्ट्स को कम किया जा सकता है।

हेल्थ एक्सपर्ट की मानें, तो डाइट से रिकवरी करने में सहायता मिल सकती है। लेकिन यह इस गंभीर बीमारी के मानक इलाज का विकल्प नहीं हो सकती है। इसलिए इसके इलाज के लिए डॉक्टर की सलाह लेना बहुत जरूरी है। ऐसे में आपको किसी भी डाइट पर आंख बंद करके भरोसा करने से बचना चाहिए।

कुछ ही मिनटों में तैयार हो जाएंगे ये टेस्टी स्नैक्स, नए साल के जश्न के लिए अभी से कर लें नोट

नई दिल्ली। नया साल आने में अब कुछ ही दिन बचे हैं और हर कोई इस खास मौके को यादगार बनाने के लिए तैयारियां करने में जुटा है। एक शानदार पार्टी के लिए टेस्टी स्नैक्स का होना बहुत जरूरी है। अगर आप भी न्यू ईयर पार्टी के लिए कुछ स्पेशल और टेस्टी स्नैक्स (New Year's Party Snacks Ideas) बनाने की सोच रहे हैं, तो आप बिल्कुल सही जगह पर आए हैं। आज हम आपको कुछ ऐसे स्नैक्स आइडियाज बताने जा रहे हैं, जिन्हें आप कुछ ही मिनटों में तैयार कर सकते हैं और आपके मेहमानों को भी ये चीजें बहुत पसंद आएंगी।

पनीर टिक्का: पनीर टिक्का एक ऐसा स्नैक है जो हर किसी को पसंद होता है। इसे बनाने के लिए आपको पनीर के टुकड़ों को दही, अदरक-लहसुन का पेस्ट और मसालों में मैरीनेट करना होता है। इसके बाद इसे तंदूर या ओवन में भूनकर तैयार किया जाता है। आप चाहें तो इसे तेल में भी तल सकते हैं।

वेजिटेबल स्प्रिंग रोल: वेजिटेबल स्प्रिंग रोल एक हेल्दी और टेस्टी स्नैक है। इसे बनाने के लिए आपको गाजर, पत्ता गोभी, शिमला मिर्च और अन्य सब्जियों को बारीक काटकर एक मिश्रण तैयार करना होता है। इसके बाद इस मिश्रण को स्प्रिंग रोल के पेपर में लपेटकर तल दिया जाता है।

कॉर्न टिक्की: कॉर्न टिक्की भी एक अनोखा और स्वादिष्ट स्नैक है। इसे बनाने के लिए आपको मक्के के दाने, प्याज, टमाटर, हरी मिर्च और मसालों को मिलाकर एक मिश्रण तैयार करना होता है। इसके बाद इस मिश्रण को टिक्की का आकार देकर तल दिया जाता है।

ढोकला: ढोकला एक फेमस गुजराती स्नैक है। इसे बनाने में ज्यादा समय नहीं लगता और ये बहुत ही स्वादिष्ट होता है। आप इसे दही और हरी चटनी के साथ सर्व कर सकते हैं।

मिर्ची वड़ा: मिर्ची वड़ा एक तीखा और कुरकुरा स्नैक है। इसे बनाने के लिए हरी मिर्च को बेसन के घोल में डुबोकर तला जाता है। इसे टोमैटो सॉस या चटनी के साथ सर्व किया जाता है।

दही पूरी: दही पूरी एक लोकप्रिय स्ट्रीट फूड है जिसे आप न्यू ईयर पार्टी में स्नैक्स के तौर पर सर्व कर सकते हैं। इसे बनाने के लिए आपको पहले आटा की छोटी पूरियां बना लें। फिर पूरियों में उबले आलू के मिश्रण को डालें, ऊपर से इमली की चटनी, हरी चटनी, दही, बूंदी, कटा प्याज, कटा टमाटर और सेव डालकर सर्व करें।

चाय के शौकीन लोगों के लिए स्वर्ग से कम नहीं ये शहर, प्राकृतिक सुंदरता देख खुश हो जाएगा दिल

भारत में एक शहर ऐसा है, जिसको चाय का शहर कहा जाता है। ऐसे में अगर आप भी चाय के शौकीन हैं, तो आपको भी इस शहर के बारे में जरूर जानना चाहिए। साथ ही आप यहां पर घूमने का भी प्लान बना सकते हैं।

अक्सर लोग सुबह की शुरूआत चाय की चुस्कियों के साथ करते हैं। तो वहीं कई लोगों की नींद चाय से खुलती है। किसी का दिन चाय के बिना अधूरा रहता है, तो कोई अखबार पढ़ते-पढ़ते चाय की चुस्कियां लेते हैं। गर्मियों से लेकर सर्दियों और मानसून हर मौसम में चाय पी जाती है। गर्मागर्म चाय के स्वाद से ही दिन भर की थकान छू मंतर हो जाती है। भारत में चाय जितनी ज्यादा पी जाती है, उतनी ही उत्पादन भी की जाती है। भारत सबसे ज्यादा चाय उत्पादन करने वाले देशों में शामिल है।

चाय के उत्पादन में भारत को दुनिया का सबसे बड़ा देश माना जाता है। यहां 80 फीसदी चाय घरेलू उपयोग के लिए और 20 फीसदी निर्यात किया जाता है। भारत में उत्तर से लेकर दक्षिण तक चाय का उत्पादन होता है। भारत के उत्तरी भाग में 83 फीसदी औऱ दक्षिण भारत में 17 फीसदी चाय उगाई जाती है। भारत में एक शहर ऐसा है, जिसको चाय का शहर कहा जाता है। ऐसे में अगर आप भी चाय के शौकीन हैं, तो आपको भी इस शहर के बारे में जरूर जानना चाहिए। साथ ही आप यहां पर घूमने का भी प्लान बना सकते हैं।

चाय का शहर

बता दें कि डिब्रूगढ़ भारत का एक ऐसा शहर है, जो चाय के बागानों के लिए फेमस है। यह शहर चाय उत्पादन का केंद्र है। यहां पर असमिया चाय की खेती बड़े पैमाने पर होती है। डिब्रूगढ़ से पूरी दुनिया में चाय निर्यात की जाती है। चाय का स्वाद, अनोखी सुगंध और गहराई के कारण यह अपने आप में अलग पहचान बनाती है।

चाय का शहर डिब्रूगढ़

भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र में स्थित असम राज्य का खूबसूरत शहर डिब्रूगढ़ है। असम अपने वनस्पतियों, समृद्ध प्राकृतिक संसाधनों और जीवों के लिए जाना जाता है। वहीं असम पूरी दुनिया में चाय के बागानों के लिए भी जाना जाता है।

क्यों कहते हैं चाय की नगरी

19वीं शताब्दी से असम की चाय का इतिहास जुड़ा है। उस दौरान ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी ने यहां पर चाय की खेती शुरू की थी। फिर धीरे-धीरे असम चाय उद्योग का एक प्रमुख केंद्र बन गया और आज यह डिब्रूगढ़ चाय उत्पादन के लिए फेमस है। यहां पर चाय के बागान सिर्फ देश ही नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी फेमस है।

असमिया चाय की पत्तियां अपने गहरे रंग, मजबूत स्वाद और एनर्जी देने वाले गुणों के लिए जानी जाती है। असम के डिब्रूगढ़ शहर को चाय का शहर भी कहा जाता है। क्योंकि यहां पर चाय का उत्पादन अधिक होता है।

जानिए डिब्रूगढ़ की खासियत

डिब्रूगढ़ की सबसे बड़ी खासियत यहां पर मौजूद चाय के बागान हैं। यहां के बागानों से उत्पादित होने वाली असमिया चाय की गुणवत्ता अद्वितीय होती है। यह चाय वैश्विक बाजार में एक विशेष स्थान रखती है।

यह जगह सिर्फ चाय बागानों के लिए ही नहीं बल्कि अपनी प्राकृतिक सुंदरता के लिए भी जाना जाता है। यहां पर आपको खूबसूरत पहाड़ियां, हरे-भरे चाय के बागान और ब्रह्मपुत्र नदी के तट पर बसा यह शहर अपने खूबसूरत वातावरण के लिए फेमस है।

इस शहर की संस्कृति भी असमिया परंपराओं और त्योहारों से समृद्ध है। यहां के स्थानीय पर्व जैसे बिहू असम के लोक संगीत और नृत्य इसकी सांस्कृतिक धरोहरों को अधिक खास बनाते हैं।

ऐसे पहुंचे डिब्रूगढ़

डिब्रूगढ़ पहुंचने के लिए आप बस, ट्रेन और हवाई जहाज से यात्रा कर सकते हैं। यहां का सबसे नजदीकी हवाई अड्डा डिब्रूगढ़ से करीब 15 किलोमीटर की दूरी पर स्थित मोहनबाड़ी एयरपोर्ट है। आपको दिल्ली, कोलकाता और गुवाहाटी से नियमित फ्लाइट्स मिल जाएंगी।

वहीं अगर आप ट्रेन से जाने की सोच रहे हैं, तो डिब्रूगढ़ में दो रेलवे स्टेशन हैं। एक डीबीआरजी और दूसरा डीबीआरटी है। डिब्रूगढ़ रेलवे स्टेशन भारत के प्रमुख शहरों से जुड़ा है। दिल्ली से डिब्रूगढ़ के लिए 3 ट्रेनें चलती हैं।

इसके अलावा आप सड़क मार्ग से भी डिब्रूगढ़ तक पहुंच सकते हैं। गुवाहाटी से डिब्रूगढ़ की दूरी करीब 450 किमी है। यहां आप बस या टैक्सी द्वारा आसानी से की जा सकती है।

डिब्रूगढ़ के पर्यटन स्थल

चाय के बागान

बता दें कि यहां पर आप चाय के हरे-भरे बागानों का दौरा कर सकते हैं। वहीं चाय की खेती से जुड़ी प्रक्रियाओं को पास से देख सकते हैं।

ब्रह्मपुत्र नदी

डिब्रूगढ़ शहर ब्रह्मपुत्र नदी के तट पर बसा है। साथ ही यह शहर जलविहार के लिए भी फेमस है। यहां से सूर्योदय और सूर्यास्त का अद्भुत नजारा देख सकते हैं।

नामफाकाम मठ

डिब्रूगढ़ के पास नामफाकाम नामक मठ प्रमुख बौद्ध धार्मिक स्थल है, यह स्थान अपने शांतिपूर्ण वातावरण के लिए भी जाना जाता है।

कैलाश गहलोत की बदली जा सकती है सीट, दिल्ली की इस विधानसभा को लेकर बीजेपी खेमे में घमासान

नजफगढ़ विधानसभा सीट से बीजेपी किसे उतारेगी कैलाश गहलोत या तरुण यादव? इस सवाल को लेकर नजफगढ़ में चर्चाओं का बाजार गर्म है। कैलाश गहलोत ने आम आदमी पार्टी छोड़कर बीजेपी का दामन थाम लिया है लेकिन क्या उन्हें बीजेपी नजफगढ़ से टिकट देगी? दूसरी ओर आम आदमी पार्टी ने तरुण यादव को नजफगढ़ से अपना उम्मीदवार बनाया है।

दिल्ली। भाजपा से आम आदमी पार्टी में शामिल हुए तरुण यादव को आप ने नजफगढ़ से विधायक का प्रत्याशी बनाया है। इससे पूर्व दिल्ली सरकार में मंत्री का दायित्व संभाल चुके नजफगढ़ (Najafgarh Assembly Seat) के विधायक कैलाश गहलोत आम आदमी पार्टी छोड़कर भाजपा का दामन थाम चुके हैं।

लेकिन क्या इन्हें भी भाजपा नजफगढ़ से टिकट देगी, इसे लेकर नजफगढ़ में चर्चा का बाजार गर्म है। इस बीच बिजवासन विधानसभा क्षेत्र में उनकी सक्रियता से नजफगढ़ में टिकट की आस लगाए भाजपा नेताओं में अंदर ही अंदर खुशी तो है लेकिन जब तक टिकट की घोषणा नहीं हो जाती, तब तक संशय की स्थिति है।

उधर बिजवासन विधानसभा क्षेत्र के भाजपा कार्यकर्ताओं का भी कुछ ऐसा ही हाल है। कैलाश गहलोत की बिजवासन में सक्रियता को मन ही मन अतिक्रमण मान रहे हैं, लेकिन पार्टी की सख्त अनुशासन नीति के कारण खुलकर कुछ बोल नहीं पा रहे हैं।

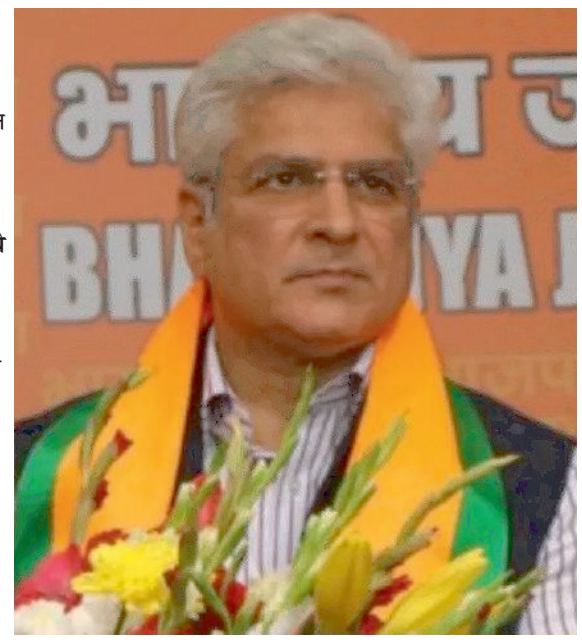

कल तक हमलावार, अब साधे हैं चुप्पी

हाल तक नजफगढ़ में जलभराव से जुड़ी समस्याओं को लेकर क्षेत्रीय विधायक कैलाश गहलोत पर निशाना साधने वाले नेता अब जलभराव की समस्या पर कुछ नहीं बोलते। नजफगढ़ फिरनी रोड, सुरखपुर रोड सहित अन्य सड़कों पर होने वाले जलभराव पर भाजपा वाले लोक निर्माण विभाग व सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग पर खूब निशाना साधते थे, लेकिन अब नहीं।

कारण यह है विधायक कैलाश गहलोत अब भाजपा का हिस्सा बन चुके हैं। बदली हुई परिस्थिति में भाजपा के उन नेताओं को सबसे अधिक दिक्कत उन्हें हो रही है जो विधानसभा चुनाव के लिए अपनी दावेदारी पार्टी के भीतर जता रहे थे।

वर्तमान में नजफगढ़ जोन के चेयरमैन अमित खरखड़ी व दिचाऊं वार्ड से निगम पार्षद नीलम के समर्थक इन्हें विधानसभा चुनाव में पार्टी का प्रत्याशी मानकर चल रहे थे। इसके अलावा भी कई अन्य नेता खुद को प्रत्याशी की दौड़ में मान रहे थे, लेकिन कैलाश गहलोत के प्रवेश ने सभी के गणित को गड़बड़ा दिया है।

लेकिन जिस हिसाब से कैलाश गहलोत पिछले कुछ समय से बिजवासन विधानसभा क्षेत्र में सक्रिय हुए हैं, उससे नजफगढ़ के नेताओं को लग रहा है कि शायद कैलाश गहलोत बिजवासन को ही कर्मस्थली बना सकते हैं। ऐसे में सभी के समर्थकों को उम्मीद है कि उनके पसंदीदा नेता को टिकट जरूर मिलेगा।

डेढ़ दशक में एक बार भाजपा व दो बार आप प्रत्याशी को

पिछले डेढ़ दशक में हुए विधानसभा चुनाव की बात करें तो वर्ष 2008 में इस सीट से भरत सिंह निर्वाचित हुए थे। भरत सिंह तब इंडियन नेशनल लोकदल में शामिल थे। वर्ष 2013 में यहां से भाजपा के अजीत खरखड़ी विजयी हुए। इसके बाद दो बार लगातार यहां से आम आदमी पार्टी के टिकट पर कैलाश गहलोत ने जीत दर्ज की।

अपराध की आय जमा करने या अनुचित लाभ की आशंका को नहीं कहा जा सकता मनी लॉन्ड्रिंग: कोर्ट

परिवहन विशेष न्यूज़

ओडिशा में कोयला आवंटन से जुड़े एक मनी लॉन्ड्रिंग मामले में दिल्ली की राउज एवेन्यू की विशेष अदालत ने आरोप पत्र पर संज्ञान लेने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने अपनी टिप्पणी में कहा कि अपराध की आय अर्जित करने या अनुचित लाभ की आशंका को मनी लॉन्ड्रिंग नहीं कहा जा सकता है। जानें जस्टिस ने इस मामले में और क्या कुछ कहा है।

नईदिल्ली। ओडिशा में कोयला आवंटन से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में एक कंपनी व इसके दो निदेशकों के विरुद्ध आरोप पत्र पर संज्ञान लेने से राउज एवेन्यू की विशेष अदालत ने इनकार कर दिया है। अदालत ने कहा कि अपराध की आय अर्जित करने या अनुचित लाभ की आशंका को मनी लॉन्ड्रिंग नहीं कहा जा सकता है।

विशेष न्यायाधीश अरुण भारद्वाज ने कहा कि ईडी के अनुसार एसीएल में होल्डिंग कंपनी के माध्यम से पूंजी/निवेश से संबंधित अपराध एसीएल द्वारा प्राप्त या प्राप्त किए जाने वाले अनुचित लाभ की प्रत्याशा में किया गया था।

अपराध की आय अभी तक अस्तित्व में नहीं आई- कोर्ट

अदालत ने कहा कि शिकायतकर्ता (ईडी) के अनुसार अनुचित लाभ अभी तक प्राप्त नहीं किया गया है और केवल प्रत्याशित है। अदालत ने कहा कि ईडी ने स्वयं कहा है कि आरोपित अपराध की आय अर्जित करने का प्रयास कर रहे थे और अनुचित लाभ की आशा कर रहे थे।

ऐसे में इसका इसका मतलब है कि अपराध की आय अभी तक अस्तित्व में नहीं आई है। ओडिशा में न्यू पात्रा पारा कोयला ब्लाक से संबंधित मामले में आधुनिक कार्पोरेशन लिमिटेड (एसीएल) और उसके तत्कालीन निदेशकों महेश कुमार अग्रवाल और निर्मल कुमार अग्रवाल को उक्त टिप्पणी के साथ राहत दी।

तीन नवंबर को दिया गया था कारण बताओ नोटिस

ईडी का आरोप था कि कंपनी और समूह की कंपनियों ने एसीएल में शेयर पूंजी की आड़ में 50.37 करोड़ रुपये की धनराशि का निवेश किया था। इसके परिणामस्वरूप एसीएल द्वारा अनुचित लाभ प्राप्त होगा।

अदालत ने कहा कि अपराध से आय अर्जित करने का प्रयास या अनुचित लाभ की आशा करना मनी लॉन्ड्रिंग की परिभाषा में शामिल नहीं किया जा सकता है। अदालत ने कहा कि निवेशक आरोपितों ने एसीएल के पक्ष में कोयला ब्लॉक आवंटन से पहले ही आंशिक निवेश किया था।

इतना ही नहीं इंटर-मिनिस्ट्रियल ग्रुप की सिफारिशों पर आवंटन रद होने के बाद भी आरोपितों द्वारा निवेश जारी रखा गया क्योंकि तीन नवंबर को कारण बताओ नोटिस के बाद भी कोयला ब्लॉक के आवंटन में कोई महत्वपूर्ण प्रगति नहीं हुई थी। ऐसे में आरोपितों द्वारा किया गया निवेश अपराध की आय नहीं होगी।

विज्ञापन मामले में CM आतिशी सख्त, अफसरों पर लटकी तलवार

परिवहन विशेष न्यूज़

दिल्ली सरकार में विज्ञापन मामले में बड़ी लापरवाही सामने आई है। सरकार की योजनाओं को लेकर विपरीत टिप्पणी वाले दो विज्ञापन अखबारों में प्रकाशित हो गए। मुख्यमंत्री आतिशी ने इसे प्रोटोकॉल का उल्लंघन माना है और इस मामले में शामिल सभी अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। आतिशी ने पुलिस कार्रवाई की भी बात कही है। आगे विस्तार पढ़िए पूरा मामला क्या?

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (AAP, आप) की सरकार इस बात की आंतरिक जांच करा रही है कि उनकी योजनाओं को लेकर विपरीत टिप्पणी वाले सरकार के दो-दो विज्ञापन अखबारों में कैसे प्रकाशित हो गए?

विज्ञापन की फाइल संबंधित विभाग की मंत्री तक जाती

यहां गौरतलब है कि विज्ञापन देने वाले दो में से एक महिला एवं बाल विकास विभाग आतिशी के पास है और विज्ञापन जारी करने वाला सूचना एवं प्रसारण विभाग की मंत्री भी आतिशी हैं। बताया गया कि किसी भी विज्ञापन की फाइल संबंधित विभाग की मंत्री तक जाती है।

मुख्यमंत्री आतिशी ने इसे प्रोटोकॉल का उल्लंघन माना

उधर, अधिकारियों का कहना है कि इस तरह के जनता को जागरुक करने वाली सार्वजनिक सूचना के लिए मंत्री के पास फाइल भेजे जाने की जरूरत नहीं होती है। जबकि मुख्यमंत्री आतिशी ने इसे प्रोटोकॉल का उल्लंघन माना है।

जल्द पुलिस होगी कार्रवाई

उन्होंने इस मामले में सभी अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई की बात कही है। सीएम आतिशी ने कहा है कि इस मामले में शामिल रहे अधिकारियों पर प्रशासनिक के साथ-साथ जल्द पुलिस कार्रवाई भी होगी।

योजनाओं पर आतिशी सरकार ने लगा दिया ब्रेक

आप की दो महत्वाकांक्षी योजनाओं पर आतिशी सरकार ने ब्रेक लगा दिया है। आतिशी सरकार के दो विभागों ने विज्ञापन देकर सार्वजनिक सूचना जारी कर दोनों योजनाओं के अस्तित्व को ही नकार दिया है। आतिशी सरकार के विभागों ने इन योजनाओं में शामिल मुख्यमंत्री महिला सम्मान योजना और संजीवनी योजना के लिए कराए जा रहे पंजीकरण को भी अवैध बताया है।

पंजीकरण को धोखाधड़ी बताया

इनके लिए पंजीकरण को लेकर दोनों विभागों ने लोगों से कहा कि किसी के झांसे में नहीं आएं, अपनी व्यक्तिगत जानकारी किसी से साझा न करें। इसके साथ ही बगैर नाम लिए आप को भी चेतावनी देते हुए इस तरह लोगों के पंजीकरण को धोखाधड़ी बताया है।

साथ ही विभागों ने मुख्य सचिव को इन योजनाओं के लिए फर्जी तरीके से हो रहे पंजीकरण के बारे में पत्र के माध्यम से जानकारी दी है। सरकार के विज्ञापन के बाद बुधवार को कुछ स्थानों पर पंजीकरण नहीं हुआ है, तो कुछ स्थानों पर जारी रहा है।

बता दें कि मंगलवार तक दिल्ली में मुख्यमंत्री महिला सम्मान योजना के तहत 12 लाख और संजीवनी योजना के तहत करीब डेढ़ लाख पंजीकरण किए गए हैं। उधर, मुख्यमंत्री आतिशी ने विज्ञापन देने वाले अधिकारियों पर कार्रवाई की चेतावनी दी है।

यहां बता दें कि आम आदमी पार्टी जिन दो घोषित योजनाओं को आधार बनाकर चुनावी वैतरणी पार करने की कोशिश में थी, दिल्ली सरकार ने ऐसी योजनाओं के अस्तित्व में नहीं होने की बात सार्वजनिक कर आप को बड़ा झटका दे दिया है।

विभागों ने कहा है कि ऐसी कोई योजनाएं अधिसूचित नहीं हैं। बता दें कि आम आदमी पार्टी सरकार की दो योजनाओं को लेकर हो रहे पंजीकरण को लेकर विभागों ने सार्वजनिक सूचना जारी कर हलचल मचा दी है। यह पहली बार है कि विभागों ने इस तरह के विज्ञापन जारी किए हों। जिन योजनाओं के दम पर आप चुनाव जीतना चाह रही थी, सरकार के इन विज्ञापन के बाद उसे माहौल बिगड़ता दिख रहा है।

दिल्ली के इस इलाके में खुलेंगे दो नए कॉलेज, जौनापुर के स्किल यूनिवर्सिटी का काम होगा शुरू

दक्षिणी दिल्ली में सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी ने 14 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का उद्घाटन किया। छतरपुर में दो कॉलेज जौनापुर में वर्ल्ड क्लास स्किल यूनिवर्सिटी 150 करोड़ की लागत से सड़कें नालियां और अन्य सुविधाएं। हर गांव और कॉलोनी को मॉडर्न बनाया जा रहा है। असोला गांव में 12 करोड़ से सड़कें और नालियां चांदन हुला में 2 करोड़ से बारात घर का नवीनीकरण।

दक्षिणी दिल्ली। दक्षिणी दिल्ली संसदीय क्षेत्र में बुधवार को सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी ने 14 करोड़ रुपये धनराशि के विकास कार्यों का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि छतरपुर में छात्र-छात्राओं के लिए दो अलग-अलग कॉलेज खोले जाएंगे। वहीं जौनापुर में वर्ल्ड क्लास स्किल यूनिवर्सिटी का काम भी शीघ्र शुरू होगा। कुल 150 करोड़ रुपए की लागत से पूरे इलाके में सड़कें बनाई जा रही हैं, पानी की निकासी के लिए नालियों का निर्माण कराया जा रहा है और बारात घर तथा अन्य सुविधाएं जनता को उपलब्ध कराई जा रही हैं।

असोला गांव में सभी सड़कों का निर्माण कार्य शुरू: उन्होंने कहा कि क्षेत्र के हर गांव और कॉलोनी को सुविधाओं से सुसज्जित करके मॉडर्न गांव और कॉलोनी का रूप दिया जा रहा है। असोला गांव में सभी सड़कों का निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया है। छतरपुर विधानसभा क्षेत्र में चांदन हुला गांव में बरातघर के नवीनीकरण कार्य का उद्घाटन करते सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी, साथ में पूर्व विधायक करतार सिंह तंवर व निगम पार्षद सुंदर सिंह तंवर। सौ. सांसद कार्यालय पानी की निकासी के लिए नालियों का निर्माण भी किया जाएगा। इस कार्य पर कुल 12 करोड़ रुपए खर्च होंगे। बिधूड़ी ने चांदन हुला गांव में बारात के नवीनीकरण के कार्य का भी उद्घाटन किया। इस कार्य पर दो करोड़ रुपए खर्च होंगे। इस अवसर पर उन्होंने बताया कि जिन 69 समृद्ध कॉलोनियों को अब तक मालिकाना अधिकार नहीं दिए गए, उन्हें मालिकाना अधिकार दिए जाने की प्रक्रिया शीघ्र ही शुरू की जा रही है। इस अवसर पर पूर्व विधायक करतार सिंह तंवर, निगम पार्षद सुंदर सिंह तंवर आदि उपस्थित रहे।

दिल्ली चुनाव से पहले आप को लगा झटका, पार्षद प्रियंका समेत कई नेताओं ने छोड़ी पार्टी; केजरीवाल पर उठाए सवाल

दिल्ली में विधानसभा चुनाव से पहले आम आदमी पार्टी को बड़ा झटका लगा है। आप से कोंडली से निगम पार्षद प्रियंका गौतम अपने समर्थकों के साथ भाजपा में शामिल हो गईं। पूर्व पार्षद व गुर्जर नेता धर्मवीर सिंह भी भाजपा में शामिल हुए। केंद्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा ने इनका पार्टी में स्वागत किया। आगे विस्तार से पढ़िए पूरी खबर।

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी की कोंडली से निगम पार्षद प्रियंका गौतम अपने समर्थकों के साथ भाजपा में शामिल हो गईं। पूर्व पार्षद व गुर्जर नेता धर्मवीर सिंह भी भाजपा में शामिल हुए।

मुख्य प्रवक्ता अभय वर्मा ने आप नेताओं का पार्टी में किया स्वागत

केंद्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा, अन्य दलों से आने वाले नेताओं को भाजपा में शामिल करने के लिए बनी समिति के संयोजक आशीष सूद, मुख्य प्रवक्ता अभय वर्मा ने इनका पार्टी में स्वागत किया।

इन्होंने ली भाजपा की सदस्यता

आप नेता मालती गौतम, जुगल किशोर, सुनील परेला, अनूप शर्मा, जसपाल, आंबेडकर भवन समिति के अध्यक्ष प्रभुदयाल एवं सचिव लोकेश, मनोज रतूड़ी, अब्बास अंसारी, यूनुस सैफ़ी ने भी भाजपा की सदस्यता ली।

केजरीवाल को लेकर क्या बोले हर्ष मल्होत्रा?

हर्ष मल्होत्रा ने कहा, अरविंद केजरीवाल की गलत नीतियों के कारण कार्यकर्ता आम आदमी पार्टी (AAP, आप) छोड़ रहे हैं।

'आप में अनुसूचित जाति को सम्मान नहीं मिलता'

प्रियंका गौतम ने कहा, आप में अनुसूचित जाति को सम्मान नहीं मिलता है। केजरीवाल ने बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर के सभी अनुयायिओं को सिर्फ राजनीतिक लाभ के लिए इस्तेमाल किया है। आप में आंतरिक लोकतंत्र नहीं है।

> आप में अनुसूचित जाति को सम्मान नहीं मिलता है। केजरीवाल ने बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर के सभी अनुयायिओं को सिर्फ राजनीतिक लाभ के लिए इस्तेमाल किया है। — प्रियंका गौतम

दिल्ली में फरवरी में हो सकते हैं चुनाव

राजधानी दिल्ली में अगले साल फरवरी में विधानसभा चुनाव हो सकते हैं। हालांकि, अभी चुनाव आयोग ने तारीखों का एलान नहीं किया है। जल्द ही चुनाव की तारीखों का एलान हो सकता है।

आप ने सभी 70 सीटों पर उम्मीदवार उतारे

आम आदमी पार्टी (AAP) ने दिल्ली की सभी 70 सीटों पर अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। उधर, कांग्रेस ने भी दो सूची जारी कर दी है। कांग्रेस ने पहली सूची में 21 प्रत्याशियों की घोषणा की थी, जबकि दूसरी लिस्ट में 26 नामों की घोषणा की है। माना जा रहा है कि जल्द ही कांग्रेस की तीसरी लिस्ट भी सामने आएगा।

बीजेपी ने नहीं खोले पत्ते

भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी, BJP) ने अभी अपने पत्ते नहीं खोले हैं। बीजेपी में अभी उम्मीदवारों की घोषणा करने करने को लेक मंथन चल रहा है। माना जा रहा है कि 30 दिसंबर से पहले बीजेपी अपनी पहली लिस्ट जारी कर सकती है। हालांकि, इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं है।

बताया गया कि बीजेपी इस बार के चुनाव में कोई कोर कसर नहीं छोड़ना चाहती है। इसलिए पार्टी में एक-एक सीट को लेकर मंथन चल रहा है। पार्टी हर सीट पर बहुत गहन मंथन करके ही उम्मीदवार उतारेगी।

पाकिस्तान से आए हिंदू शरणार्थियों को मिला वोट का अधिकार, पहली बार दिल्ली चुनाव में करेंगे मतदान

पाकिस्तान से 300 से अधिक हिंदू शरणार्थी आए हैं जो 10 वर्षों से अधिक समय से भारत में रह रहे हैं। अब वह सभी पहली बार दिल्ली विधानसभा चुनाव में मतदान करेंगे। नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) के तहत उन्हें भारतीय नागरिकता मिली है। इन मतदाताओं में मतदान को लेकर काफी उत्साह का देखा जा रहा है। पढ़ें पूरी खबर।

नई दिल्ली। एक ओर दिल्ली में अवैध रूप से रहते और गैर कानूनी तरीके से पहचान पत्र बनवाने वाले बांग्लादेशी व रोहिंग्या घुसपैठियों की पहचानकर उनकी धरपकड़ का क्रम तेज है।

वहीं, 300 से अधिक पाकिस्तान से आए ऐसे हिंदू हैं। जो 10 वर्ष से अधिक तक शरणार्थी रहते हुए कानूनी तरीके से भारत का नागरिक होकर दिल्ली विधानसभा चुनाव के साथ ही देश में पहली बार लोकतांत्रिक अधिकार का प्रयोग करने जा रहे हैं।

वोट करने को लेकर वोटर्स में दिख रहा काफी उत्साह

मतदान को लेकर इन मतदाताओं में उत्साह का माहौल है। इनमें से कई युवा पहली बार अपने लोकतांत्रिक अधिकार का प्रयोग करेंगे। 18 वर्ष के धर्मपाल ने नागरिकता मिलने के बाद मतदाता पहचान पत्र के लिए आवेदन कर रखा है।

उत्साह से भरे धर्मपाल कहते हैं कि वह देश के बेहतर भविष्य के साथ नागरिकता के लिए शुक्रिया कहने के लिए मतदान करेंगे। वह जब पाकिस्तान से परिवार के साथ शरणार्थी के रूप में भारत आए थे तब उनकी उम्र छह-सात की रही होगी।

मजनूं का टीला में करीब 200 लोगों को नागरिकता मिल चुकी है तथा 100 अन्य ने आवेदन कर रखा है। जिन्हें नागरिकता मिल गई है, उन्होंने मतदान पहचान पत्र के लिए आवेदन कर रखा है।

कुछ लोगों को अभी भी आ रही ये दिक्कत

इसी तरह, आदर्श नगर में स्थित पाकिस्तान से आए हिंदुओं की बस्ती से नागरिकता मिलने के बाद करीब 100 लोगों के मतदान के लिए आवेदन हुए हैं। हालांकि, वहां आधार कार्ड में पते को लेकर समस्या आ रही है।

बस्ती के माधव दास बताते हैं कि लोगों के आधार कार्ड में पते की गड़बड़ी आ रही है। इसके लिए उन लोगों ने कैंप लगाने का आग्रह किया हुआ है। वर्ष 2013 से अस्तित्व में आई इस बस्ती में कोई 1800 लोग रहते हैं।

उत्साह से भरे धर्मपाल कहते हैं कि वह देश के बेहतर भविष्य के साथ नागरिकता के लिए शुक्रिया कहने के लिए मतदान करेंगे। वह जब पाकिस्तान से परिवार के साथ शरणार्थी के रूप में भारत आए थे तब उनकी उम्र छह-सात की रही होगी। मजनूं का टीला में करीब 200 लोगों को नागरिकता मिल चुकी है तथा 100 अन्य ने आवेदन कर रखा है। जिन्हें नागरिकता मिल गई है, उन्होंने मतदान पहचान पत्र के लिए आवेदन कर रखा है।

इन लोगों को मिली नागरिकता

माधव दास कहते हैं कि यह गड़बड़ियां दूर हो जाएंगी और जब वे लोग मतदान करने जाएंगे तो किसी लाभ के लिए नहीं करेंगे, बल्कि सीएए के लिए धन्यवाद करेंगे। साथ ही इसलिए भी कि देश के नागरिक के तौर पर अपने कर्तव्य को निभाए।

उनके परिवार के नौ सदस्यों को नागरिकता मिल गई है। नागरिक संशोधन अधिनियम (सीएए) वह कानून है जो वर्ष 2019 में पारित हुआ, जिसके तहत पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश से 2014 या उससे पहले से भारत में आए हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी व ईसाई को देश की नागरिकता देता है। इस वर्ष लोकसभा चुनाव के ठीक पहले मई में नागरिकता प्रमाणपत्र बांटने का क्रम शुरू हुआ।

मजनूं का टीला बस्ती के मुखिया सोनादास कहते हैं कि वह करीब 15 से 17 साल बाद मताधिकार का प्रयोग करेंगे। इसके पूर्व उन्होंने पाकिस्तान में वर्ष 2008 में मतदान किया था। उसके बाद पाकिस्तान में हालात बिगड़े तो वह भारत में शरण लेने लगे।

वह कहते हैं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व गृहमंत्री अमित शाह उन जैसे पीड़ित लोगों के लिए किसी भगवान से कम नहीं हैं। इसलिए वह जीवन में एक बार उनसे मिलकर आभार जताना चाहेंगे।

नोएडा से जेवर एयरपोर्ट तक इलेक्ट्रिक बस सेवा का खाका तैयार, जल्द होगी शुरुआत

इशिका मुख्य रिपोर्टर

नोएडा से जेवर एयरपोर्ट के बीच यातायात को सुगम और पर्यावरण के अनुकूल बनाने के लिए इलेक्ट्रिक बस सेवा शुरू करने की तैयारी जोरों पर है। यमुना प्राधिकरण ने इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट का खाका तैयार कर लिया है और जल्द ही इसे हकीकत में बदलने की योजना बनाई जा रही है।

यमुना प्राधिकरण के अधिकारियों के अनुसार, यह बस सेवा यात्रियों को नोएडा, ग्रेटर नोएडा और जेवर एयरपोर्ट के बीच एक आसान और हरित परिवहन विकल्प प्रदान करेगी। इस सेवा का उद्देश्य न केवल यात्रियों को उच्च गुणवत्ता की सुविधा देना है, बल्कि प्रदूषण को कम करने में भी योगदान देना है।

कनेक्टिविटी को मिलेगा बढ़ावा:

नोएडा और जेवर एयरपोर्ट के बीच यह इलेक्ट्रिक बस सेवा प्रमुख स्थानों को जोड़ेगी। यह सेवा नोएडा के विभिन्न इलाकों, ग्रेटर नोएडा, और यमुना एक्सप्रेसवे से जुड़े स्थानों के यात्रियों को एयरपोर्ट तक सीधी और तेज कनेक्टिविटी प्रदान करेगी।

यात्रियों को क्या होगी सुविधा:

1. इलेक्ट्रिक बसों में अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

2. पूरी सेवा प्रदूषण मुक्त होगी, जिससे पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा।

3. यह बस सेवा जेवर एयरपोर्ट के साथ-साथ अन्य प्रमुख स्थानों को जोड़ेगी, जिससे यात्रियों का समय बचेगा।

यमुना प्राधिकरण का बयान:

यमुना प्राधिकरण के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा,

रहमने इलेक्ट्रिक बस सेवा का ब्लूप्रिंट तैयार कर लिया है। अब इसे जल्द से जल्द लागू करने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। इससे न केवल यात्रियों को बेहतर सुविधा मिलेगी, बल्कि क्षेत्र में हरित परिवहन को बढ़ावा मिलेगा।"

जल्द होगी निविदा प्रक्रिया:

यमुना प्राधिकरण इस प्रोजेक्ट के लिए निविदा प्रक्रिया शुरू करेगा। प्राधिकरण ने इलेक्ट्रिक बसों के लिए आवश्यक तकनीकी और वित्तीय योजनाओं का भी खाका तैयार कर लिया है।

पर्यावरण संरक्षण को प्राथमिकता:

इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य वायु प्रदूषण को नियंत्रित करना है। इलेक्ट्रिक बसों के माध्यम से कार्बन उत्सर्जन को कम करने का प्रयास किया जाएगा, जिससे क्षेत्र की पर्यावरणीय स्थिति बेहतर होगी।

जेवर एयरपोर्ट का महत्व:

जेवर में बन रहा नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट भारत के सबसे बड़े और आधुनिक एयरपोर्ट में से एक होगा। इसकी कनेक्टिविटी को मजबूत करना सरकार की प्राथमिकताओं में है। इलेक्ट्रिक बस सेवा इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

यमुना प्राधिकरण की इस पहल से क्षेत्र में यातायात व्यवस्था को नया आयाम मिलेगा। साथ ही, यह सेवा नोएडा और जेवर एयरपोर्ट के बीच यात्रियों को बेहतर और पर्यावरण के अनुकूल परिवहन का विकल्प प्रदान करेगी। आने वाले दिनों में इस प्रोजेक्ट पर काम शुरू होने की उम्मीद है।

महाकुंभ 2025 की सुरक्षा की कमान एनकाउंटर स्पेशलिस्ट आईपीएस अजय पाल शर्मा को सौंपी

इशिका मुख्य रिपोर्टर

उत्तर प्रदेश पुलिस में एनकाउंटर स्पेशलिस्ट के रूप में प्रसिद्ध आईपीएस अधिकारी डॉ. अजय पाल शर्मा को प्रयागराज में आयोजित होने वाले महाकुंभ 2025 की सुरक्षा व्यवस्था की जिम्मेदारी सौंपी गई है। उन्हें महाकुंभ का नोडल पुलिस अधिकारी नियुक्त किया गया है, जो मेला क्षेत्र की संपूर्ण सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी करेंगे।

प्रयागराज में नई भूमिका

इससे पूर्व, डॉ. अजय पाल शर्मा जौनपुर जिले में पुलिस अधीक्षक के पद पर कार्यरत थे, जहां उन्होंने अपराध उन्मूलन के लिए व्यापक अभियान चलाया, जिससे अपराधियों में उनका भय व्याप्त था। अब, महाकुंभ मेले की सुरक्षा में एसएसपी कुंभ सहित अन्य विभाग सीधे अजय पाल शर्मा को रिपोर्ट करेंगे।

खालिस्तानी धमकी के बाद सुरक्षा कड़ी

हाल ही में खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू द्वारा महाकुंभ मेले को लेकर धमकी भरे बयान के बाद प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था को और सख्त कर दिया है। मेला क्षेत्र के सभी प्रवेश मार्गों पर तीन स्तरीय बैरिकेडिंग की गई है, भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है, और तीन हजार सीसीटीवी कैमरों एवं ड्रोन के माध्यम से निगरानी की जा रही है।

विशेष सुरक्षा इंतजाम

एसएसपी कुंभ, राजेश द्विवेदी ने बताया कि किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पुलिस बल के साथ एसटीएफ, एटीएस, एनएसजी, जल पुलिस, एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें तैनात की गई हैं। अखाड़ों के संतों और श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए विशेष प्रबंध किए गए हैं, ताकि महाकुंभ मेले का आयोजन शांतिपूर्ण और सुरक्षित तरीके से संपन्न हो सके।

महाकुंभ 2025 में करोड़ों श्रद्धालुओं के आगमन की संभावना को देखते हुए, प्रशासन ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हैं, और डॉ. अजय पाल शर्मा की नियुक्ति से सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूती मिलेगी।

न्यू नोएडा के विकास की प्रक्रिया शुरू: भूमि अधिग्रहण के लिए सलाहकार कंपनी नियुक्त

इशिका मुख्य रिपोर्टर

नोएडा प्राधिकरण ने न्यू नोएडा (DNGIR) और नए सेक्टरों के विकास हेतु भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया आरंभ कर दी है, जो किसानों की आपसी सहमति पर आधारित होगी। इस उद्देश्य के लिए प्राधिकरण ने टीला कंसल्टेंट्स एंड कॉन्ट्रैक्टर्स प्राइवेट लिमिटेड नामक सलाहकार कंपनी को नियुक्त किया है।

प्रथम चरण में सेक्टर-161 से शुरुआत

सलाहकार कंपनी और प्राधिकरण अधिकारियों के बीच हुई पहली बैठक में यह निर्णय लिया गया कि भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया की शुरुआत सेक्टर-161 से की जाएगी, जहां सबसे पहले किसानों से बातचीत की जाएगी। इसके पश्चात न्यू नोएडा क्षेत्र की भूमि अधिग्रहण के लिए किसानों से वार्ता की जाएगी।

न्यू नोएडा: 209 वर्ग किलोमीटर में विस्तार

न्यू नोएडा परियोजना लगभग 209 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में विकसित की जाएगी, जिसके लिए भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया प्रारंभ की जा रही है। यह प्रक्रिया ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे के समीप जीटी रोड से सटे गांवों, जैसे जोखाबाद और सांवली, से शुरू होगी। इन गांवों के प्रधानों से प्रारंभिक बातचीत हो चुकी है, और आपसी समझौते के आधार पर किसानों से भूमि खरीदी जाएगी। साथ ही, जोखाबाद और सांवली गांवों में न्यू नोएडा (DNGIR) का अस्थायी कार्यालय स्थापित किया जाएगा।

किसानों के साथ संवाद और भूमि अधिग्रहण की योजना

न्यू नोएडा के प्रथम चरण में 15 गांवों की भूमि का अधिग्रहण किया जाएगा, जबकि सम्पूर्ण परियोजना के लिए कुल 80 गांवों की भूमि अधिग्रहित की जाएगी। प्रत्येक गांव में लगभग 200 किसान परिवार हैं, अर्थात कुल मिलाकर लगभग 16,000 किसान परिवारों से बातचीत की जाएगी। प्रथम चरण में 3,165 हेक्टेयर भूमि का अधिग्रहण प्रस्तावित है, जिसके लिए किसानों के साथ प्रारंभिक बैठक आयोजित की गई है।

चार चरणों में होगा न्यू नोएडा का विकास

न्यू नोएडा का विकास 209.11 वर्ग किलोमीटर (20,911.29 हेक्टेयर) क्षेत्र में चार चरणों में किया जाएगा:

- प्रथम चरण (2023-2027): 3,165 हेक्टेयर भूमि का विकास।
- द्वितीय चरण (2027-2032): 3,798 हेक्टेयर भूमि का विकास।
- तृतीय चरण (2032-2037): 5,908 हेक्टेयर भूमि का विकास।
- चतुर्थ चरण (2037-2041): 8,230 हेक्टेयर भूमि का विकास।

इस विस्तृत योजना के माध्यम से न्यू नोएडा का समग्र विकास सुनिश्चित किया जाएगा, जिससे क्षेत्र में आर्थिक और सामाजिक प्रगति को बढ़ावा मिलेगा।

क्या सोशल मीडिया पर सेफ है आपकी फोटो-वीडियो? साइबर अपराधी ऐसे कर सकते हैं गलत इस्तेमाल

परिवहन विशेष न्यूज

साइबर धोखाधड़ी सोशल मीडिया पर अपनी तस्वीरें और वीडियो शेयर करते समय सावधान रहें। साइबर अपराधी आपके फोटो और वीडियो को एडिट करके आपको ब्लैकमेल कर सकते हैं। अपनी तस्वीरें और वीडियो केवल परिचितों के साथ शेयर करें और ओपन टू आल करने से बचें। साइबर एक्सपर्ट ओमित पंवार ने छात्र-छात्राओं को सोशल मीडिया के माध्यम से होने वाले साइबर अपराधों के बारे में जागरूक किया।

ग्रेटर नोएडा। छात्राएं और महिलाएं इंस्ट्राग्राम, फेसबुक व एक्स समेत इंटरनेट मीडिया के अन्य प्लेटफार्म पर अपनी फोटो और वीडियो ओपन टू ऑल पब्लिश करने से परहेज करें।

सिर्फ परिचितों को ही शेयर करें। ओपन टू ऑल करने पर आपके फोटो व वीडियो को एआई के माध्यम से साइबर अपराधी एडिट कर वायरल करने की धमकी देकर आपको ब्लैकमेल कर सकते हैं।

मंगलवार को साइबर एक्सपर्ट ओमित पंवार ने ग्रेटर नोएडा के नॉलेज पार्क दो स्थित जीएनआओटी इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज (जीआइएमएस) में दैनिक जागरण द्वारा चलाए जा रहे लुटेरा ऑनलाइन अभियान में छात्र-छात्राओं को सोशल मीडिया प्लेटफार्म के माध्यम से साइबर अपराधियों द्वारा किए जा रहे कारनामों को उजागर किया।

जागरुकता की कमी बिगाड़ सकती है आपका भविष्य

साइबर एक्सपर्ट ओमित पंवार ने बताया वर्तमान में साइबर अपराध तेजी से बढ़ा है। इसका कारण लोगों में जागरुकता की कमी और सोशल मीडिया प्लेटफार्म के उपयोग बरती जाने वाली सावधानियों की जानकारी नहीं होना है।

बताया कि साइबर अपराधी इन्हीं खामियों का लाभ उठाते हुए आसानी से आपको टारगेट बनाकर नए-नए तरीकों से ठगी कर रहे हैं। ओमित ने कहा कि छात्राओं व महिलाओं को अधिक सावधानी बरतने की जरूरत है।

खास तौर से विभिन्न प्लेटफार्म पर अपनी फोटो और वीडियो शेयर करते समय। साबइर अपराधी आपके फोटो व वीडियो को एडिट कर आपको ब्लैक मेल कर सकते हैं। उनकी तमाम तरह की डिमांड हो सकती हैं।

कई बार डिमांड पूरी नहीं होने पर वह एडिट आपत्तिजनक सामग्री इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित कर देते हैं। इससे सामाजिक बदनामी के साथ ही आप मानसिक प्रताड़ित भी होते हैं। इससे करियर के अलावा भविष्य भी बर्बाद हो जाता है।

साइबर अपराध लगातार बढ़ रहे हैं। इसमें शिक्षित लोग भी जानकारी के अभाव में ठगी व ब्लैकमेलिंग का शिकार हो रहे हैं। इसका कारण जागरूकता की कमी और इंटरनेट मीडिया के उपयोग को लेकर आधी अधूरी जानकारी होना है।

यह बने साइबर योद्धा

दैनिक जागरण के कार्यक्रम में इंटरनेट मीडिया के उपयोग में क्या सावधानियां बरतनी चाहिए। इसकी जानकारी हुई, इसके लिए धन्यवाद। कार्यक्रम में पता चला कि मोबाइल फोन पर अनजान नंबरों से काल आने पर सावधानी बरतनी है।

रितिका शाही, छात्रा

कार्यक्रम में साइबर एक्सपर्ट से पता चला कि अनजान नंबर से काल आने पर कोई करीबी बनकर बात करता है, तो हमें सावधान हो जाना है। फोनकर्ता यदि कोई समस्या बताते हुए आर्थिक मदद मांगता है तो वह साइबर अपराधी हो सकता है।

सक्षम शर्मा, छात्र

हमें अनजान लिंक, मैसेज और काल आने पर सर्तक हो जाना चाहिए। लिंक पर क्लिक करने पर हमारा मोबाइल फोन साइबर अपराधी हैक कर बैंक खाता खाली कर सकता है और पर्सनल डिटेल भी ट्रांसफर कर उसका दुरुप्रयोग कर सकता है। यह जानकारी मिली।

अंकित कुशवाहा, छात्र

दैनिक जागरण के कार्यक्रम में हमें एक्सपर्ट से जानकारी हुई की एपीके फाइल से आने वाले शादी आदि के निमंत्रण पत्र पर क्लिक नहीं करना है। यह साइबर अपराधी द्वारा भेजा गया लिंक हो सकता है। इस पर क्लिक करते ही हम ठगी का शिकार हो सकते हैं।

रोहित राज, छात्र

साइबर अपराधी इंस्ट्राग्राम आदि पर मैसेज भेजकर किसी की रेटिंग आदि देने पर रुपये मिलने का लालच देते हैं तो हमें झांसे में नहीं आना है। लालच के चक्कर में फंस कर हम ठगी का शिकार हो सकते हैं। यह जानकारी देने के लिए दैनिक जागरण का धन्यवाद।

सोनू कुमार, छात्र

हमें एटीएम बूथ के अंदर रुपये निकालते समय कोई समस्या आने पर अनजान व्यक्ति की मदद नहीं लेनी है। बूथ में घुस कर रुपये निकालने से पहले यह भी देखना है कि आसपास कोई गुप्त कैमरा तो नहीं लगा है। पिन कोड डालते समय भी हमें सावधानी बरतनी है।

युमनाम, छात्र

साइबर अपराधी फोटो और वीडियो एडिट कर उसका दुरुप्रयोग कर सकते हैं। इसलिए हमें सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर फोटो व वीडियो शेयर करते समय ओपन टू आल नहीं करना है। सिर्फ परिचितों को ही शेयर करना है।

कोमल यादव, छात्रा

डिजिटल अरेस्ट का देश के कानून में कोई प्रावधान नहीं है। हमारे मोबाइल नंबर पर कोई काल कर ऐसा बोलता है तो हमें सावधान हो जाना है। उसके झांसे में नहीं आना है। तत्काल काल डिस्कनेक्ट कर देनी है। यह साइबर अपराधी होते हैं। क

जोंटी डे- छात्र

मेरे पास एक बार साइबर अपराधी ने कस्टम अधिकारी बनकर काल की थी। झांसे में लेने का प्रयास किया था। लेकिन इसी तरह की ठगी की घटना की जानकारी दैनिक जागरण में प्रकाशित खबर से थी। इसके चलते काल डिस्कनेक्ट कर दी थी।

अदिति, छात्रा

अटल बिहारी वाजपेयी की 100वीं जयंती: राष्ट्र निर्माण के 'अटल' आदर्श की शताब्दी

पीएम पद पर रहते हुए उन्होंने विपक्ष की आलोचनाओं का जवाब हमेशा बेहतरीन तरीके से दिया। वो ज्यादातर समय विपक्षी दल में रहे, लेकिन नीतियों का विरोध तर्कों और शब्दों से किया। एक समय उन्हें कांग्रेस ने गद्दार तक कह दिया था, उसके बाद भी उन्होंने कभी असंसदीय शब्दों का इस्तेमाल नहीं किया।

मैं जी भर जिया, मैं मन से मरूं...लौटकर आऊंगा, कूच से क्यों डरूं? अटल जी के ये शब्द कितने साहसी हैं...कितने गूढ़ हैं। अटल जी, कूच से नहीं डरे...उन जैसे व्यक्तित्व को किसी से डर लगता भी नहीं था। वो ये भी कहते थे... जीवन बंजारों का डेरा आज यहां, कल कहां कूच है..कौन जानता किधर सवेरा...आज अगर वो हमारे बीच होते, तो वो अपने जन्मदिन पर नया सवेरा देख रहे होते। मैं वो दिन नहीं भूलता जब उन्होंने मुझे पास बुलाकर अंकवार में भर लिया था...और जोर से पीठ में धौल जमा दी थी। वो स्नेह...वो अपनत्व...वो प्रेम...मेरे जीवन का बहुत बड़ा सौभाग्य रहा है।

आज 25 दिसंबर का ये दिन भारतीय राजनीति और भारतीय जनमानस के लिए एक तरह से सुशासन का अटल दिवस है। आज पूरा देश अपने भारत रत्न अटल को, उस आदर्श विभूति के रूप में याद कर रहा है, जिन्होंने अपनी सौम्यता, सहजता और सहृदयता से करोड़ों भारतीयों के मन में जगह बनाई। पूरा देश उनके योगदान के प्रति कृतज्ञ है। उनकी राजनीति के प्रति कृतार्थ है।

21वीं सदी को भारत की सदी बनाने के लिए उनकी एनडीए सरकार ने जो कदम उठाए, उसने देश को एक नई दिशा, नई गति दी। 1998 के जिस काल में उन्होंने पीएम पद संभाला, उस दौर में पूरा देश राजनीतिक अस्थिरता से घिरा हुआ था। 9 साल में देश ने चार बार लोकसभा के चुनाव देखे थे। लोगों को शंका थी कि ये सरकार भी उनकी उम्मीदों को पूरा नहीं कर पाएगी। ऐसे समय में एक सामान्य परिवार से आने वाले अटल जी ने, देश को स्थिरता और सुशासन का मॉडल दिया। भारत को नव विकास की गारंटी दी।

वो ऐसे नेता थे, जिनका प्रभाव भी आज तक अटल है। वो भविष्य के भारत के परिकल्पना पुरुष थे। उनकी सरकार ने देश को आईटी, टेलीकम्यूनिकेशन और दूरसंचार की दुनिया में तेजी से आगे बढ़ाया। उनके शासन काल में ही, एनडीए ने टेक्नॉलजी को सामान्य मानवी की पहुंच तक लाने का काम शुरू किया। भारत के दूर-दराज के इलाकों को बड़े शहरों से जोड़ने के सफल प्रयास किये गए। वाजपेयी जी की सरकार में शुरू हुई जिस स्वर्णिम चतुर्भुज योजना ने भारत के महानगरों को एक सूत्र में जोड़ा वो आज भी लोगों की स्मृतियों पर अमिट है। लोकल कनेक्टिविटी को बढ़ाने के लिए भी एनडीए गठबंधन की सरकार ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना जैसे कार्यक्रम शुरू किए। उनके शासन काल में दिल्ली मेट्रो शुरू हुई, जिसका विस्तार आज हमारी सरकार एक वर्ल्ड क्लास इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट के रूप में कर रही है। ऐसे ही प्रयासों से उन्होंने ना सिर्फ आर्थिक प्रगति को नई शक्ति दी, बल्कि दूर-दराज के क्षेत्रों को एक दूसरे से जोड़कर भारत की एकता को भी सशक्त किया।

जब भी सर्व शिक्षा अभियान की बात होती है, तो अटल जी की सरकार का जिक्र जरूर होता है। शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता मानने वाले वाजपेयी जी ने एक ऐसे भारत का सपना देखा था, जहां हर व्यक्ति को आधुनिक और गुणवत्ता वाली शिक्षा मिले। वो चाहते थे भारत के वर्ग, यानि ओबीसी, एससी, एसटी, आदिवासी और महिला सभी के लिए शिक्षा सहज और सुलभ बने।

उनकी सरकार ने देश की अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए कई बड़े आर्थिक सुधार किए। इन सुधारों के कारण भाई-भतीजावाद में फंसी देश की अर्थव्यवस्था को नई गति मिली। उस दौर की सरकार के समय में जो नीतियां बनीं, उनका मूल उद्देश्य सामान्य मानवी के जीवन को बदलना ही रहा।

उनकी सरकार के कई ऐसे अद्भुत और साहसी उदाहरण हैं, जिन्हें आज भी हम देशवासी गर्व से याद करते है। देश को अब भी 11 मई 1998 का वो गौरव दिवस याद है, एनडीए सरकार बनने के कुछ ही दिन बाद पोकरण में सफल परमाणु परीक्षण हुआ। इसे 'ऑपरेशन शक्ति' का नाम दिया गया। इस परीक्षण के बाद दुनियाभर में भारत के वैज्ञानिकों को लेकर चर्चा होने लगी। इस बीच कई देशों ने खुलकर नाराजगी जताई, लेकिन तब की सरकार ने किसी दबाव की परवाह नहीं की। पीछे हटने की जगह 13 मई को न्यूक्लियर टेस्ट का एक और धमाका कर दिया गया। 11 मई को हुए परीक्षण ने तो दुनिया को भारत के वैज्ञानिकों की शक्ति से परिचय कराया था। लेकिन 13 मई को हुए परीक्षण ने दुनिया को ये दिखाया कि भारत का नेतृत्व एक ऐसे नेता के हाथ में है, जो एक अलग मिट्टी से बना है।

उन्होंने पूरी दुनिया को ये संदेश दिया, ये पुराना भारत नहीं है। पूरी दुनिया जान चुकी थी, कि भारत अब दबाव में आने वाला देश नहीं है। इस परमाणु परीक्षण की वजह से देश पर प्रतिबंध भी लगे, लेकिन देश ने सबका मुकाबला किया।

वाजपेयी सरकार के शासन काल में कई बार सुरक्षा संबंधी चुनौतियां आईं। करगिल युद्ध का दौर आया। संसद पर आतंकियों ने कायरना प्रहार किया। अमेरिका के वर्ल्ड ट्रेड सेंटर पर हुए हमले से वैश्विक स्थितियां बदलीं, लेकिन हर स्थिति में अटल जी के लिए भारत और भारत का हित सर्वोपरि रहा।

जब भी आप वाजपेयी जी के व्यक्तित्व के बारे में किसी से बात करेंगे तो वो यही कहेगा कि वो लोगों को अपनी तरफ खींच लेते थे। उनकी बोलने की कला का कोई सानी नहीं था। कविताओं और शब्दों में उनका कोई जवाब नहीं था। विरोधी भी वाजपेयी जी के भाषणों के मुरीद थे। युवा सांसदों के लिए वो चर्चाएं सीखने का माध्यम बनतीं।

कुछ सांसदों की संख्या लेकर भी, वो कांग्रेस की कुनीतियों का प्रखर विरोध करने में सफल होते। भारतीय राजनीति में वाजपेयी जी ने दिखाया, ईमानदारी और नीतिगत स्पष्टता का अर्थ क्या है।

संसद में कहा गया उनका ये वाक्य... सरकारें आएंगी, जाएंगी, पार्टियां बनेंगी, बिगड़ेंगी मगर ये देश रहना चाहिए...आज भी मंत्र की तरह हम सबके मन में गूंजता रहता है।

वो भारतीय लोकतंत्र को समझते थे। वो ये भी जानते थे कि लोकतंत्र का मजबूत रहना कितना जरुरी है। आपातकाल के समय उन्होंने दमनकारी कांग्रेस सरकार का जमकर विरोध किया, यातनाएं झेली। जेल जाकर भी संविधान के हित का संकल्प दोहराया। NDA की स्थापना के साथ उन्होंने गठबंधन की राजनीति को नए सिरे से परिभाषित किया। वो अनेक दलों को साथ लाए और NDA को विकास, देश की प्रगति और क्षेत्रीय आकांक्षाओं का प्रतिनिधि बनाया।

पीएम पद पर रहते हुए उन्होंने विपक्ष की आलोचनाओं का जवाब हमेशा बेहतरीन तरीके से दिया। वो ज्यादातर समय विपक्षी दल में रहे, लेकिन नीतियों का विरोध तर्कों और शब्दों से किया। एक समय उन्हें कांग्रेस ने गद्दार तक कह दिया था, उसके बाद भी उन्होंने कभी असंसदीय शब्दों का इस्तेमाल नहीं किया।

उन में सत्ता की लालसा नहीं थी। 1996 में उन्होंने जोड़-तोड़ की राजनीति ना चुनकर, इस्तीफा देने का रास्ता चुन लिया। राजनीतिक षड्यंत्रों के कारण 1999 में उन्हें सिर्फ एक वोट के अंतर के कारण पद से इस्तीफा देना पड़ा। कई लोगों ने उनसे इस तरह की अनैतिक राजनीति को चुनौती देने के लिए कहा, लेकिन पीएम अटल बिहारी वाजपेयी शुचिता की राजनीति पर चले। अगले चुनाव में उन्होंने मजबूत जनादेश के साथ वापसी की।

संविधान के मूल्य संरक्षण में भी, उनके जैसा कोई नहीं था। डॉ. श्यामा प्रसाद के निधन का उनपर बहुत प्रभाव पड़ा था। वो आपात के खिलाफ लड़ाई का भी बड़ा चेहरा बने। इमरजेंसी केबाद 1977 के चुनाव से पहले उन्होंने 'जनसंघ' का जनता पार्टी में विलय करने पर भी सहमति जता दी। मैं जानता हूं कि ये निर्णय सहज नहीं रहा होगा, लेकिन वाजपेयी जी के लिए हर राष्ट्रभक्त कार्यकर्ता की तरह दल से बड़ा देश था, संगठन से बड़ा, संविधान था।

हम सब जानते हैं, अटल जी को भारतीय संस्कृति से भी बहुत लगाव था। भारत के विदेश मंत्री बनने के बाद जब संयुक्त राष्ट्र संघ में भाषण देने का अवसर आया, तो उन्होंने अपनी हिंदी से पूरे देश को खुद से जोड़ा। पहली बार किसी ने हिंदी में संयुक्त राष्ट्र में अपनी बात कही। उन्होंने भारत की विरासत को विश्व पटल पर रखा। उन्होंने सामान्य भारतीय की भाषा को संयुक्त राष्ट्र के मंच तक पहुंचाया।

राजनीतिक जीवन में होने के बाद भी, वो साहित्य और अभिव्यक्ति से जुड़े रहे। वो एक ऐसे कवि और लेखक थे, जिनके शब्द हर विपरीत स्थिति में व्यक्ति को आशा और नव सृजन की प्रेरणा देते थे। वो हर उम्र के भारतीय के प्रिय थे। हर वर्ग के अपने थे।

मेरे जैसे भारतीय जनता पार्टी के असंख्य कार्यकर्ताओं को उनसे सीखने का, उनके साथ काम करने का, उनसे संवाद करने का अवसर मिला। अगर आज बीजेपी दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी है तो इसका श्रेय उस अटल आधार को है, जिसपर ये दृढ़ संगठन खड़ा है।

उन्होंने बीजेपी की नींव तब रखी, जब कांग्रेस जैसी पार्टी का विकल्प बनना आसान नहीं था। उनका नेतृत्व, उनकी राजनीतिक दक्षता, साहस और लोकतंत्र के प्रति उनके अगाध समर्पण ने बीजेपी को भारत की लोकप्रिय पार्टी के रूप में प्रशस्त किया। श्री लालकृष्ण आडवाणी और डॉ. मुरली मनोहर जोशी जैसे दिग्गजों के साथ, उन्होंने पार्टी को अनेक चुनौतियों से निकालकर सफलता के सोपान तक पहुंचाया।

जब भी सत्ता और विचारधारा के बीच एक को चुनने की स्थितियां आईं, उन्होंने इस चुनाव में विचारधारा को खुले मन से चुन लिया। वो देश को ये समझाने में सफल हुए कि कांग्रेस के दृष्टिकोण से अलग एक वैकल्पिक वैश्विक दृष्टिकोण संभव है। ऐसा दृष्टिकोण वास्तव में परिणाम दे सकता है।

आज उनका रोपित बीज, एक वटवृक्ष बनकर राष्ट्र सेवा की नव पीढ़ी को रच रहा है। अटल जी की 100वीं जयंती, भारत में सुशासन के एक राष्ट्र पुरुष की जयंती है। आइए हम सब इस अवसर पर, उनके सपनों को साकार करने के लिए मिलकर काम करें। हम एक ऐसे भारत का निर्माण करें, जो सुशासन, एकता और गति के अटल सिद्धांतों का प्रतीक हो। मुझे विश्वास है, भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी जी के सिखाए सिद्धांत ऐसे ही, हमें भारत को नव प्रगति और समृद्धि के पथ पर प्रशस्त करनें की प्रेरणा देते रहेंगे।

-नरेंद्र मोदी

होंडा ने नए फीचर्स के साथ लॉन्च की एक्टिवा 125 , यहां जानिए क्या मिले नए फीचर्स

परिवहन विशेष न्यूज

होण्डा एक्टिवा 125 लॉन्च हाल ही में होंडा ने एक्टिवा 125 के अपडेटेड मॉडल को भारतीय बाजार में लॉन्च किया है। 2025 Honda Activa 125 को नए फीचर्स के साथ ही नया डिजाइन भी दिया गया है। इसकी एक्स-शोरूम कीमत 94422 रुपये से लेकर 97146 रुपये रखी गई है। इसमें नया 4 .2 इंच की TFT स्क्रीन भी दी गई है।

नई दिल्ली। होंडा ने हाल ही में भारत में अपनी Activa 125 को नए अपडेट्स के साथ लॉन्च किया है। होंडा ने अपनी इस पॉपुलर स्कूटर एक्टिवा को दो वेरिएंट में लॉन्च किया है, जो DLX (बेस वेरिएंट) और H-Smart (टॉप वेरिएंट) है। नई 2025 Honda Activa 125 को कई नए फीचर्स और डिजाइन के साथ लेकर आई है। आइए जाते हैं कि होंडा एक्टिवा 125 में क्या नए अपडेट्स दिए गए हैं।

नया डिजाइन और फीचर्स

2025 Honda Activa 125 के डिजाइन को पूरी तरह से अपडेट किया गया है। इसमें नया हेडलाइट दिया गया है, जो इसे पहले से ज्यादा अट्रैक्टिव बनाता है। इसके साथ ही नए होंडा एक्टिवा में नई 4.2 इंच की TFT स्क्रीन दी गई है, जिसे आप इसके हैंडलबार पर लगे जॉयस्टिक से कंट्रोल कर सकते हैं। इस स्क्रीन में ब्लूटूथ स्मार्टफोन कनेक्टिविटी का भी फीचर दिया गया है, जिसे आप Honda RoadSync Duo ऐप के जरिए इस्तेमाल कर सकते हैं।

इस ऐप के जरिए आप टर्न-बाय-टर्न नेविगेशन, कॉल और SMS अलर्ट्स, और म्यूजिक कंट्रोल जैसे फीचर्स का भी आसानी से इस्तेमाल कर सकते हैं। इस स्क्रीन में आप स्पीडोमीटर, टैकोमीटर, फ्यूल गेज समेत और भी कई जानकारी देखने के लिए मिलेगी।

इसके अलावा, नई होंडा एक्टिवा 125 में कीलेस इग्निशन, साइड-स्टैंड कट ऑफ और USB-C चार्जिंग पोर्ट जैसे एडवांस फीचर्स दिए गए हैं। जिसकी वजह से यह पहले से भी ज्यादा सुविधाजनक बन गई है।

इंजन और परफॉर्मेंस

2025 Honda Activa 125 में 123.92cc का OBD2B कंप्लायंट सिंगल-सिलेंडर एयर-कूल्ड इंजन का इस्तेमाल किया गया है। इसमें नया आईडल स्टार्ट/स्टॉप सिस्टम भी दिया गया है। इसका फायदा आपको यह मिलेगा कि अगर आप लंबे समय तक स्कूटर को ऑन करके खड़े है तो यह उसे बंद कर देता है, जिसकी वजह से आपके माइलेज में सुधार भी होगा।

इसके अलावा नई एक्टिवा में टेलीस्कोपिक फोर्क और सिंगल शॉक एब्जॉर्बर सस्पेंशन, फ्रंट में डिस्क ब्रेक और रियर में ड्रम ब्रेक का कॉम्बिनेशन भी दिया गया है। जिसकी वजह से इसका ब्रेकिंग सिस्टम बेहतर है।

2025 Honda Activa 125 को 94,422 रुपये से लेकर 97,146 रुपये तक की एक्स-शोरूम कीमत पर लाया गया है। भारतीय बाजार में इसका मुकाबला TVS Jupiter 125 और Suzuki Access 125 से है, जो इसी सेगमेंट में बेहतरीन स्कूटर है। यह स्कूटर उन लोगों के लिए बेहतरीन ऑप्शन हो सकती है, जो जो एक स्मार्ट, आधुनिक और सुविधाजनक स्कूटर की तलाश में हैं।

ओला इलेक्ट्रिक ने देशभर में 4 हजार स्टोर खोलकर बनाया कीर्तिमान, छोटे शहरों और तहसीलों तक पहुंची

परिवहन विशेष न्यूज

भारत की अग्रणी ईवी कंपनी ओला इलेक्ट्रिक ने अपने नेटवर्क को 4,000 स्टोर तक विस्तारित करने की घोषणा की है। यह मौजूदा नेटवर्क से चार गुना अधिक है और इसे दुनिया में सबसे बड़े ईवी नेटवर्क विस्तारों में से एक माना जा रहा है। इस कदम से देशभर में ईवी तक पहुंच आसान होगी और इलेक्ट्रिक वाहनों के क्षेत्र में बड़ी वृद्धि की संभावनाएं बढ़ेंगी। कंपनी ने 3,200 से अधिक नए स्टोर लॉन्च किए हैं, जो सर्विस सुविधाओं से जुड़े हैं। यह विस्तार टियर-1 और टियर-2 शहरों के साथ-साथ छोटे शहरों और तहसीलों तक पहुंच गया है, जिससे ओला द्वारा अपने #SavingWalaScooter अभियान के तहत किए गए वादे को पूरा किया जा रहा है।

ओला इलेक्ट्रिक के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक भाविश अग्रवाल ने कहा, "हमने हर शहर, हर कस्बे और हर तालुका में ईवी पहुंचाने का वादा पूरा किया है। हमारे नए स्टोर, जो सर्विस सेंटरों से एकीकृत हैं, ईवी खरीदने और उपयोग करने के अनुभव को पूरी तरह से बदल देंगे। जैसे-जैसे हम आगे बढ़ रहे हैं, हम देश को तेजी से #EndICEAge की ओर ले जाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

नेटवर्क विस्तार के इस खास मौके पर कंपनी ने अपने S1 पोर्टफोलियो पर 25,000 तक के लाभ और S1 X मॉडल पर 7,000 तक के फ्लैट डिस्काउंट की पेशकश की है। इसके अलावा ग्राहकों को 18,000 रुपये तक के अतिरिक्त लाभ दिए जा रहे हैं, जिसमें क्रेडिट कार्ड ईएमआई पर 5,000 और मूवओएस के तहत 6,000 के लाभ शामिल हैं। ओला ने अपना लिमिटेड-एडिशन S1 प्रो सोना भी लॉन्च किया है, जिसे 24 कैरेट गोल्ड प्लेटेड एलिमेंट्स के साथ पेश किया गया है। इस प्रीमियम स्कूटर के साथ #ओला सोना कॉन्टेस्ट भी चल रहा है, जिसमें ग्राहकों को इसे जीतने का मौका मिल सकता है।

ओला सोना स्कूटर लग्जरी और कार्यक्षमता का एक बेहतरीन मिश्रण है। इसमें ₹सोना मूड₹ नामक एक इमर्सिव फीचर है, जो प्रीमियम राइडिंग एक्सपीरियंस प्रदान करता है। इसके अलावा ओला ऐप में गोल्ड थीम वाला इंटरफेस और कस्टमाइज्ड मूवओएस डैशबोर्ड शामिल है, जिससे यूजर अपने राइडिंग मोड और सेटिंग को पर्सनलाइज कर सकते हैं।

कंपनी ने मूवओएस 5 बीटा का प्रायोरिटी रजिस्ट्रेशन भी शुरू कर दिया है। इस अपडेट को नए फीचर्स के साथ पेश किया गया है, जैसे ग्रुप नेविगेशन, लाइव लोकेशन शेयरिंग, रोड ट्रिप मोड, स्मार्ट चार्जिंग, स्मार्ट पार्क और टीपीएमएस अलर्ट, ताकि राइडिंग एक्सपीरियंस को और बेहतर बनाया जा सके। इसके अलावा ओला ने गिग और एस1 जेड सीरीज स्कूटर लॉन्च करने की घोषणा की है। इनकी शुरुआती कीमत 39,999 रुपये (एक्स-शोरूम) से शुरू होती है और इनमें रिमूवेबल बैटरी जैसे फीचर्स हैं।

ओला इलेक्ट्रिक के एस1 पोर्टफोलियो को ग्राहकों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए डिजाइन किया गया है। इसमें एस1 प्रो की कीमत 1,34,999 रुपये और एस1 एयर की कीमत 1,07,499 रुपये है। वहीं, S1 X पोर्टफोलियो में 2 kWh, 3 kWh और 4 kWh वेरिएंट शामिल हैं, जिनकी कीमत क्रमशः 74,999 रुपये, 87,999 रुपये और 1,01,999 रुपये है। यह पोर्टफोलियो बड़े पैमाने पर बाजार के लिए किफायती विकल्प प्रदान करता है।

कंपनी ने अपने प्रमुख कार्यक्रम 'संकल्प' में रोडस्टर मोटरसाइकिल सीरीज की भी घोषणा की है। इसमें रोडस्टर एक्स, रोडस्टर और रोडस्टर प्रो जैसे मॉडल शामिल हैं, जिनकी शुरुआती कीमत 74,999 रुपये से लेकर 1,99,999 रुपये तक है। इन मोटरसाइकिलों में सेगमेंट में पहली बार कई अत्याधुनिक तकनीक और परफॉरमेंस फीचर्स दिए गए हैं। ओला इलेक्ट्रिक की ये पहल भारत के ईवी क्रांति की ओर तेजी से बढ़ने का संकेत देती है।

भारत में जल्द लॉन्च होगी मारुति ई-विटारा, यहां जानिए किन एडवांस फीचर्स

परिवहन विशेष न्यूज

मारुति सुजुकी की पहली इलेक्ट्रिक कार Maruti e-Vitara को भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025 में लॉन्च किया जाएगा। इसे ग्लोबल लेवल पर पहले ही पेश किया जा चुका है। जिसे देखते हुए हम यहां पर आपको बता रहे हैं कि Maruti e-Vitara किन फीचर्स के साथ भारत में लॉन्च हो सकती है और इसकी रेंज और कीमत क्या हो सकती है।

नई दिल्ली। मारुति सुजुकी ने अपनी कई सारी कार मॉडल और पावरट्रेन ऑप्सन के साथ भारतीय बाजार में अपनी पहचान बनाई है। अभी तक कंपनी की तरफ से एक भी इलेक्ट्रिक कार को नहीं लाया गया है, जबकि बाकी कंपनियों के कई इलेक्ट्रिक मॉडल आ चुके हैं। साल 2025 में मारुति सुजुकी की पहली इलेक्ट्रिक कार Maruti e-Vitara भारत में लॉन्च हो सकती है। इसे भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025 में लॉन्च किया गया है। आइए जानते हैं कि Maruti e-Vitara किस डिजाइन, इंटीरियर्स, पावरट्रेन और फीचर्स के साथ आ सकती है।

Maruti e-Vitara: डिजाइन

हाल ही में मारुति ने e-Vitara का पहला टीजर जारी किया है, जिसमें इसकी फ्रंट एंड डिजाइन देखने के लिए मिला है। इसमें Y-आकार के LED DRLs दिए गए हैं, जो इसकी स्टाइल को और भी अट्रैक्टिव बनाते हैं। इसक अलावा, इसके ग्लोबल मॉडल में एक ब्लैक-आउट चंकी बम्पर और लेवर बम्पर में फॉग लाइट्स दिए गए हैं।

इसकी साइड प्रोफाइल में 18 इंच के ब्लैक-आउट अलॉय व्हील्स दिए गए हैं। इसे रियर डोर हैंडल में C-पिलर पर माउंटेड देखने के लिए मिलेंगे, जिसमें एक मॉडर्न लुक भी मिल सकता है।

ई-विटारा के पीछे की तरफ कनेक्टेड LED टेल लाइट्स, शार्क फिन एंटीना और रूफ-माउंटेड स्पॉयलर भी देखने के लिए मिल सकते हैं।

अगर इसके ग्लोबल वर्जन वाले को ही भारत में लाया जाता है तो इसमें ड्यूल-टोन थीम और ड्यूल-स्क्रीन सेटअप देखने के लिए मिल सकता है। एक स्क्रीक इंफोटेनमेंट के लिए को दूसरी ड्राइवर डिस्प्ले के लिए होगी। इसमें स्पोर्टी 2-स्पोक स्टीयरिंग व्हील और वर्टिकली-ओरिएंटेड एसी वेंट्स देखने के लिए मिल सकते हैं, जो क्रोम एक्सेंट् से घिरे होंगे।

इसके अलावा ई-विटारा में ऑटोमैटिक क्लाइमेट कंट्रोल, पैनोरमिक सनरूफ, फ्रंट सीट्स के लिए वेंटिलेशन, हेड-अप डिस्प्ले, वायरलेस फोन चार्जर और कनेक्टेड कार टेक्नोलॉजी देखने के लिए मिल सकते हैं।

सेफ्टी फीचर्स

पैसेंजर्स की सेफ्टी के लिए ई-विटारा में छह एयरबैग्स, 360-डिग्री कैमरा, फ्रंट और रियर पार्किंग सेंसर्स, इलेक्ट्रॉनिक स्टेबिलिटी कंट्रोल, इलेक्ट्रॉनिक पार्किंग ब्रेक के साथ ऑटो-होल्ड, और लेवल-2 ADAS (एडवांस्ड ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम) जैसे एडवांस फीचर्स देखने के लिए मिल सकते हैं। वहीं, अगर इसमें ADAS फीचर मिलता है तो यह मारुति की पहली कार होगी, जिसमें यह प्रीमियम और एडवांस्ड सेफ्टी फीचर देखने के लिए मिलेगा।

बैटरी पैक और रेंज

ई-विटारा को जिस पावरट्रेन ऑप्शन के साथ ग्लोबल लेवल पर पेश किया गया है, उसी के साथ भारत में भी लाया जा सकता है। इसमें 49 kWh और 61 kWh का बैटरी पैक देखने के लिए मिल सकता है। इसमें लगी हूई 49 kWh बैटरी 144 PS की पावर और 189 Nm का टॉर्क जनरेट करेगी। वहीं, 61 kWh बैटरी पैक 174 PS की पावर और 189 Nm का टॉर्क जनरेट देगा। कंपनी की तरफ से अभी तक इसके रेंज का खुलासा नहीं किया गया है, लेकिन कहा जा रहा है कि इसमें लगी हुई बैटरी फुल चार्ज होने के बाद करीब 600 किलोमीटर तक की रेंज दे सकती है।

कीमत और लॉन्च

मारुति e Vitara के रेंज की तरह ही इसके कीमत की भी घोषणा नहीं किया गया है। उम्मीद है कि इसकी एक्स-शोरूम कीमत 20 लाख रुपये के आसपास हो सकती है। वहीं, इसे साल 2025 में होने वाले भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025 में लॉन्च किया जाएगा। भारतीय बाजार में इसका मुकाबला Tata Curvv EV, Mahindra BE 6, MG ZS EV और 17 जनवरी 2025 को लॉन्च होने वाली Hyundai Creta EV से होगा।

150cc बाइक से हर दिन घूमेंगे 10 किलोमीटर तो जल जाएगा कितना तेल? रोज सफर करने वाले जरूर पढ़ें

परिवहन विशेष न्यूज

अगर आपक हर दिन ऑफिस जाने के लिए 10 किलोमीटर ट्रैवल करते हैं और एक 150cc बाइक खरीदने का प्लान बना रहे हैं, तो हम बताएंगे की आपको महीने में कितना तेल का खर्च उठाना पड़ेगा।

अगर हर दिन बिना झंझट के ऑफिस जाना हो तो बाइक से बेहतर और कोई साधन नहीं है। एक 150cc बाइक में आपको अच्छी पॉवर के साथ स्टाइलिश लुक भी मिल जाता है। अगर आपक हर दिन ऑफिस जाने के लिए 10 किलोमीटर ट्रैवल करते हैं और एक 150cc बाइक खरीदने का प्लान बना रहे हैं, तो हम बताएंगे की आपको महीने में कितना तेल का खर्च उठाना पड़ेगा।

आपको बता दें कि एक 150cc बाइक का औसत माइलेज 40-45 किमी/ली के आस-पास होता है। वहीं बाइक का माइलेज काफी हद तक आपके ड्राइविंग हैबिट और सड़क के कंडिशन पर भी निर्भर करता है। लेकिन बाइक को हर रोज 10 किमी चलाने पर तेल का कितना खर्च आएगा, यहां हम उसी की चर्चा करेंगे।

कितने रुपये का तेज जला देगी बाइक

अगर आप हर दिन बाइक को 10 किमी चलाएंगे तो 30 दिनों में बाइक 300 किलोमीटर चल जाएगी। अगर बाइक की औसत माइलेज 45 किमी/ली मान लें, तो 300 किलोमीटर चलने में बाइक 6.66 लीटर पेट्रोल जला देगी। पेट्रोल की कीमत 100 रुपये प्रति लीटर मान लें तो महीने में पेट्रोल का खर्च 666 रुपये आएगा। इस हिसाब से एक दिन में पेट्रोल का खर्च 22 रुपये आएगा। यानी आप एक ऑटो से भी सस्ते किराए में 150cc बाइक से हर दिन ट्रैवल कर सकते हैं।

इन बातों पर भी निर्भर करता है बाइक का माइलेज

तेज स्पीडः अगर आप तेज स्पीड में बाइक चलाने के आदि हैं तो आपकी बाइक हमेशा कम माइलेज देगी। बाइक को 40-50 की इकोनॉमी स्पीड में चलाने से ही अच्छी माइलेज मिलती है।

बाइक की उम्रः बाइक अगर अच्छी कंडीशन में नहीं है या ज्यादा पुरानी हो गई है तो आपको उसमें अच्छी माइलेज नहीं मिलेगी। नई फ्यूल इंजेक्शन सिस्टम वाली बाइक में बेहतर माइलेज मिलती है।

टायर प्रेशरः अगर आप बाइक में एयर प्रेशन मेंटेन नहीं रखते हैं तो बाइक की माइलेज कम हो जाती है। ऐसे में इंजन पर भी दबाव बढ़ता है और पॉवर कम हो जाती है।

रोड कंडिशनः सड़क की स्थिती अगर अच्छी न हो या रोड टूटी-फूटी हो तो बाइक की स्पीड मेंटेन नहीं रह पाती। ऐसे में माइलेज कम हो जाती है।

2025 में लॉन्च हो सकती है टाटा की ये कारें, लिस्ट में पेट्रोल से लेकर इलेक्ट्रिक कार तक शामिल

परिवहन विशेष न्यूज

टाटा मोटर्स साल 2025 में अपनी नई गाड़ियां लॉन्च करने का प्लान बना रही है। टाटा मोटर्स साल 2025 में Sierra Harrier EV और Punch फेसलिफ्ट के मॉडल्स को लॉन्च कर सकती है। इसके साथ ही कंपनी अपनी गाड़ियों में 1.5-लीटर टर्बो-पेट्रोल इंजन को भी पेश कर सकती है। आइए जानते हैं कि साल 2025 में Tata Motors कौन सी गाड़ियां लॉन्च हो सकती है।

नई दिल्ली। साल 2024 में Tata Motors ने कई नई कारें पेश की, जिसमें Punch EV, Curvv, और Curvv EV शामिल है। कंपनी साल 2025 में भी अपनी नई कारों को लाने का प्लान कर रही है। इसमें इलेक्ट्रिक वाहनों के साथ-साथ अपडेटेड मॉडल भी शामिल है। टाटा मोटर्स ने पहले ही कुछ अपनी आगामी कारों का कॉन्सेप्ट का खुलासा किया है, जैसे Sierra EV और Harrier EV। आइए जानते हैं कि 2025 में Tata Motors अपनी गाड़ियां लेकर आने वाली है।

1. Tata Sierra

- एक्सपेक्टेड लॉन्चः जनवरी 2025
- एक्सपेक्टेड कीमतः 23-25 लाख रुपये

Tata Sierra के कॉन्सेप्ट को पहली बार साल 2020 के ऑटो एक्सपो में पेश किया था। अब यह लंबे इंतजार के बाद वापसी करने जा रही है। इसे पेट्रोल-डीजल के साथ ही इलेक्ट्रिक वेरिएंट में भी लाया जाएगा। Sierra EV में 60-80 kWh का बैटरी पैक देखने के लिए मिल सकता है, जो फुल चार्ज होने के बाद 500 किमी से ज्यादा की रेंज दे सकती है। वहीं, इसमें 1.5-लीटर 4-सिलिंडर टर्बो-पेट्रोल इंजन देखने के लिए मिल सकता है, जो 70 PS की पावर और 280 Nm का टॉर्क जनरेट करेगा। इसके साथ ही इसमें 2-लीटर डीजल इंजन ऑप्शन भी देखने के लिए मिल सकता है।

2. Tata Harrier EV

- एक्सपेक्टेड लॉन्चः जनवरी 2025
- एक्सपेक्टेड कीमतः 21-23 लाख रुपये

Tata Harrier EV का लोग लंबे समय से इंतजार कर रहे है। इसे आगामी Bharat Mobility Global Expo 2025 में पेश किया जा सकता है। इसका डिजाइन Harrier के जैसा ही हो सकता है, लेकिन इसमें कुछ खास बदलाव देखने के लिए मिल सकते हैं। इसमें ड्यूल-मोटर सेटअप देखने के लिए मिल सकते हैं। इसमें लगी हुई बैटरी चार्ज होने के बाद 450-550 किमी तक की रेंज दे सकती है।

3. Tata Safari EV

- एक्सपेक्टेड लॉन्चः फरवरी 2025
- एक्सपेक्टेड कीमतः 28-30 लाख रुपये

Tata Safari EV का इलेक्ट्रिक वेरिएंट को साल 2025 के शुरुआत में लॉन्च की जा सकता है। इसे तीन-रो सीटिंग लेआउट में आएगी जैसी इसकी पेट्रोल-डीजल वाली आती है। इसमें 6 और 7 सीटों के ऑप्शन देखने के लिए मिल सकते हैं। इसमें हैरियर ईवी जैसा पावरट्रेन मिल सकता है।

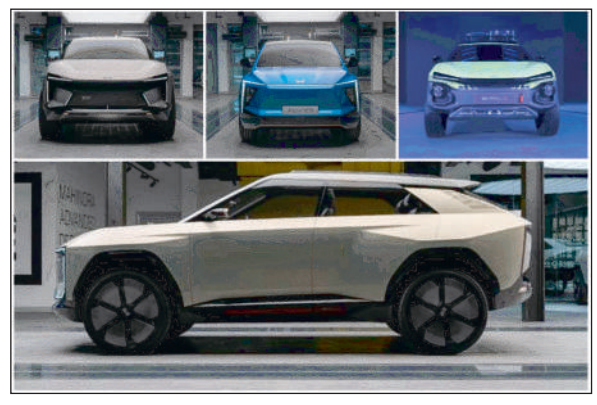

4. Tata Punch Facelift

- एक्सपेक्टेड लॉन्चः सितंबर 2025
- एक्सपेक्टेड कीमतः 6.50 लाख रुपये

Tata Punch के फेसलिफ्ट वर्जन को साल 2025 में लॉन्च किया जा सकता है। इसमें नया डिजाइन और अपडेट इंटीरियर देखने के लिए मिलेंगे। नई फेसलिफ्ट में Punch EV के जैसा ही नया लुक देखने को मिल सकता है। इसका इंजन ऑप्शन में किसी तरह का बदलाव नहीं देखने के लिए नहीं मिलेगा।

5. Tata Harrier (Petrol)

- एक्सपेक्टेड लॉन्चः मध्य 2025
- एक्सपेक्टेड कीमतः 14-14.50 लाख रुपये

Tata Harrier ईवी की तरह ही इसके पेट्रोल वर्जन को भी साल 2025 में लॉन्च किया जा सकता है। इसमें 1.5-लीटर 4-सिलिंडर टर्बो-पेट्रोल इंजन देखने के लिए मिलेगा, 170 PS की पावर और 280 Nm का टॉर्क जनरेट करता है। इसमें लगा इंजन 6-स्पीड मैनुअल और ड्यूल-क्लच ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन देखने लिए मिल सकता है।

6. Tata Tiago और Tigor Facelift

- एक्सपेक्टेड लॉन्चः दिसंबर 2025
- एक्सपेक्टेड कीमतः 5.50-6 लाख रुपये (Tiago) और 6.50-7 लाख रुपये (Tigor)

Tata Tiago और Tigor को करीब 4 साल बाद एक बड़ा अपडेट मिलने की संभावना है। इनके फेसलिफ्ट में नई डिजाइन के साथ ही टीरियर्स और एडवांस फीचर्स देखने के लिए मिल सकता है।

डिजिटल प्रदूषण की आहट ! (सम-सामयिक)

सुनील कुमार महला

आज सूचना क्रांति और तकनीक का जमाना है। आज हम डिजिटल युग में सांस ले रहे हैं,एक ऐसी दुनिया जो संचार और मनोरंजन से लेकर, आनलाइन खरीदारी, आनलाइन गतिविधियों, स्वास्थ्य सेवा और परिवहन तक हर चीज़ के लिए प्रौद्योगिकी पर निर्भर होती जा रही है। हालाँकि, डिजिटल क्रांति ने मनुष्य को अनेक बेजोड़ सुविधाएँ और प्रगति प्रदान की है, लेकिन इसके साथ ही पर्यावरण संबंधी अनेक चुनौतियाँ भी सामने आई हैं, जिनमें से डिजिटल प्रदूषण प्रमुख चुनौती है। सूचना क्रांति और तकनीक के इस दौर में 'डिजिटल प्रदूषण' एक नया कंसेप्ट है जो हमारे पर्यावरण, पारिस्थितिकी तंत्र पर टेक्नोलॉजी के कारण होने वाले नकारात्मक प्रभावों को बताता है। आज दुनिया भर में इंटरनेट क्रांति के बीच लैपटॉप, कंप्यूटर, सोशल नेटवर्किंग साइट्स व्हाट्स एप, फेसबुक, इंस्टाग्राम, यू-ट्यूब, ट्विटर का जमकर उपयोग और प्रयोग किया जा रहा है। रोजाना करोड़ों इ-मेल भेजें जाते हैं। विशाल डाटा(फोटो, विडियो, डाक्यूमेंट्स, ई-मेल आदि) केंद्रों में 'क्लाउड डाटा' स्टोरेज किया जाता है। कहना ग़लत नहीं होगा कि डाटा स्टोरेज बहुत ज्यादा बिजली की खपत करते हैं। इससे डिजिटल प्रदूषण को बढ़ावा मिलता है। वास्तव में डिजिटल प्रदूषण इलेक्ट्रॉनिक कचरे (ई-कचरा), अतिरिक्त डेटा भंडारण, डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म की ऊर्जा खपत और पूरे डिजिटल उद्योग का कार्बन पदचिह्न जैसे अनेक तरीकों से प्रकट होता है। दूसरे शब्दों में यह कहना ग़लत नहीं होगा कि ई-कचरे से लेकर कार्बन उत्सर्जन तक डिजिटल प्रदूषण वास्तविक है। आज दुनिया भर में एंड्रॉयड मोबाइल, स्मार्टफोन, लैपटॉप, कंप्यूटर का प्रयोग किया जा रहा है। अप्रचलित गैजेट(काम में नहीं आने वाले) और हार्डवेयर घटक अक्सर लैंडफिल में पहुंच जाते हैं, जिससे विषाक्त इलैक्ट्रोनिक अपशिष्ट(ई-कचरा) उत्पन्न होता है। कहना ग़लत नहीं होगा कि सभी डिजिटल प्लेटफार्म ऊर्जा की खपत करते हैं। जब भी हम अपने गैजेट्स के माध्यम से कोई वीडियो स्ट्रीम करते हैं या विभिन्न ऑनलाइन गतिविधियों में संलग्न होते हैं, तो कहीं न कहीं सर्वर उस सेवा को चालू रखने के लिए बिजली की खपत करते हैं। पाठकों को जानकारी के लिए बताता चलूं कि डिजिटल प्रदूषण के कुछ बहुत ही चौंकाने वाले प्रभाव हैं। उदाहरण के लिए, अकेले डेटा सेंटर में प्रति वर्ग मीटर लगभग 1,000 केडब्ल्यूएच की खपत होती है, जो एक सामान्य अमेरिकी घर की बिजली खपत से लगभग दस गुना अधिक है। डिजिटल तकनीक के प्रोडक्शन में अक्सर दुर्लभ धातुओं का खनन शामिल होता है, जिससे पृथ्वी के सीमित संसाधन खत्म हो रहे हैं, जो हमारे पर्यावरण पर नकारात्मक प्रभाव डाल रहे हैं। गौरतलब है कि ई-कचरे से किसी भी राष्ट्र पर वित्तीय बोझ भी बढ़ता है और इसके संपर्क में आने से मनुष्य और जीवों को गंभीर स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं हो सकती हैं, खासकर विकासशील देशों में जहां ई-कचरा अक्सर फेंका जाता है। बहरहाल, कहना ग़लत नहीं

होगा कि डिजिटल प्रदूषण को कुछ तरीके अपनाकर कम किया जा सकता है। मसलन, हरित आईटी मानकों/प्रमाणनों को अपनाना, उनका पालन करना सबसे तात्कालिक तरीकों में से एक है। इसमें ऊर्जा दक्षता के लिए कंप्यूटर सिस्टम को अनुकूलित करना, कम बिजली की आवश्यकता वाले सॉफ़्टवेयर का उपयोग करना, एआई एल्गोरिदम को शामिल करना आदि शामिल है, जो ऊर्जा के उपयोग को बुद्धिमानी से प्रबंधित कर सकते हैं। इसके अलावा पुराने और अप्रचलित इलैक्ट्रोनिक उपकरणों की रिसाइक्लिंग(पुनर्चक्रण) और उचित निपटान जरूरी है।उचित निपटान न केवल खतरनाक कचरे को लैंडफिल में जाने से रोकता है बल्कि मूल्यवान सामग्रियों को पुनः प्राप्त करने में भी मदद करता है, जिनका पुनः उपयोग किया जा सकता है। इसके अलावा, संधारणीय सर्वर प्रबंधन समाधान के तहत नवीकरणीय ऊर्जा द्वारा संचालित क्लाउड सेवाओं पर माइग्रेट करना या कार्बन न्यूट्रल होस्टिंग सेवाओं का उपयोग भी किया जा सकता है। वर्चुअलाइजेशन जैसी प्रथाओं से कंपनियों द्वारा मौजूदा हार्डवेयर का अधिक कुशलता से उपयोग किया जा सकता है, क्यों कि इससे नए उपकरणों की आवश्यकता कम हो जाती है और इस प्रकार ई-कचरे और ऊर्जा खपत दोनों को कम किया जा सकता है। इतना ही नहीं,कर्मचारियों को डिजिटल स्थिरता की संस्कृति और उसके महत्व के बारे में शिक्षित किए जाने के लिए आंतरिक जागरूकता अभियान, कार्यशालाएँ और प्रशिक्षण कार्यक्रम भी चलाए जा सकते हैं। मसलन,प्रिंटर को डिफ़ॉल्ट रूप से डबल-साइड प्रिंटिंग पर सेट करना या कर्मचारियों को उपयोग में न होने पर अपने कंप्यूटर को बंद करने के लिए प्रोत्साहित करना जैसे सरल कदम महत्वपूर्ण ऊर्जा बचत में योगदान कर सकते हैं। साथ ही, संगठनों को डिजिटल सफाई के लिए भी एक नियमित प्रोटोकॉल स्थापित करना चाहिए। मसलन,अप्रयुक्त फ़ाइलें, अनावश्यक ईमेल और पुराने डेटाबेस के स्थान पर केवल अति आवश्यक डेटा को ही स्टोर किया जाए और अनावश्यक डेटा को स्टोर न किया जाए, क्यों कि इससे अनावश्यक रूप से ऊर्जा की खपत होती है। टिकाऊ तकनीकी समाधानों में निवेश भी बहुत जरूरी है। इसके अलावा हमें यह चाहिए कि हम

टिकाऊ, अपग्रेड करने योग्य और पर्यावरण के अनुकूल इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों का चयन करें। अपने क्लाउड स्टोरेज में अनावश्यक फ़ाइलों को साफ करें और हम समाज के लोगों को डिजिटल प्रदूषण के बारे में जागरूक करें क्यों कि साझा किया गया हर ज्ञान एक अधिक टिकाऊ भविष्य में योगदान देता है। वृक्षारोपण करके भी हम कार्बन फुटप्रिंट को कम कर सकते हैं। कहना ग़लत नहीं होगा कि पेड़ प्रकृति के सबसे अच्छे कार्बन सिंक हैं, जो कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित करते हैं और ऑक्सीजन छोड़ते हैं। पेड़ लगाना डिजिटल गतिविधियों से होने वाले कार्बन उत्सर्जन को कम करने का एक सीधा तरीका है। अंत में यही कहूंगा कि आज की इस दुनिया में डिजिटल प्रदूषण एक बहुत ही गंभीर और संवेदनशील मुद्दा है। डिजिटल प्रदूषण से निपटना किसी व्यक्ति विशेष, समाज विशेष और सरकार विशेष की जिम्मेदारी नहीं है। वास्तव में देखा जाए तो यह एक सामूहिक मुद्दा और सामूहिक समस्या है। हमारी जागरूकता, हमारी सचेतनता से हम डिजिटल प्रदूषण के पर्यावरणीय, आर्थिक और सामाजिक प्रभावों को काफी हद तक कम कर सकते हैं।

तुलसी है संजीवनी

तुलसी है संजीवनी, तुलसी रस की खान।
तुलसी पूजन से मिटें, जीवन के व्यवधान।।
*
विष्णु प्रिया तुलसी सदा, करती है कल्यान।
तुलसी है वरदायिनी, जीवन का वरदान ।।
*
जिस घर में तुलसी पुजे, रहे प्रभू का वास।
रोग पाप सब के मिटे, तन-मन हो उल्लास।।
*
तुलसी सालिगराम की, महिमा अजब महान।
हम सब का कर्तव्य है, हो इसका सम्मान।।
*
तुलसी माँ की वंदना, करता है संसार।
निरख -निरख रस का तभी, होता है संचार।।
*
तुलसी घर की शान है, तुलसी घर की आन।
जिस घर में हों तुलसियाँ, ईश्वर का वरदान।।
*
प्राणदायिनी औषधी, तुलसी है अनमोल।
ये माता संजीवनी, इसके पुण्य अतोल।।
*
चरणामृत तुलसी बिना, रहता सदा अपूर्ण।
बोकर तुलसी हम करे, उसे आज सम्पूर्ण।।
*
तुलसी के इस भेद को, जानें चतुर सुजान।
तुलसी माँ हर भक्त का, करती है कल्यान।।
*
सच्चे मन से जो करे, तुलसी पूजन पाठ।
रहते सौरभ है वहां, तन-मन के सब ठाठ।।

-डॉ सत्यवान सौरभ

भारत प्रदूषित हवा में सांस ले रहा है

विजय गर्ग

एन.सी.आर. में तो सांस लेने की समस्या है। दिसंबर में ही दूसरी बार बढ़ते वायु प्रदूषण से निपटने के लिए तत्काल उपाय के तौर पर ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (जीआरईपी)-4 लागू करना पड़ा, क्योंकि एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) 301 को पार करते ही खतरनाक की श्रेणी में पहुंच गया। फिर 450 को पार कर गया। यहां तक कि व्यावसायिक वाहनों को छोड़कर बीएस-3 पेट्रोल और बीएस-4 डीजल वाली निजी कारों पर भी प्रतिबंध है- भले ही आपके पास प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र हो और आपकी कार 'फिटनेस' पीरियड में भी हो। टैक्सी और दोपहिया वाहनों पर ऐसा कोई प्रतिबंध नहीं है। क्या यह अतार्किक नहीं है? कक्षाएं ऑनलाइन हैं, इसलिए 'वर्क फ्रॉम होम' का क्रम जारी है। हर काम घर से नहीं किया जा सकता। जो भी हो, उनकी अनुमति भी ऑफिस की मर्जी पर निर्भर करती है। यह समस्या पहली बार भी नहीं है। हर साल कम से कम 2-3 बार ऐसी स्थितियां आती हैं, जब आपातकालीन कदम उठाने पड़ते हैं। आखिर सरकारें आग लगने पर ही कुआं खोदने की मानसिकता से उबरकर आग लगने से रोकने के लिए जरूरी एहतियाती कदम क्यों नहीं उठातीं? क्या यह शर्मनाक नहीं है? दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र और पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाले देश भारत की राजधानी दिल्ली के निवासियों को क्या पिछले साल सिर्फ 2 दिन ही सांस लेने लायक स्वच्छ हवा नसीब हुई थी? दिल्ली और एनसीआर के निवासी भी वर्षों से लगभग पूरे साल प्रदूषित हवा में सांस लेने और तरह-तरह की बीमारियों से ग्रसित होने के लिए अभिशप्त हैं। क्या यह नीति निर्माताओं की प्राथमिकताओं पर सवालिया निशान नहीं है? दिल्ली-एनसीआर भारत के जानलेवा वायु प्रदूषण पर हर साल देश और दुनिया में चर्चा होती है जब सर्दियों में हालात बेकाबू हो जाते हैं, लेकिन सच यह है कि भारत एक 'प्रदूषित राष्ट्र' बन चुका है। शोध से पता चला है कि भारत की 81.9 फीसदी आबादी ऐसे इलाकों में रहती है जहां हवा की गुणवत्ता का स्तर देश के राष्ट्रीय परिवेशी वायु गुणवत्ता मानकों (एनएएक्यूएस) के अनुरूप भी नहीं है एनएएक्यूएस के अनुसार भारत में सुरक्षित वायु गुणवत्ता का मानक पी.एम. 2.5 40 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर है, जबकि विश्व स्वास्थ्य संगठन 5 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर की सिफारिश करता है। दिल्ली-एनसीआर भारत में वायु प्रदूषण को लेकर डॉक्टर और वैज्ञानिक चेतावनी देते हैं कि पी.एम. 2.5 न केवल श्वसन संबंधी समस्याओं को बढ़ाता है, बल्कि रक्तचाप और स्ट्रोक व दिल के दौरे के खतरे को भी बढ़ाता है। एक अध्ययन में यह भी बताया गया था कि पी.एम. 2.5 के उच्च स्तर के कारण भारत में हर साल 15 लाख मौतें हो रही हैं, जो देश में होने वाली कुल मौतों का करीब 25 फीसदी है। एक अन्य अध्ययन से पता चलता है कि देश में हर दिन 6500 लोग प्रदूषण से होने वाली बीमारियों से मर रहे हैं। अब यूनिवर्सिटी ऑफ स्कॉटलैंड एंड्रयूज ने अपने शोध में दावा किया है कि वायु प्रदूषण फेफड़ों और अन्य अंगों के साथ-साथ हमारी मानसिक स्थिति पर भी गहरा असर डाल रहा है पेश की गई रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया कि वायु प्रदूषण लोगों के मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर रहा है। छात्रों के बीच अध्ययन संबंधसमस्याएं और दुख बढ़ रहे हैं और जीवन की चुनौतियों से जूझने की क्षमता कम हो रही है। सुप्रीम कोर्ट दिल्ली-एनसीआर। बढ़ते वायु प्रदूषण के मामलों की सुनवाई करते हुए कहा था कि स्वच्छ हवा में सांस लेना मौलिक अधिकार है, लेकिन ये आंकड़े बताते हैं कि देश में कहीं भी हवा सांस लेने लायक नहीं है। फिर इस स्थिति के दोषियों पर कौन और कब कार्रवाई करेगा? दिल्ली विधानसभा चुनाव की दहलीज पर है। देश और दिल्ली में अलग-अलग राजनीतिक दलों की सरकारें हैं, जो हर समस्या के लिए एक-दूसरे को जिम्मेदार नहीं ठहरातीं।थक जाती हैं। फिर भी जानलेवा वायु प्रदूषण चुनावी मुद्दा नहीं बन पाता, क्योंकि अपराध में सभी भागीदार हैं। हाल ही में एक अध्ययन में पता चला है कि वायु प्रदूषण के कारण प्रति वर्ष सबसे अधिक 12,000 मौतें दिल्ली में होती हैं सरकारें तंबाकू सेवन के खतरों के बारे में चेतावनी देने के लिए कई कदम उठाती हैं, लेकिन जहरीली हवा पर चुप रहती हैं। क्या ऐसा इसलिए है क्योंकि वे उसके लिए सबसे ज्यादा मायने रखते हैं? क्या आप जिम्मेदार हैं?

कर्मचारियों की कमी से जूझती शासन व्यवस्था

प्रियंका सौरभ

भारतीय शासन व्यवस्था को अक्सर 'लोगों की कमी' लेकिन 'प्रक्रियाओं की कमी' के रूप में वर्णित किया जाता है, जो कि प्रभावी शासन के लिए उपलब्ध बड़ी प्रशासनिक मशीनरी और सीमित मानव संसाधनों के बीच असंतुलन को दर्शाता है। जबकि नौकरशाही प्रक्रियाएँ अच्छी तरह से स्थापित हैं, कर्मियों की कमी कुशल कार्यान्वयन में बाधा डालती है। यह विरोधाभास देरी, अक्षमताओं और अपर्याप्त सार्वजनिक सेवा वितरण का कारण बनकर शासन को प्रभावित करता है, जिससे नागरिकों की जरूरतों के प्रति राज्य की जवाबदेही कम होती है। शासन व्यवस्था को 'लोगों की कमी' लेकिन 'प्रक्रियाओं की कमी' के रूप में वर्णित किया जाता है। भारतीय राज्य में प्रति व्यक्ति सार्वजनिक क्षेत्र के कर्मचारियों की संख्या कम है, जिसके परिणामस्वरूप जटिल शासन चुनौतियों का समाधान करने के लिए कर्मियों की कम उपस्थिति है। भारत में प्रति मिलियन केवल 1,600 केंद्रीय सरकारी कर्मचारी हैं, जबकि अमेरिका में प्रति मिलियन 7,500 हैं, जिससे राज्य की दक्षता प्रभावित होती है। कम सिविल सेवकों के बावजूद, नौकरशाही लाइसेंसिंग, परमिट और मंजूरी जैसी जटिल प्रक्रियाओं में फंसी हुई है। व्यवसाय शुरू करने के लिए मंजूरी, परमिट और अनुमोदन की भूलभुलैया से गुजरना पड़ता है जो प्रगति में बाधा डालते हैं और परिणामों में देरी करते हैं। भारतीय राज्य में स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और पुलिसिंग जैसे प्रमुख क्षेत्रों में पर्याप्त संख्या में कुशल पेशेवरों की कमी है। भारतीय रिजर्व बैंक के पास केवल 7,000 कर्मचारी हैं, जबकि अमेरिकी फेडरल रिजर्व में 22,000 कर्मचारी हैं, जो राष्ट्रीय वित्तीय स्थिरता के प्रबंधन में प्रभावशीलता को सीमित करता है। नीति-निर्माण अत्यधिक केंद्रीकृत है, लेकिन कार्यान्वयन सीमित फ्रंटलाइन कर्मियों द्वारा की जाने वाली एक बोझिल प्रक्रिया बनी हुई है।

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण परियोजनाओं को क्रियान्वित करता है, जबकि नीति निर्माण मंत्रालय स्तर पर रहता है, जिससे देरी और लागत में कमी आती है। सरकारी कर्मचारियों का छोटा आकार अधिकारियों पर अत्यधिक बोझ डालता है, जिससे प्रभावी नीति निष्पादन मुश्किल हो जाता है। अपर्याप्त जनशक्ति और अत्यधिक प्रक्रियाओं के कारण सेवाओं में देरी होती है, क्योंकि अधिकारी काम की मात्रा को संभालने के लिए संघर्ष करते हैं। बोझिल विनियामक मंजूरी और अग्रिम पंक्ति के निर्णय लेने वाले प्राधिकरण की कमी के कारण बुनियादी ढाँचा परियोजनाओं को लागत में वृद्धि और देरी का सामना करना पड़ता है। नीति निर्माण और निष्पादन का विभाजन निर्णय लेने वालों और सेवा कार्यान्वयनकर्ताओं के बीच एक वियोग पैदा करता है, जिससे खराब प्रदर्शन के लिए जवाबदेही कम हो जाती है। जब सड़क निर्माण परियोजनाओं में समस्याएँ आती हैं, तो मंत्रालयों और कार्यान्वयनकर्ताओं के बीच निगरानी के लिए स्पष्ट ज़िम्मेदारी की अनुपस्थिति के कारण दोषारोपण और अक्षमताएँ होती हैं। सरकार के भीतर कौशल की कमी के कारण महत्वपूर्ण कार्यों के लिए निजी परामर्श फर्मों पर निर्भरता बढ़ जाती है, जिससे सार्वजनिक व्यय बढ़ जाता है। भारत सरकार ने उन कार्यों के लिए परामर्श शुल्क पर 500 करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए, जिन्हें बेहतर प्रशिक्षित अधिकारियों के साथ घर में ही प्रबंधित किया जा सकता था। नौकरशाही की जटिल प्रक्रियाएँ जोखिम लेने और विवेकाधीन निर्णय लेने से परहेज़ पैदा करती हैं, जिससे नवाचार बाधित होता है और अनुकूलन धीमा होता है। उच्च सार्वजनिक क्षेत्र के वेतन और नौकरी की सुरक्षा के साथ प्रोत्साहनों का गलत संरेखण ऐसे लोगों को आकर्षित करता है जो सामाजिक सेवा के बजाय वित्तीय लाभ से प्रेरित होते हैं। लोगों की कमी को दूर करने के लिए विभिन्न स्तरों पर योग्य पेशेवरों की भर्ती बढ़ाएँ, जिससे कुशल कार्यबल सुनिश्चित हो। मिशन कर्मयोगी जैसे पार्श्व प्रवेश कार्यक्रम और विशेष प्रशिक्षण पहल सिविल सेवकों के कौशल और दक्षता में सुधार कर सकते हैं। कार्यान्वयन से संबंधित निर्णय लेने, जवाबदेही में सुधार और प्रक्रियाओं को गति देने के लिए प्रत्यायोजित अधिकार के साथ फ्रंटलाइन कर्मियों को सशक्त बनाएँ। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के समान नीतियों को क्रियान्वित करने में फ्रंटलाइन कार्यकर्ताओं को अधिक नियंत्रण देने से देरी कम होती है और दक्षता में सुधार होता है।

लाइसेंस और मंजूरी के बोझ को कम करने के लिए नौकरशाही प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करें, जिससे नागरिकों और व्यवसायों के लिए सार्वजनिक सेवाओं तक पहुँच आसान हो। परमिट और अनुमोदन के लिए वन-स्टॉप समाधान प्रदान करने वाले ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म जटिलता को कम कर सकते हैं और प्रक्रियाओं को गति दे सकते हैं। मध्यम वेतन सुधार लागू करें जो सार्वजनिक क्षेत्र के वेतन को निजी क्षेत्र के मुआवजे के साथ संरेखित करते हैं, भ्रष्टाचार को हतोत्साहित करते हैं और सामाजिक सेवा से प्रेरित व्यक्तियों को आकर्षित करते हैं। प्रदर्शन से जुड़े प्रोत्साहनों को लागू करना और प्रतिस्पर्धी, लेकिन उचित वेतन सुनिश्चित करना सामाजिक सोच वाले पेशेवरों के लिए सार्वजनिक क्षेत्र के आकर्षण को बढ़ा सकता है। निरीक्षण और जवाबदेही तंत्र को मजबूत करें: नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक और केंद्रीय सतर्कता आयोग जैसी एजेंसियों में सुधार करें ताकि ऑडिट और जांच को अधिक प्रासंगिक बनाया जा सके और केवल अनुपालन के बजाय नीति उद्देश्यों पर ध्यान केंद्रित किया जा सके। निरीक्षण एजेंसियों को नीतिगत निर्णयों की जटिलताओं के प्रति संवेदनशील बनाने से यह सुनिश्चित होगा कि वे संदर्भ को समझें, जिससे मुकदमेबाजी और परियोजना निष्पादन में देरी कम होगी।. भारत के 'लोगों की संख्या कम' लेकिन 'प्रक्रियाओं की संख्या अधिक' होने के कारण शासन में अधिक जवाबदेही और दक्षता की आवश्यकता है। मानव संसाधनों को मजबूत करना, निर्णय लेने को विकेंद्रीकृत करना और प्रौद्योगिकी का लाभ उठाना सार्वजनिक सेवा वितरण को सुव्यवस्थित कर सकता है, जिससे बेहतर पहुंच और जवाबदेही सुनिश्चित हो सकती है। भविष्य-केंद्रित दृष्टिकोण को क्षमता निर्माण और पारदर्शिता पर जोर देना चाहिए, जिससे अधिक जन-केंद्रित और प्रभावी शासन प्रणाली को बढ़ावा मिले।

आईआईटी-जेईई की तैयारी: भारत की सबसे कठिन परीक्षाओं में से एक में सफलता के लिए सिद्ध रणनीतियाँ

विजय गर्ग

1.2 मिलियन से अधिक छात्र JEE Main में शामिल होते हैं और केवल 10,000 ही प्रतिष्ठित IIT में सीट हासिल कर पाते हैं, इसलिए प्रतिस्पर्धा बहुत कड़ी और कठिन है।

IIT-JEE केवल एक परीक्षा नहीं है - यह भारत के टियर 1 इंजीनियरिंग कॉलेजों और लाखों महत्वाकांक्षी इंजीनियरों के सपनों का प्रवेश द्वार है। इस प्रतिष्ठित परीक्षा की तैयारी की यात्रा कठोर, मांग वाली और अत्यधिक प्रतिस्पर्धी है। हर साल 1.2 मिलियन से अधिक छात्र JEE Main में शामिल होते हैं और केवल 10,000 ही प्रतिष्ठित IIT में सीट हासिल कर पाते हैं, इसलिए प्रतिस्पर्धा बहुत कड़ी और कठिन है। JEE में सफलता केवल कड़ी मेहनत पर ही नहीं बल्कि उन रणनीतियों में महारत हासिल करने पर निर्भर करती है जो प्रयास को परिणाम में बदल देती हैं" क्योंकि सच्ची सीख - अवधारणाओं को समझना, लागू करना और उनका संश्लेषण करना - JEE को पास करने की नींव है। यहाँ, हम अवधारणाओं में महारत हासिल करने से लेकर तकनीक का लाभ उठाने तक की समय-परीक्षित रणनीतियों का पता लगाते हैं, जो छात्रों को शीर्ष इंजीनियरिंग संस्थानों में प्रवेश सुरक्षित करने के लिए सशक्त बनाती हैं।

सीखना: एक मजबूत आधार तैयार करें

IIT-JEE की तैयारी: यहाँ, हम अवधारणाओं में महारत हासिल करने से लेकर तकनीक का लाभ उठाने तक की समय-परीक्षित रणनीतियों का पता लगाते हैं, जो शिक्षार्थियों को शीर्ष इंजीनियरिंग संस्थानों में प्रवेश पाने के लिए सशक्त बनाती हैं।

JEE की तैयारी का सार गहरी वैचारिक स्पष्टता में निहित है। इसके बिना, सबसे अच्छे अभ्यास कार्यक्रम भी कम पड़ जाते हैं। यहाँ बताया गया है कि शिक्षार्थी कैसे एक मजबूत आधार तैयार कर सकते हैं:

1. अवधारणाओं को समझें: रटने की शिक्षा का JEE में कोई स्थान नहीं है। हर विषय - चाहे कैलकुलस, मैकेनिक्स, या ऑर्गेनिक केमिस्ट्री - प्रत्येक अवधारणा के पीछे 'क्यों' और 'कैसे' को समझने की आवश्यकता होती है। उदाहरण के लिए, न्यूटन के गति के नियमों को व्यावहारिक रूप से समझा जाना चाहिए, जैसे कार में घर्षण की गणना करना या खेल में प्रक्षेप्य गति।

2. अवधारणाओं का अनुप्रयोग: समस्या-समाधान के माध्यम से सीखना सिद्ध होता है। उदाहरण के लिए, थर्मोडायनामिक्स में संख्यात्मक समस्याओं को हल करना सैद्धांतिक समझ का परीक्षण करते हुए विश्लेषणात्मक सोच को बढ़ाता है।

3. बहु-अवधारणा समस्याओं का संश्लेषण करें: JEE अक्सर कई अवधारणाओं को एक ही समस्या में जोड़ता है। शिक्षार्थियों को विषयों में बिंदुओं को जोड़ना चाहिए। उदाहरण के लिए, एक प्रश्न में बिजली, चुंबकत्व और कलन के सिद्धांतों को शामिल किया जा सकता है।

4. पाठ्यक्रम में मुख्य क्षेत्रों की पहचान करें: पिछले वर्ष के प्रश्नपत्रों का विश्लेषण करके, यांत्रिकी, बीजगणित और अकार्बनिक रसायन विज्ञान जैसे उच्च स्कोरिंग विषयों पर ध्यान केंद्रित करें।

अभ्यास और अनुप्रयोग: तैयारी की रीढ़

संरचित अभ्यास सीखने को विशेषज्ञता में बदल देता है। यहाँ बताया गया है कि कैसे:

1. दैनिक लक्ष्य कार्यपत्रक: आत्मविश्वास और गति बनाने के लिए किसी विशिष्ट विषय से प्रतिदिन एक निश्चित संख्या में समस्याओं को हल करें।

2. अध्याय परीक्षण: कमजोरियों को पहचानने और सीखने को मजबूत करने के लिए प्रत्येक अध्याय के बाद परीक्षण लें।

3. मॉक टेस्ट: समय की कमी के तहत गति और सटीकता विकसित करने के लिए पूर्ण-लंबाई वाले परीक्षणों के साथ वास्तविक परीक्षा का अनुकरण करें।

4. कमजोर क्षेत्रों को मजबूत करें: संघर्ष के क्षेत्रों की पहचान करने के लिए परीक्षा परिणामों का विश्लेषण करें और उन्हें सुधारने के लिए समय समर्पित करें

5. पिछले वर्ष के प्रश्नपत्र हल करें: पिछले प्रश्नपत्र शिक्षार्थियों को प्रश्न के प्रकार, पैटर्न और समय प्रबंधन तकनीकों से परिचित कराते हैं।

पुनः सीखने के माध्यम से सुधार: गलतियों को सबक में बदलना

अभ्यास के दौरान की गई गलतियाँ सीखने के सबसे बड़े अवसर प्रदान करती हैं:

1. परीक्षणों में त्रुटियों की पहचान करें: यह निर्धारित करने के लिए गलत उत्तरों का विश्लेषण करें कि क्या गलतियाँ वैचारिक अंतराल, गणना त्रुटियों या गलत व्याख्या से उत्पन्न हुई हैं।

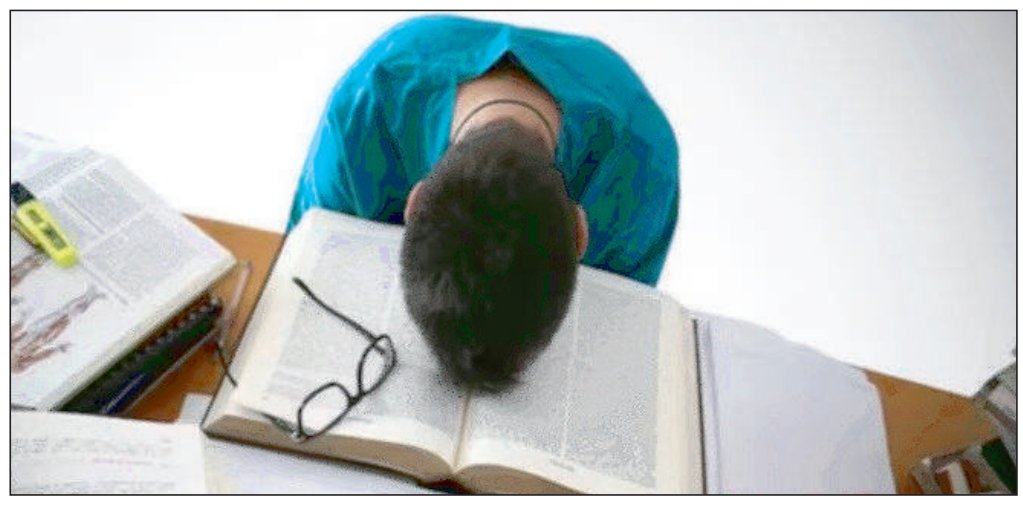

2. अनकवर्ड मॉडल समस्याएँ सीखें: मॉडल समस्याएँ शिक्षार्थियों को जटिल, अवधारणा-भारी प्रश्नों के साथ चुनौती देती हैं जो उन्हें परीक्षा में आश्चर्य के लिए तैयार करती हैं।

3. कमजोर अवधारणाओं को फिर से सीखें: यदि आप एकीकरण समस्याओं से जूझते हैं, तो सिद्धांत पर फिर से विचार करें, चरणों को सरल बनाएँ और समान समस्याओं का अभ्यास करें।

JEE में सफलता के लिए दबाव में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए विशिष्ट कौशल की आवश्यकता होती है:

1. परीक्षा लेखन कौशल: त्रुटियों से बचने और अधिकतम स्कोर प्राप्त करने के लिए चरण-दर-चरण सटीकता के साथ संक्षिप्त रूप से उत्तर लिखें।

2. त्वरित गणना: गणनाओं को तेज़ करने और त्रुटियों को समाप्त करने के लिए मानसिक गणित तकनीकों में महारत हासिल करें।

3. परिभाषाओं और सूत्रों पर नियंत्रण: परीक्षा के दौरान जल्दी याद करने के लिए फ्लैशकार्ड या स्मृति सहायक का उपयोग करके मुख्य सूत्रों और परिभाषाओं को याद करें।

4. समय प्रबंधन: सीखने, अभ्यास और संशोधन के चरणों को संतुलित करें। प्रश्नों को अनुत्तरित छोड़ने से बचने के लिए परीक्षा के दौरान बुद्धिमानी से समय आवंटित करें।

5. योजना में निरंतरता: समय के साथ आत्मविश्वास बनाने के लिए सीखने, अभ्यास और संशोधन को कवर करने वाली एक संरचित दैनिक योजना पर टिके रहें।

प्रौद्योगिकी ने जेईई की तैयारी में क्रांति ला दी है, जो सुलभ और अति-व्यक्तिगत संसाधन प्रदान करती है:

1. रिकॉर्ड की गई कक्षाएँ: वीडियो व्याख्यान शिक्षार्थियों को अपनी गति से कठिन विषयों पर फिर से विचार करने की अनुमति देते हैं, जिससे संशोधन आसान हो जाता है।

2. विश्लेषण के साथ परीक्षण: AI-संचालित उपकरण विस्तृत प्रदर्शन अंतर्दृष्टि प्रदान करते हैं, ताकत और सुधार के क्षेत्रों को उजागर करते हैं।

3. ऑनलाइन मॉक परीक्षाएँ: नकली ऑनलाइन परीक्षाएँ डिजिटल प्रारूप से परिचित कराती हैं और समय प्रबंधन कौशल को बेहतर बनाने में मदद करती हैं।

4. इंटरेक्टिव प्लेटफ़ॉर्म: AI-संचालित उपकरण व्यक्तिगत कमजोर क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करके सीखने को वैयक्तिकृत करते हैं, निरंतर प्रगति सुनिश्चित करते हैं और सक्षम बनाते हैं

राजकोषीय घाटे और सोशल सिक्योरिटी सिस्टम पर होगा बजट का फोकस? क्या है वित्त मंत्री का प्लान

परिवहन विशेष न्यूज

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का 1 फरवरी 2025 को बजट पेश करेंगी। उनका बजट में फोकस राजकोषीय घाटे को कम करने पर रहेगा। वित्त मंत्रालय का कहना है कि बजट में गरीबों और जरूरतों का भी खास ख्याल रखा जाएगा। केंद्र सरकार वित्त वर्ष 2025-26 तक राजकोषीय घाटे को जीडीपी के 4.5 प्रतिशत से कम रखने के लिए प्रतिबद्ध है।

नई दिल्ली। सरकार गुणवत्तापूर्ण व्यय में सुधार, सामाजिक सुरक्षा तंत्र को मजबूत करने और वित्त वर्ष 2025-26 में राजकोषीय घाटे को सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 4.5 प्रतिशत पर लाने पर अपना ध्यान केंद्रित करना जारी रखेगी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण एक फरवरी को संसद में वित्त वर्ष 2025-26 का बजट पेश करेंगी। केंद्र सरकार वित्त वर्ष 2021-22 के बजट में घोषित राजकोषीय समेकन के सुगम मार्ग पर चलने और वित्त वर्ष 2025-26 तक राजकोषीय घाटे को सकल घरेलू उत्पाद के 4.5 प्रतिशत से कम रखने के लिए प्रतिबद्ध है।

यह जानकारी वित्त मंत्रालय ने राजकोषीय उत्तरदायित्व तथा बजट प्रबंधन अधिनियम 2003 के तहत प्राप्तियों व व्यय के रुझानों और सरकार के दायित्वों को पूरा करने में विचलन की अर्धवार्षिक समीक्षा पर दी। इसे पिछले सप्ताह लोकसभा में रखा गया था। अर्धवार्षिक समीक्षा में कहा गया, 'सार्वजनिक व्यय की गुणवत्ता में सुधार लाने पर जोर दिया जाएगा, साथ ही गरीबों और जरूरतमंदों के लिए सामाजिक सुरक्षा तंत्र को मजबूत किया जाएगा। यह दृष्टिकोण देश के वृहद-आर्थिक बुनियादी ढांचे को और मजबूत करने में मदद करेगा और समग्र वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित करेगा।'

बयानों के अनुसार, बजट 2024-25 यूरोप तथा पश्चिम एशिया में युद्धों के कारण उत्पन्न वैश्विक अनिश्चितताओं की पृष्ठभूमि में प्रस्तुत किया जाएगा। भारत की सुदढ़ वृहद आर्थिक बुनियाद ने देश की वैश्विक अर्थव्यवस्था को, प्रभावित करने वाली अनिश्चितताओं से बचाया है।

कुल व्यय 48.21 लाख करोड़ रुपये अनुमानित

वित्त वर्ष 2024-25 के बजट अनुमान (बीई) के अनुसार, कुल व्यय करीब 48.21 लाख करोड़ रुपये अनुमानित है, जिसमें से राजस्व खाते और पूंजी खाते पर व्यय क्रमशः लगभग 37.09 लाख करोड़ रुपये और 11.11 लाख करोड़ रुपये अनुमानित है। कुल व्यय 48.21 लाख करोड़ रुपये के मुकाबले वित्त वर्ष 2024-25 की पहली छमाही में व्यय 21.11 लाख करोड़ रुपये या बजट अनुमान का लगभग 43.8 प्रतिशत था।

पूंजीगत परिसंपत्तियों के सृजन के लिए अनुदान को ध्यान में रखते हुए प्रभावी पूंजीगत व्यय (कैपेक्स) 15.02 लाख करोड़ रुपये अनुमानित किया गया। सकल कर राजस्व (जीटीआर) लगभग 38.40 लाख करोड़ रुपये अनुमानित किया गया और निहित कर-जीडीपी अनुपात 11.8 प्रतिशत है।

6.5 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी आर्थिकी: EY

भारतीय अर्थव्यवस्था के चालू और अगले वित्त वर्ष में 6.5 प्रतिशत की दर से बढ़ने की संभावना है। अकाउंटिंग कंपनी ईवाई की रिपोर्ट के मुताबिक, सितंबर तिमाही में देश की आर्थिक वृद्धि दर के अनुमान से कम 5.4 प्रतिशत रहने की बड़ी वजह निजी उपभोग व्यय और सकल स्थिर पूंजी निर्माण में गिरावट है। सितंबर तिमाही में जीडीपी की वृद्धि दर सात तिमाहियों के निचले स्तर पर आ गई थी। इससे पिछली तिमाही में वृद्धि दर 6.7 प्रतिशत थी।

रिपोर्ट में कहा गया, 'मांग की एक उल्लेखनीय विशेषता निवेश में सुस्ती है, जैसा कि सकल स्थायी पूंजी निर्माण की वृद्धि में परिलक्षित होता है। इसके अलावा कि निजी निवेश की मांग में तेजी नहीं आई है, सरकार के निवेश खर्च की वृद्धि नकारात्मक रही है। चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में इसमें 15.4 प्रतिशत की गिरावट आई है।' ईवाई ने अपनी रिपोर्ट में वित्त वर्ष 2047-48 तक विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए भारत के राजकोषीय दायित्व ढांचे में सुधार के महत्व पर भी प्रकाश डाला गया है।

इसमें कहा गया कि टिकाऊ ऋण प्रबंधन, सरकारी बचत को खत्म करने तथा निवेश आधारित वृद्धि को बढ़ावा देने के लिए पुनर्संयोजित दृष्टिकोण महत्वपूर्ण है, जिससे भारत के विकसित अर्थव्यवस्था में बदलने का मार्ग प्रशस्त होगा।

NPS के हितधारकों को जोड़ने के लिए बनी ANI, इंडस्ट्री के दिग्गजों ने कहा- पेंशन सिस्टम में बढ़ेगा सहयोग

नई दिल्ली। नेशनल पेंशन सिस्टम (NPS) के विभिन्न हितधारकों को जोड़ने के लिए एसोसिएशन ऑफ एनपीएस इंटरमीडियरीज (ANI) का औपचारिक उद्घाटन मुंबई में ₹सेक्योरिंग टुमॉरो, विथ पेंशनर₹ सम्मेलन में किया गया। इस अवसर पर PFRDA के अध्यक्ष डॉ. दीपक मोहंती ने ANI का लोगो भी लॉन्च किया। यह पहल पेंशन प्रणाली में सहयोग, सब्सक्राइबर कल्याण और NPS को बढ़ावा देने के लिए की गई है।

NPS खास क्यों है?

NPS और अटल पेंशन योजना (APY) के तहत 13.8 लाख करोड़ से रुपये से अधिक एसेट मैनेज की जाती है। यह रिटायरमेंट प्लानिंग के शानदार विकल्प के तौर पर उभरा है। इन योजनाओं के 8 करोड़ सब्सक्राइबर्स हैं। इन्हें निवेशक लो-कॉस्ट और टैक्स बचाने वाले रिटायरमेंट विकल्प के रूप में देखते हैं।

ANI का मकसद क्या है?

- NPS को विश्वसनीय और लचीला रिटायरमेंट प्रोडक्ट के रूप में बढ़ावा देना।
- पॉलिसीमेकर्स और रेगुलेटर्स के साथ सहयोग कर सिस्टम को मजबूत बनाना।
- सब्सक्राइबर्स की भलाई और पारदर्शिता सुनिश्चित करना।

सम्मेलन में क्या हुआ?

इस सम्मेलन में पेंशन जागरूकता और वित्तीय साक्षरता को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर चर्चा हुई। इसमें शामिल एक्सपर्ट ने बताया कि लंबी अवधि के निवेश और ESG-आधारित रणनीतियों पर किस तरह से ध्यान देना चाहिए। सम्मेलन में बोलते हुए पीएफआरडीए के चेयरपर्सन डॉ. दीपक मोहंती ने जोर देकर कहा, 'एनपीएस Association of NPS Intermediaries की शुरुआत पेंशन सेक्टर के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। मुझे पूरा विश्वास है कि एसोसिएशन अपने सदस्यों और नियामकों के मार्गदर्शन के साथ वित्तीय सुरक्षा के लिए एक वैश्विक बेंचमार्क बनने के लिए नेतृत्व करेगा।'

वहीं, LIC के चेयरपर्सन सिद्धार्थ मोहंती ने कहा कि पेंशन एसेट्स वित्तीय क्षेत्र की प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। भारतीय स्टेट बैंक के एमडी राम मोहन राव अमरा और एक्सिस बैंक लिमिटेड के एमडी और सीईओ अमिताभ चौधरी ने एनपीएस को अपनाने और इसके विकास में वित्तीय संस्थानों की महत्वपूर्ण भूमिका पर अपने विचार साझा किए। ईपीएफओ के अतिरिक्त केंद्रीय भविष्य निधि आयुक्त अनिमेष मिश्रा ने भी सभा को संबोधित किया और टिकाऊ पेंशन की आवश्यकता के बारे में अपने विचार व्यक्त किए।

ANI के सदस्य कौन हैं?

इसमें बैंक और गैर-बैंक प्रतिनिधि, सेंट्रल रिकॉर्ड कीपिंग एजेंसियां, पेंशन एजेंट, रिटायरमेंट एडवाइजर्स आदि शामिल हैं। ANI का गठन NPS इकोसिस्टम के लिए एक मील का पत्थर है। इसमें शामिल लोगों का मानना है कि यह प्लेटफॉर्म पेंशन योजनाओं को व्यापक बनाने और भारत में रिटायरमेंट प्लानिंग को मजबूत करने में सहायक होगा। यह पहल NPS सब्सक्राइबर्स की जरूरतों और देश के वित्तीय भविष्य के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है।

भारत के जीडीपी के बराबर पहुंची एपल की वैल्यू, अमेरिकी कंपनी ने कैसे हासिल किया ये मुकाम?

एपल के शेयर मंगलवार को 258.20 डॉलर पर पहुंच गए जो इसका ऑल टाइम हाई लेवल है। पिछले 6 महीने के दौरान इसमें 23 फीसदी और एक साल में करीब 34 फीसदी की तेजी आई है। इसका मार्केट कैप का मार्केट कैप 3.9 ट्रिलियन डॉलर हो गया। एपल अब छठे नंबर की सबसे बड़ी इकोनॉमी है। भारत की जीडीपी का साइज भी लगभग इतना ही है।

नई दिल्ली। आईफोन और मैकबुक बनाने वाली अमेरिकी टेक्नोलॉजी दिग्गज एपल का मार्केट कैप 4 ट्रिलियन डॉलर (करीब 332 लाख करोड़ रुपये) के करीब पहुंच गया है। एपल इस मुकाम तक पहुंचाने वाली दुनिया की पहली कंपनी होगी। भारत की जीडीपी फिलहाल लगभग 331 लाख करोड़ रुपये है। इसका मतलब है कि एपल की वैल्यू भारत की जीडीपी के बराबर पहुंच गई है।

रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचे एपल के शेयर

एपल के शेयर मंगलवार को 258.20 डॉलर पर पहुंच गए, जो इसका ऑल टाइम हाई लेवल है। पिछले 6 महीने के दौरान इसमें 23 फीसदी और एक साल में करीब 34 फीसदी की तेजी आई है। इसका मार्केट कैप का मार्केट कैप 3.9 ट्रिलियन डॉलर हो गया। एपल अब छठे नंबर की सबसे बड़ी इकोनॉमी है। सिर्फ अमेरिका, चीन, फ्रांस, ब्रिटेन, जर्मनी, जापान और भारत की जीडीपी एपल से ज्यादा है। अमेरिकी जीडीपी में एपल की 13 फीसदी हिस्सेदारी है।

भारत की जीडीपी कितनी है?

भारत की जीडीपी 2000 में करीब 468 अरब डॉलर था। यह सिर्फ सात साल बाद यानी 2007 में एक लाख करोड़ डॉलर तक पहुंच गई। अगले सात साल में यह दो लाख करोड़ डॉलर हो गई। अब 2024 में भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी इकोनॉमी बन चुका है। हमारी जीडीपी का साइज 3.89 लाख करोड़ डॉलर है। यह रुपये में करीब 331 लाख करोड़ रुपये होता है। भारत का अगला लक्ष्य 2027-2028 तक पांच लाख करोड़ डॉलर के जीडीपी के साथ दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का है।

कितनी है एपल की कमाई

- एपल ने 2023-24 में लगभग 391 अरब डॉलर (करीब 33 लाख करोड़ रुपये) की कमाई की।
- इसकी कमाई और बिक्री में अमेरिका का योगदान सबे अधिक (करीब 44 फीसदी) है।
- आईफोन और मैकबुक बेचने वाली एपल की यूरोपीय देशों से लगभग 26 फीसदी कमाई होती है।
- एपल के कुल बिजनेस में चीन की योगदान 17 फीसदी और भारत का 2 फीसदी है।

एपल का बिजनेस क्या है?

एपल अमेरिकी मल्टीनेशनल टेक्नोलॉजी कंपनी है। इसकी शुरुआत 1 अप्रैल 1976 को हुई थी। इसके फाउंडर स्टीव जॉब्स थे, जिनका साल 2011 में निधन हो गया। यह कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स, कंप्यूटर सॉफ्टवेयर के साथ कई तरह के ऑनलाइन सर्विसेज की डेवलपमेंट और सेल करती है। इसमें मशहूर प्रोडक्ट में आईफोन, आईपैड, मैकिनटोश कंप्यूटर, एपल वॉच और एपल टीवी हैं। एपल के पास 1,64,000 से अधिक कर्मचारी हैं।

पत्नी के साथ लीजिए होम लोन, कई मुश्किलों से मिल जाएगा छुटकारा

परिवहन विशेष न्यूज

अगर आप होम लोन लेने जा रहे हैं तो ज्वाइंट होम लोन के विकल्प पर भी गौर कर सकते हैं। यह सामान्य होम लोन की तुलना में आसानी से मिलता है। लोन की रकम भी अधिक हो सकती है। अगर पति-पत्नी दोनों प्रोफेशनल्स हैं तो ज्वाइंट होम लोन बेहतर विकल्प रहता है। इसमें टैक्स छूट मिलती है और क्रेडिट स्कोर में भी सुधार होता है।

नई दिल्ली। हम में से हर कोई अपना घर चाहता है। इसके लिए बहुत-से लोग लंबे समय तक पाई-पाई जोड़कर पूंजी जुटाते हैं। हालांकि, फिर भी एकमुश्त रकम देकर घर खरीदना मुश्किल होता है। ऐसे में घर खरीदने या बनवाने के लिए होम लोन का सहारा लेना सबसे आसान विकल्प बन जाता है।

होम लोन लेते समय आप ज्वाइंट होम लोन पर भी विचार कर सकते हैं। यह सामान्य होम लोन की तुलना में ज्यादा आसानी से मिलता है। इसमें लोन की रकम भी अधिक हो सकती है। अगर पति और पत्नी दोनों प्रोफेशनल्स हैं, तो ज्वाइंट होम लोन (Joint home loan benefits) उनके सबसे बेहतर विकल्प रहता है।

ज्वाइंट होम लोन किसके साथ ले सकते हैं?

ज्वाइंट होम लोन आप किसी के साथ भी ले सकते हैं। लेकिन, महिला ज्वाइंट एप्लीकेंट होने से ज्यादा फायदा मिलता है। पति और पत्नी आपस में मिलकर ज्वाइंट लोन ले सकते हैं। अगर पुरुष शादीशुदा नहीं है, तो वह माता-पिता या बहन को भी आवेदनकर्ता बना सकता है।

ज्वाइंट लोन पर मिलती है टैक्स छूट

अगर आप पत्नी के साथ ज्वाइंट होम लोन के लिए अप्लाई करते हैं, तो दोनों लोग सेक्शन 80C के तहत इनकम टैक्स बेनेफिट (Tax savings on home loan) क्लेम कर सकते हैं। दोनों को प्रीपेमेंट करने पर ब्याज में 2 लाख की अलग-अलग टैक्स छूट मिलेगी। प्रिंसिपल अमाउंट पर भी 1 साल में अधिकतम 1.5 लाख रुपये की टैक्स छूट ली जा सकती है।

रियायती ब्याज दर पर मिलेगा होम लोन

कई बैंक और NBFC महिला खरीदार होने की स्थिति में रियायती ब्याज दर पर होम लोन उपलब्ध कराते हैं। ये दरें अमूमन 0.05 फीसदी तक कम होती हैं। महिला का नाम होने पर स्टाम्प ड्यूटी और रजिस्ट्रेशन फीस में भी कुछ छूट मिल जाती है। हालांकि, ये सभी लाभ तभी मिलेंगे, जब प्रॉपर्टी में महिला भी को-ओनर रहेगी।

पहला घर खरीदने पर अतिरिक्त छूट

पहली बार घर खरीदने पर होम लोन के ब्याज पर 50 हजार रुपये की अतिरिक्त कटौती मिलती है। लेकिन, इसके लिए लोन की रकम 35 लाख और प्रॉपर्टी का दाम 50 लाख रुपये से अधिक नहीं होना चाहिए। ब्याज चुकाने पर 1.5 लाख रुपये की अतिरिक्त छूट लेने के लिए स्टाम्प ड्यूटी की वैल्यू भी 45 लाख रुपये या इससे कम ही होनी चाहिए।

क्रेडिट स्कोर में भी होगा सुधार

ज्वाइंट होम लोन लेने पर दोनों आवेदनकर्ताओं का क्रेडिट स्कोर (Credit score improvement with joint loan) भी बेहतर होता है, क्योंकि होम लोन को सबसे सिक्योर लोन माना जाता है। अगर आपका जीवनसाथी भी प्रोफेशनल है, तो उसके साथ मिलकर होम लोन लेने से ईएमआई का बोझ भी किसी एक पर ही नहीं पड़ेगा।

रिलायंस को मिला चाइनीज ब्रांड का साथ, टाटा ग्रुप से बढ़ेगा कॉम्पिटीशन; ग्राहकों को मिल सकता है फायदा

परिवहन विशेष न्यूज

रिलायंस ग्रुप ने चीन के फास्ट फैशन ब्रांड SHEIN से करार किया है। इससे शीन के लिए चार साल बाद भारतीय बाजार में एंट्री का रास्ता खुल गया है। शीन अब रिलायंस ग्रुप के ऑनलाइन और ऑफलाइन प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल अपने प्रोडक्ट बेचने के लिए करेगी। शीन फास्ट रिटेल सेगमेंट में मिंत्रा टाटा ग्रुप के जूडियो जैसे स्टोर को नई चुनौती पेश कर सकती है।

नई दिल्ली। चीन का मशहूर फैशन ब्रांड शीन (SHEIN) चार साल की पाबंदी झेलने के बाद भारतीय बाजार में वापसी करने का जा रहा है। उसे अरबपति कारोबारी मुकेश अंबानी के रिलायंस ग्रुप का साथ मिला है। शीन ने रिलायंस रिटेल के ऑनलाइन प्लेटफॉर्म- अजियो पर अपने कलेक्शन की टेस्टिंग और कैटलॉगिंग शुरू कर दी है।

रिलायंस का इरादा शीन को अपने अन्य प्लेटफॉर्म तक भी पहुंचाना है। इससे रिलायंस की किफायती फास्ट-फैशन सेगमेंट में टाटा ग्रुप के जूडियो (Zudio) और फ्लिपकार्ट के मिंत्रा के साथ प्रतिस्पर्धा और बढ़ेगी।

भारतीय बाजार से क्यों बैन हुई थी शीन?

भारत और चीन के बीच सीमा विवाद साल 2020 के दौरान काफी बढ़ गया था। इसके चलते भारत सरकार ने 2020 में शीन समेत 50 चीनी ऐप को बैन कर दिया था। हालांकि, शीन की वापसी कमोबेश एक भारतीय कंपनी की तरह हुई है। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने लोकसभा में बताया था कि शीन का पूरा कारोबारी स्वदेशी रिटेल प्लेटफॉर्म पर होगा, जिसके डेटा का एक्सेस उसके पास नहीं रहेगा।

शीन को भी भारतीय बाजार की जरूरत

शीन को भारतीय बाजार की जरूरत है। वह ऐसे समय में भारतीय बाजार में दोबारा एंट्री कर रही है, जब उसकी रेवेन्यू ग्रोथ कम हो रही है। 2024 की पहली छमाही में शीन की रेवेन्यू ग्रोथ बीते साल के 40 फीसदी से घटकर 23 फीसदी रह गया है। रेडसीर स्ट्रेटजी कंसल्टेंट्स के मुताबिक, पिछले वित्त वर्ष में भारत का फास्ट फैशन सेगमेंट 40 फीसदी बढ़ा। यह बाजार 2031 तक 4.5 लाख करोड़ का हो जाएगा। इसका मतलब कि इसमें ग्रोथ की जोरदार गुंजाइश है।

शीन डील से रिलायंस को कैसे फायदा होगा?

यह डील रिलायंस और शीन, दोनों के लिए फायदेमंद है। शीन को सीधे रिलायंस के ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म अजियो और रिलायंस रिटेल के 19 हजार स्टोर में पहुंच मिलेगी। रिलायंस इंडस्ट्रीज पॉलिएस्टर फाइबर और यार्न प्रोडक्शन में सबसे आगे है। शीन के प्रोडक्ट में पॉलिएस्टर का काफी इस्तेमाल होता है। इसका मतलब कि रिलायंस से उसे मैन्युफैक्चरिंग सपोर्ट मिलेगा।

वहीं, रिलायंस अपने रिटेल बिजनेस को 4 साल में दोगुना करना चाहती है। शीन के डील से उसे कपड़ों की किफायती रेंज मिलेगी। इससे रिलायंस को अपना कस्टमर बेस बढ़ाने में मदद मिलेगी। रिलायंस का रिटेल बिजनेस काफी तेजी से बढ़ भी रहा है। वित्त वर्ष 2024 में रिटेल बिजनेस से रेवेन्यू 18 फीसदी बढ़कर 3.06 लाख करोड़ तक पहुंच गया।

कॉम्पिटीशन बढ़ने से ग्राहकों को फायदे की उम्मीद

रिलायंस और शीन की डील से फास्ट-फैशन कंपनियों के बीच प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी। शीन के प्रोडक्ट दूसरे फास्ट फैशन ब्रांड के मुकाबले 50 फीसदी तक सस्ते हैं। शीन फास्ट रिटेल सेगमेंट में मिंत्रा जैसे बड़े ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म के साथ-साथ टाटा ग्रुप के जुडियो जैसे स्टोर को नई चुनौती पेश कर सकती है।

जारा और एचएंडएम को भी अपनी रणनीति बदलनी पड़ सकती है। लाइफस्टाइल और पेंटालून्स के लिए भी मुश्किलें बढ़ेंगी। इससे कॉम्पिटीशन बढ़ेगा और स्थापित ब्रांड कीमतें कम करने को मजबूर हो सकते हैं, जिसका फायदा ग्राहकों को मिलेगा।

नवंबर में आसमान पर पहुंची हवाई यात्रियों की संख्या, अकेले इंडिगो से 1 करोड़ लोगों ने किया सफर

परिवहन विशेष न्यूज

नवंबर 2024 में डोमेस्टिक एविएशन के इतिहास में अब तक का सबसे अधिक ट्रैफिक देखने को मिला है। इस दौरान इंडिगो से सफर करने वाले यात्रियों की संख्या बढ़कर 1 करोड़ से ज्यादा हो गई। भारतीय एविएशन मार्केट में एयरलाइन की हिस्सेदारी 63.6 फीसदी के ऑल टाइम हाई पर पहुंच गई। भारत का डोमेस्टिक एविएशन सेक्टर 2024 खत्म होने से पहले 2023 के ट्रैफिक लेवल को पार कर चुका है।

नई दिल्ली। भारत के एविएशन सेक्टर ने नवंबर 2024 में शानदार उपलब्धि हासिल की है। एविएशन रेगुलेटर डायरेक्टर जनरल ऑफ सिविल एविएशन (DGCA) के मुताबिक, नवंबर 2024 में डोमेस्टिक एविएशन के इतिहास में अब तक का सबसे अधिक ट्रैफिक देखने को मिला है। इसका मतलब है कि नवंबर में रिकॉर्ड संख्या में हवाई यात्रियों ने उड़ान भरी।

एयरलाइंस और एयरपोर्ट दोनों को फायदा

हवाई यात्रियों की संख्या में रिकॉर्ड उछाल से विमान कंपनियों और एयरपोर्ट दोनों को फायदा हुआ। दिल्ली एयरपोर्ट के लिए नवंबर 2024 अब तक सबसे शानदार महीना रहा, जब वहां से उड़ान भरने वाले ट्रैवलर्स की संख्या रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गई। वहीं, तीन एयरलाइंस ने अपना नवंबर महीने में बेस्ट परफॉर्मेंस दिया है।

इंडिगो से 1 करोड़ यात्रियों ने भरी उड़ान

इंडिगो एक महीने में 10 मिलियन यानी 1 करोड़ से ज्यादा यात्रियों को उड़ान भराने वाली भारत की पहली एयरलाइन बन गई है। इनमें 90.7 लाख डोमेस्टिक और बाकी इंटरनेशनल ट्रैवलर्स थे। इंडिगो का इतिहास 18 साल पुराना है और यह तब से एयरलाइन के एक महीने में सबसे ज्यादा डोमेस्टिक पैसेंजर्स नंबर्स हैं। इंडिगो की मार्केट हिस्सेदारी नवंबर में 63.6 फीसदी के ऑल-टाइम हाई पर भी पहुंच गई।

वहीं, टाटा ग्रुप की एयर इंडिया ने नवंबर में 34.7 लाख यात्रियों को हवाई सफर कराया है। इसमें आंकड़े में इसकी सहायक कंपनी एयर इंडिया एक्सप्रेस भी शामिल है। एयर इंडिया का मार्केट शेयर नवंबर में 27.3 फीसदी रहा। एयर इंडिया का हाल ही में टाटा ग्रुप की एक अन्य कंपनी विस्तारा के साथ मर्जर हुआ है।

कितना बड़ा है भारत का डोमेस्टिक एविएशन सेक्टर

भारत का डोमेस्टिक एविएशन सेक्टर 2024 खत्म होने से पहले 2023 के ट्रैफिक लेवल को पार कर चुका है। दिसंबर 2024 रिकॉर्ड तोड़ने वाला महीना बनने जा रहा है, जिसमें नवंबर की तुलना में पैसेंजर्स ट्रैफिक 3 फीसदी ज्यादा है। डोमेस्टिक एविएशन इंडस्ट्री ने कई बार एक दिन में 5 लाख लाख से अधिक यात्रियों को फ्लाइट में सफर कराया।

हालांकि, पैसेंजर्स ट्रैफिक में टोटल एनुअल ग्रोथ ज्यादा नहीं है। यह 5 फीसदी से 6 फीसदी के बीच है। साथ ही, एयरलाइंस के किराया बढ़ाने पर विरोध झेलना पड़ा है। इस पर एविएशन मिनिस्टर राम मोहन नायडू तक आपत्ति जता चुके हैं। हालांकि, एविएशन इंडस्ट्री की दलील है कि उन्हें अपनी सेवाओं का विस्तार करना है, ताकि डिमांड पूरी की जा सके। इसके लिए किराया बढ़ाना जरूरी है।

गुरु गोविंद सिंह जी के छोटे साहबजादों के साहस को श्रद्धांजलि - वीर बाल दिवस 26 दिसंबर 2024 पर विशेष

छोटे साहबजादों का स्मरण आते ही सीना गर्व से चौड़ा हो जाता है व सिर श्रद्धा से झुक जाता है

साहबजादों बाबा जोरावर सिंह व फतेहसिंह के सम्मान में बाल दिवस के साथ बाल पुरस्कार 26 जनवरी के स्थान पर 26 दिसंबर को देना सराहनीय निर्णय– **एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र**

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर आदि अनादि काल से भारत की अनेक गाथाएं इतिहास में दर्ज है, जिसका बखान उनके प्रकाशोत्सव वर्षगांठ या उस दुखद पल कुर्बानी दिवस के रूप में उसको याद किया जाता है। इसी कड़ी में 26 दिसंबर 2024 को सिखों के दसवें गुरु, गुरु गोबिंद सिंह जी के परिवार की शहादत को आज भी इतिहास की सबसे बड़ी शहादत माना जाता है। छोटे साहिबजादों का स्मरण आते ही सीना गर्व से चौड़ा हो जाता है और सिर श्रद्धा से झुक जाता है। देश में पहली बार पीएम के ऐलान के बाद ही 26 दिसंबर को गुरु गोबिंद सिंह जी के छोटे साहिबजादों बाबा जोरावर सिंह जी और बाबा फतेह सिंह जी के साहस को श्रद्धांजलि देने के लिए वीर बाल दिवस पूरे देश-विदेश में मनाया जाता है। गुरुद्वारा श्री फतेहगढ़ साहिब उस स्थान पर खड़ा है, जहां साहिबजादों ने आखिरी सांस ली। केंद्रीय महिला एवं बाल कल्याण मंत्री ने मंगलवार 24 दिसंबर 2024 को एक बयान जारी करके बताया कि भारत के बच्चों की उपलब्धियों और सामर्थ्य को सम्मानित करते हुए आगामी गुरुवार को वीर बाल दिवस मनाया जाएगा। इस अवसर पर राष्ट्रव्यापी गतिविधियों के लिए इस साल 14 राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों के 17 बच्चों को सम्मानित किया जाएगा। इस पुरस्कार समारोह में सात श्रेणियों में उल्लेखनीय योगदान के लिए सात लड़कों और दस लड़कियों को सम्मानित किया जाएगा। पीएम बाल पुरस्कार इस बार 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस के बजाय 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस के मौके पर दिए जाएंगे। राष्ट्रपति भवन में एक समारोह में बाल पुरस्कार बांटेंगीं ।पीएम इसके बाद भारत मंडपम में बच्चों से मिले ।चूँकि छोटे साहबजादों का स्मरण आते ही सीना गर्व से चौड़ा हो जाता है व सिर श्रद्धा से झुक जाता है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, गुरु गोविंद सिंह जी के छोटे साहबजादों के साहस को श्रद्धांजलि, वीर बाल दिवस 26 दिसंबर 2024 पर विशेष।

साथियों बात अगर हम वीर बाल दिवस के महत्व व परिभाषा संशोधन की करें तो, यह दिवस खालसा के चार साहिबजादों के बलिदान को सम्मान देने के लिए मनाया जाता है। अंतिम सिख गुरु गोबिंद सिंह के छोटे बच्चों ने अपने आस्था की रक्षा करते हुए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए थे। यह उनकी कहानियों को याद करने का भी दिन और यह जानने का भी दिन है कि कैसे उनकी निर्मम हत्या की गई-खासकर जोरावर और फतेह सिंह की। सरसा नदी के तट पर एक लड़ाई के दौरान दोनों साहिबजादों को मुगल सेना ने बंदी बना लिया था ।इस्लाम धर्म कबूल नहीं करने पर उन्हें क्रमशः 8 और 5 साल की उम्र में कथित तौर पर जिंदा दफन कर दिया गया था। बदली परिभाषा, अब, वीर वह है जो अंधेरों को रोशन करेंसरकार ने इस बार वीरता की परिभाषा को भी परिमार्जित किया है। इसमें कहा गया है, वीर वह है जो अंधेरों को रोशन करें। इसमें केवल साहस ही नहीं दया, क्रियाशीलता, नवप्रवर्तन के साथ कुछ कर गुजरे बच्चों जो समाज के लिए प्रेरणा स्रोत बनते हैं को शामिल किया गया है, ताकि इससे देश की युवा पीढ़ी और बच्चे भी ऐसा करने के लिए प्रेरित हों। सरकार का मकसद इसके जरिये समग्रता के साथ बच्चों की वीरता और कारनामों को पेश करना है। वीर सपूतों के अदम्य साहस से प्रेरणा लेना आवश्यक है।

साथियों बात अगर हम 26 दिसंबर 2024 को वीर बाल दिवस के रूप में मनाने व इसी दिन पीएम राष्ट्रीय बाल पुरस्कार वितरण की करें तो, पीएम

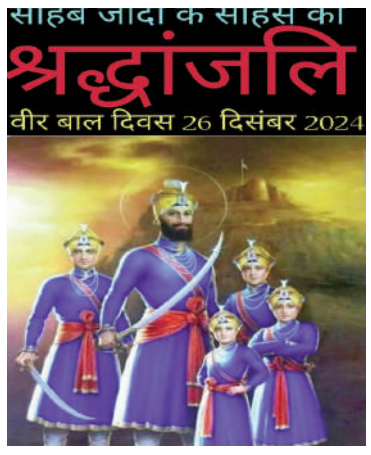

आह्वान पर 2022 से 26दिसंबर को वीर बाल दिवस के रूप में मनाया जाता है। यह दिन सिखों के दसवें गुरु गोविंद सिंह के दो छोटे साहिबजादे 9 साल के बाबा जोरावर सिंह और उनके छोटे भाई 5 साल के बाबा फतेह सिंह की वीरता को समर्पित है। 26 दिसंबर को 1705 में इन महान सपूतों को धर्म नहीं बदलने पर प्रतिशोध स्वरूप वजीर खान ने जिंदा दीवार में चुनवा दिया था। इस शहादत को नमन करने के लिए इस बार वीर बाल दिवस के मौके पर बहादुर बच्चों को सम्मानित किया जा जाएगा। केंद्रीय मंत्री ने सोशल मीडिया पर लिखा पीएम राष्ट्रीय बाल पुरस्कार से सम्मानित बच्चों के साथ वीर बाल दिवस मनाया जाएगा। यह वह नौनिहाल हैं, जिन्होंने साबित किया है कि दृढ़ संकल्प से हर मुकाम हासिल किया जा सकता है। इन बाल प्रतिभाओं से प्रेरणा लेकर विकसित भारत बनाएंगे। भारत सरकार असाधारण उपलब्धियों के लिए सात श्रेणियों कला और संस्कृति, बहादुरी, नवाचार, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, सामाजिक सेवा, खेल और पर्यावरण में बच्चों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार (पीएमआरबीपी) प्रदान करती है। इस बार 14 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के 17 बच्चों को इस पुरस्कार के लिए चुना गया है। इनमें 7 लड़के और 10 लड़कियां शामिल हैं। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु 26 दिसंबर, 2024 को इन बच्चों को पुरस्कार प्रदान करेंगी। प्रत्येक विजेता को पदक, प्रमाण पत्र और प्रशस्ति पत्र पुस्तिका दिए जाएंगे। वीर बाल दिवस पर राष्ट्रीय कार्यक्रम 26 दिसंबर, 2024 को ही नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित किया जाएगा । यह दिन युवा दिमागों को पोषित करने, उनकी रचनात्मकता बढ़ाने और विकसित भारत की भविष्यदृष्टि में योगदान के लिए उन्हें प्रेरित करने पर केंद्रित होगा। इस कार्यक्रम में पीएम शामिल होंगे। आयोजन में पीएम राष्ट्रीय बाल पुरस्कार विजेताओं और गणमान्य व्यक्तियों सहित लगभग 3,500 बच्चे इस कार्यक्रम में भाग लेंगे ।कार्यक्रम में बच्चों द्वारा भारतीय विरासत को दर्शाने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे। बच्चे विविध संस्कृतियों के प्रतिनिधित्व वाले मार्च पास्ट में भी शामिल होंगे। इसके अलावा माई गॉव/माई भारत पोर्टल पर ऑनलाइन गतिविधियां सहित देश भर के स्कूलों, बाल देखभाल संस्थानों, आंगनवाड़ी केंद्रों में कहानी सुनाने, रचनात्मक लेखन, पोस्टर बनाने, निबंध लेखन, कविता और प्रश्नोत्तरी जैसी विभिन्न कार्यक्रम आयोजित होंगे।

साथियों बात अगर हम वीर बाल दिवस के इतिहास की करें तो, बताते हैं कि मुगलों ने अचानक आनंदपुर साहिब के किले पर हमला कर दिया। गुरु गोबिंद सिंह जी मुगलों से लड़ना चाहते थे, लेकिन अन्य सिखों ने उन्हें वहां से चलने के लिए कहा। इसके बाद गुरु गोबिंद सिंह के परिवार सहित अन्य सिखों ने आनंदपुर साहिब के किले को छोड़ दिया और वहां से निकल पड़े। जब सभी लोग सरसा नदी को पार कर रहे थे तो पानी का बहाव इतना तेज हो गया कि पूरा परिवार बिछड़ गया। बिछड़ने के बाद गुरु गोबिंद सिंह व दो बड़े साहिबजादे बाबा अजीत सिंह व बाबा जुझार सिंह चमकौर पहुंच गए। वहीं, माता गुजरी, दोनों छोटे साहिबजादे बाबा जोरावर सिंह व बाबा फतेह सिंह और गुरु साहिब के सेवक रहे गंगू गुरु साहिब व अन्य सिखों से अलग हो गए। इसके बाद गंगू इन सभी को अपने घर ले गया लेकिन उसने सरहिंद के नवाज वजीर खान को जानकारी दे दी जिसके बाद वजीर खान माता गुजरी और दोनों छोटे साहिबजादों को कैद कर लिया। वजीर खान ने दोनों छोटे साहिबजादों को अपनी कचहरी में बुलाया और डरा-धमकाकर उन्हें धर्म परिवर्तन करने को कहा लेकिन दोनों साहिबजादों ने जो बोले सो निहाल, सत श्री अकाल के जयकारे लगाते हुए धर्म परिवर्तन करने से मना कर दिया। वजीर खान ने फिर धमकी देते हुए कहा कि कल तक या तो धर्म परिवर्तन करो या मरने के लिए तैयार रहो। 27 दिसंबर को अगले दिन ठंडे बुर्ज में कैद माता गुजरी ने दोनों साहिबजादों को बेहद प्यार से तैयार करके दोबारा से वजीर खान की कचहरी में भेजा। यहां फिर वजीर खान ने उन्हें धर्म परिवर्तन करने को कहा लेकिन छोटे साहिबजादों ने मना कर दिया और फिर से जयकारे लगाने लगे। यह सुन वजीर खान तिलमिला उठा और दोनों साहिबजादों को जिंदा दीवार में चिनवाने का हुक्म दे दिया और साहिबजादों को शहीद कर दिया। यह खबर जैसे ही माता दादी माता गुजरी के पास पहुंची, उन्होंने भी अपने प्राण त्याग दिए।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि गुरु गोविंद सिंह जी के छोटे साहबजादों के साहस को श्रद्धांजलि-वीर बाल दिवस 26 दिसंबर 2024 पर विशेष,छोटे साहबजादों का स्मरण आते ही सीना गर्व से चौड़ा हो जाता है व सिर श्रद्धा से झुक जाता है ।साहबजादों बाबा जोरावर सिंह व फतेहसिंह के सम्मान में बाल दिवस के साथ बाल पुरस्कार 26 जनवरी के स्थान पर 26 दिसंबर को देना सराहनीय निर्णय है।

महाकुंभ पर मुख्यमंत्री योगी ने हेमन्त को भेजा निमंत्रण

कार्तिक परिच्छा , झारखंड

रांची, झारखंड के मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन को उनके आवासीय कार्यालय में उत्तर प्रदेश के उच्च शिक्षा (कैबिनेट) मंत्री योगेंद्र उपाध्याय एवं कारागार (राज्यमंत्री) सुरेश राही ने मुलाकात की एवं उन्होंने मुख्यमंत्री को भारतीय संस्कृति एवं आस्था के प्रतीक ₹प्रयागराज महाकुम्भ, 2025₹ में सम्मिलित होने के लिए आमंत्रित किया। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन को मंत्री योगेंद्र उपाध्याय एवं सुरेश राही ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की ओर से उनका आमंत्रण, पवित्र गंगाजल एवं महाकुम्भ का प्रतीक चिह्न भेंट कर महाकुम्भ में आने के लिए आमंत्रित किया है। इस दौरान मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने उत्तर प्रदेश के दोनों मंत्रियों को स्मृति चिह्न भेंटकर आभार एवं धन्यवाद ज्ञापित किया। यहां बताना उचित होगा कि महाकुंभ का आयोजन हर 144 साल बाद होता है इसका आयोजन केवल प्रयागराज में होता है तथा 12 पूर्ण कुंभ के बाद एक महाकुंभ आता ।इस वर्ष2025मे यह 13 जनवरी से 26 फरवरी तक चलेगा ।

केंद्र ने नौकरशाही में किया बड़ा फेरबदल, कई मंत्रालयों के सचिव बदले; विनीत जोशी को उच्च शिक्षा की जिम्मेदारी

केंद्र सरकार ने बुधवार को नौकरशाही में बड़ा फेरबदल किया है। कई मंत्रालयों के सचिवों को तत्काल प्रभाव से बदल दिया गया है। नीलम शमी राव को कपड़ा मंत्रालय का नया सचिव बनाया गया है। संजय सेठी को राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग का सचिव नियुक्त किया गया है। आईएएस अधिकारी नीरजा शेखर अब राष्ट्रीय उत्पादकता परिषद के महानिदेशक होंगे।

नई दिल्ली। केंद्र सरकार की शीर्ष नौकरशाही में आधा दर्जन मंत्रालयों में फेरबदल करते हुए करीब डेढ़ साल पहले अशांत मणिपुर को संभालने के लिए भेजे गए वरिष्ठ आईएएस अधिकारी विनीत जोशी को फिर से दिल्ली बुलाते हुए उन्हें शिक्षा मंत्रालय में उच्च शिक्षा सचिव की नई जिम्मेदारी दी गई है। हाल ही में इस पद पर तैनात वरिष्ठ आईएएस अधिकारी के. संजय मूर्ति को देश का नया नियंत्रक महालेखा परीक्षक (सीएजी) बनाए जाने के बाद यह पद खाली पड़ा था।

छह वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों के तबादले

फिलहाल इसका जिम्मा शिक्षा मंत्रालय के स्कूली शिक्षा सचिव संजय कुमार के पास है। आईआईटी कानपुर से पढ़े जोशी मणिपुर कैडर के 92 बैच के आईएएस अधिकारी है। केंद्र सरकार ने इसके साथ छह और वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों के भी तबादले दिए है। इनमें कपड़ा मंत्रालय की सचिव रचना शाह को केंद्रीय कार्मिक और पेंशन मंत्रालय का नया सचिव बनाया गया है। शाह केरल कैडर की 91 बैच की अधिकारी है।

राजस्व विभाग के सचिव बने अरुणिश चावला

वहीं रसायन व उर्वरक मंत्रालय के

फार्मा विभाग के सचिव अरुणिश चावला को वित्त मंत्रालय में राजस्व विभाग का सचिव बनाया गया है। राजस्व सचिव रहे संजय अग्रवाल को हाल ही में रिजर्व बैंक का गर्वनर बनाया गया था। इसके साथ ही चावला को संस्कृति मंत्रालय के सचिव का भी अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। चावला बिहार कैडर के 92 बैच के अधिकारी है।

कपड़ा मंत्रालय की सचिव बनीं नीलम शमी

प्रशासनिक फेरबदल में केंद्र ने जिन और आईएएस अधिकारियों के तबादले किए है, उनमें संजय सेठी को अल्पसंख्यक मंत्रालय के तहत काम करने वाले राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग का सचिव बनाया गया है। वहीं अब तक इस पद रहीं नीलम शमी राव को कपड़ा मंत्रालय का नया सचिव बनाया गया है। संजय सेठी जहां महाराष्ट्र कैडर के 92 बैच के अधिकारी है, वहीं नीलम शमी राव मध्य प्रदेश कैडर की 92 बैच की अधिकारी है।

अमित अग्रवाल के पास फार्मा विभाग की जिम्मेदारी

छत्तीसगढ़ कैडर के 93 बैच के आईएएस अधिकारी अमित अग्रवाल को यूआईएआई के सीईओ की जगह अब रसायन और उर्वरक मंत्रालय के फार्मा विभाग का सचिव बनाया गया है। जबकि हरियाणा कैडर की 93 बैच के आईएएस अधिकारी नीरजा शेखर को सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के विशेष सचिव की जगह अब डीपीआईआईटी के तहत आने वाले राष्ट्रीय उत्पादकता परिषद (एनपीसी) का महानिदेशक बनाया गया है।

किनारा ना किया...

ये मुझसे किनारा ना किया करों,
हाँ,मिलने का इशारा किया करों।
इस ज़माने से भी तो थोड़ा डरो,
कुछ हम पर भी तो रहम करों!
आती है याद हौसले बुलंद करों।

ये मुझसे किनारा ना किया करों,
हाँ,मिलने का इशारा किया करों।
होने दो ये अहसाँस थोड़ा-थोड़ा,
अब कभी-भी बन जाएगा जोड़ा!
यार मेरे इंतज़ार कर लें तू थोड़ा।

ये मुझसे किनारा ना किया करों,
हाँ,मिलने का इशारा किया करों।
मैं तेरी एक झलक से परवान हूँ,
करता हूँ इल्तज़ा कि निगेहबाँ हूँ!
हाँ, अब मैं तेरा सिपहसालार हूँ।

संजय एम तराणेकर

झारखंड आन्दोलन के कुड़मी नेता निर्मल महतो पर मुख्यमंत्री ने किया माल्यार्पण

कार्तिक कुमार परिच्छा, स्टेट हेड झारखंड

जमशेदपुर। झारखंड आंदोलन के प्रणेता रहे निर्मल महतो के 74 वें जयंती पर झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सरेन ने रांची स्थित उनके आदम का प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। उन्होंने झारखंड अलग राज्य के लिए चलाये गये आंदोलन में अहम भूमिका निभाई थी। झारखंड दिशोम गुरु तथा मुख्यमंत्री के पिता शिवू सोरेन इनके तेज छवि से काफी प्रभावित दिखते थे। निर्मल महतो ने ही सिंहभूम में झारखंड निर्माण के लिए जोरदार आंदोलन चलाया था। उन्होंने तत्कालीन चर्चित ऑल असम स्टूडेंटयूनियन के तर्ज पर झारखंड के सबसे बड़े छात्र संगठन झारखंड स्टूडेंट्स यूनियन (आजसू) का गठन किया। आज वह भारतीय जनता पार्टी की एक सहयोगी पार्टी बन कर रह गई है । झामुमो सुप्रीमो शिबू सोरेन ने इनकी आंदोलनकारी छवि को देखते हुए उन्हे 1980 में झामुमो में शामिल किया तथा निर्मल महतो झारखंड मुक्ति मोर्चा के दो बार अध्यक्ष भी चुने गए। पहली बार 6 अप्रैल 1984 को बोकारो में झामुमो केंद्रीय समिति की बैठक में अध्यक्ष बने। उसके बाद 28 अप्रैल 1986 के दूसरे केंद्रीय महाधिवेशन में दूसरी बार निर्मल महतो को झारखंड मुक्ति मोर्चा का अध्यक्ष चुना गया। वे जीवन के अंत तक झामुमो के अध्यक्ष बने रहे ।

निर्मल महतो की हत्या 8 अगस्त 1987 को जमशेदपुर के बिष्टुपुर में नार्दर्न टाउन स्थित चमरिया गेस्ट हाउस के सामने गोली मारकर उस समय कर दी गई थी, जब वे अपने सहयोगियों के साथ खड़े होकर बातचीत कर रहे थे। लोग निर्मल महतो को प्यार से निर्मल दा पुकारते थे। संयुक्त बिहार के दौरान उस हत्या के विरोध में जमशेदपुर समेत पूरे बिहार प्रदेश में बवाल हुआ था। हत्या की जांच सरकार ने सी बी आई को 18 नवंबर 1987 को सौंप दी थी। हत्या मामले में धीरेंद्र सिंह वीरेंद्र सिंह और नरेंद्र सिंह की गिरफ्तारी हुई थी। धीरेंद्र सिंह की गिरफ्तारी हत्या मामले में 11 साल बाद 2001 में और नरेंद्र सिंह की 2003 में हुई थी। जेल में ही गोलमुरी के गाढ़ाबासा निवासी वीरेंद्र सिंह की मौत हो गई थी। हत्या की प्राथमिकी जे एम एम के तत्कालीन दिग्गज नेता सूरज मंडल की शिकायत पर बिष्टुपुर थाना में दर्ज की गई थी।

एक ऐसा भी पल आया झामुमो दो गुट में बट गयी । एक सूरज मंडल गुट बना तो दूसरा शिबू सोरेन का । तत्कालीन सरायकेला विधायक एवं सिंहभूम सांसद कृष्ण मारंडी मंडल गुट में चले गये जिसके

फलस्वरूप नये नेता के रूप में सरायकेला के विधायक तथा झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन का राजनीतिक भविष्य शिबू सोरेन के विशेष छत्रछाया में आरंभ हुआ था ।

कानपुर में धूमधाम से मनाया गया क्रिसमस डे, चर्चो में प्रार्थना

सुनील बाजपेई

कानपुर। इस संवेदनशील महानगर में आज बुधवार को क्रिसमस डे धूमधाम से मनाया गया। इस मौके पर शहर भर की चर्च व घरों में खुशियों का माहौल नजर आया। बीती रात से लेकर आज समाचार लिखे जाने तक इस दौरान शहर भर के गिरजा घरों में प्रार्थना और एक दूसरे को बधाई देने का भी दौर जारी रहा। इस बीच शहर में कई इमारतें क्रिसमस के रंग के सराबोर होकर येशु का स्वागत करते भी दिखीं। साथ ही जगह-जगह पर सेंटा क्लॉज लोगों को खुशियां बांटते हुए दिखाई दिए। आज मसीह समाज के लोग सजधज कर चर्चों में पहुंचे और देश दुनिया में शांति व सुख समृद्धि की कामना कर एक दूसरे को क्रिसमस पर्व की शुभ कामनाएं भी दी। इस दौरान बच्चे सेंटा क्लॉज व एंजेल की वेशभूषा में सजे धजे नजर आए। घरों में केक काट कर क्रिसमस की खुशियां मनाते हुए एक दूसरे को बधाई दी गई।

ओड़शिा राज्यपाल रघुबर दास ने अप्रत्याशित रूप से इस्तीफा क्यों दिया?

मनोरंजन सासमल, स्टेट हेड ओड़िशा

भूबनेश्वर: ओडिशा के राज्यपाल रघुबर दास ने इस्तीफा दे दिया। महज एक साल दो महीने पहले यानी अक्टूबर 2023 में ओडिशा के राज्यपाल का पदभार संभालने वाले रघुबीर दास ने इस्तीफा दे दिया है। रघुबीर का इस्तीफा बहुत गुप्त रखा गया। राज्य भाजपा के किसी भी नेता को इसकी जरा सी भी भनक नहीं लगी। कुछ लोगों को छोड़कर इस इस्तीफे के बारे में किसी को पता नहीं था ।उनके स्थान पर आंध्र प्रदेश के कंभमापति हरिबाबू को नया राज्यपाल नियुक्त किया गया है। तो फिर रघुबीर ने कार्यकाल खत्म होने से पहले इस्तीफा क्यों दिया, इस पर चर्चा शुरू हो गई है। क्या रघुवर राज्यपाल पद से इस्तीफा देकर राजनीति में लौटेंगे? रघुबीर ने इस्तीफा क्यों दिया! - क्या केंद्र सरकार रघुबीर पर सख्त हो गई? - राज्यपाल के बेटे द्वारा एक ओडिया एएसओ की पिटाई की घटना ने भाजपा को बैकफुट पर ला दिया है। - मोहन सरकार की कार्रवाई ओडिया स्वतंत्रता के लिए एक बड़ा झटका थी। - सत्ता में आते ही नई सरकार की राज्य की जनता के सामने आलोचना की गई ।- विश्वविद्यालय संशोधन विधेयक पर राज्यपाल के आग्रह से मोहन सरकार शर्मिंदा। कैबिनेट की मंजूरी के बाद भी विश्व विद्यालय विधेयक अंतिम समय में विधानसभा तक नहीं पहुंच सका।

- विपक्ष को सरकार पर हमला करने का मौका दिया गया।
- सरकार में अत्यधिक शाही हस्तक्षेप की बात कही गई ।- राज्यपाल का कार्यकाल 14 महीने में समाप्त हो गया।
- झारखंड में भाजपा सरकार नहीं बना सकी
- चुनावी हार के बाद भाजपा ने झारखंड कार्ड से हाथ खींच लिया
- केंद्र का ध्यान अब आंध्र प्रदेश पर
- नए राज्यपाल हरिबाबू आंध्र प्रदेश के तनुवा नेता हैं
- 1999 में विशाखापत्तनम से विधायक के रूप में आंध्र प्रदेश विधानसभा के लिए चुने गए।
- 2014 में विशाखापत्तनम से सांसद बने
- वह 2014 से 2018 तक आंध्र प्रदेश के भाजपा अध्यक्ष रहे।
- जुलाई 2021 में मिजोरम के राज्यपाल के रूप में कार्यभार संभाला

हैदराबाद में राजस्थान से सांसद राहुल कस्वां सम्मान किया

जगदीश सीरवी

हैदराबाद। रामपल्ली चूरू सांसद राहुल कस्वॉ का हैदराबाद में बालाजी स्टील परिवार द्वारा निवास स्थान पर भव्य स्वागत किया गया सांसद महोदय के साथ विजयपाल चाहर बागसरा पूर्व सरपंच महेंद्र डूकिया सांसद पर्सनल सेकेटरी रोहितास धनकड साथ रहे इस अवसर पर स्थानीय श्रीनिवास रेड्डी कांग्रेस अध्यक्ष नागारम, वेंकट रेड्डी स्थानीय पार्षद, का भी पार्टोदा निवासी विकास कुमार शर्मा के नेतृत्व में भी सभी सदस्यों ने स्वागत किया बोदूलाल शर्मा, रामवतार शर्मा, आनन्द शर्मा, सुनिल शर्मा, कपिल

शर्मा, दुधाराम बाबल, सतपाल ढाढीया, सोहन सिहं जी राजपुरोहित, मंगलाराम पंवार, उदाराम , बजरंग , नन्दु सिंह , विक्रम सिंह , ओमजी पान पेठा, ,दामोदर , जयप्रकाश शर्मा, गोपालजी जाट, गुमान सिंह, ऋषि महर्षि, शुभम शर्मा , विकास, कमलेश, विराट, आदित्य, गौतम, आलोक, का सम्मान किया ।इस अवसर पर राजस्थानी प्रवासी उपस्थित रहे

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 9811902095. newstransportvishesh@gmail.com
(इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। RNI No :- DELHIN/2023/86499. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023